हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
रांची, मंगलवार, 01 अक्टुबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 139 www.koylanchalsamvad.com
रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

शराब तस्कर और पुलिस में मुठभेड़, जवान सहित 2 घायलःगोपालगंज में रेड मारने गई थी टीम, पीछा करने के दौरान बदमाशों ने की फायरिंग

गोपालगंज. गोपालगंज में सोमवार को पुलिस और शराब तस्करों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है की गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस शराब तस्करों का पीछा कर रही थी, तभी तस्करों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में एक सिपाही घायल हो गया, जिसे तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामला कुचायकोट थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव का है। घटना के बाद तस्कर मौके से फरार हो गए, लेकिन पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उनके ठिकाने पर छापेमारी की। इस दौरान एक तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आया, जबकि अन्य फरार तस्करों की तलाश में छापेमारी जारी है। भागने की कोशिश कर रहे तस्कर पर पुलिस ने फायरिंग की, जिससे उसके पैर में गोली लगी और उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल होमगार्ड सिपाही की पहचान नगर थाना क्षेत्र के सरेया वार्ड नंबर चार निवासी बसंत कुमार मांझी के रूप में हुई है। वो कुचायकोट थाने में पोस्टेड है। जबकि घायल शराब तस्कर यूपी के कुशीनगर जिले के पडरौना थाना क्षेत्र के जंगल खिरकिया गांव निवासी हफीज मियां का बेटा नवीन अख्तर है। एसपी अवधेश दीक्षित ने अस्पताल पहुंचकर घायल सिपाही और तस्कर का हाल जाना इसके साथ पूरी घटना की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 'सूचना मिली थी कि यूपी से कुछ शराब तस्कर शराब लेकर कुचायकोट में आए हुए थे। टीम छापेमारी के लिए गई थी। इसी दौरान शराब तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इस फायरिंग के दौरान एक होमगार्ड के जवान बसंत माझी के पेट में गोली लग गई। उन्हें तत्काल इलाज के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की गई है।'

बाढ़ में स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

पटना. बाढ़ में स्मार्ट बिजली मीटर के खिलाफ कांग्रेस ने विरोध-प्रदर्शन किया। कचहरी से स्टेशन चौक तक पटना कांग्रेस कमेटी ग्रामीण-2 के कार्यकारी अध्यक्ष सरदार गुरजीत सिंह के नेतृत्व में जन जागरण मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सरदार गुरजीत सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर से लोग परेशान हैं। कम उपयोग होने के बाद भी ज्यादा बिल का भुगतान करना पड़ रहा है। केंद्र सरकार को इस पर रोक लगाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी पूरे भारत में स्मार्ट मीटर को बंद कराने के लिए अभियान चला रही है। स्मार्ट बिजली मीटर लोगों का खून चूस रहा है। जब तक स्मार्ट मीटर पर रोक नहीं लगेगा, हम लोग आवाज उठाते रहेंगे। केंद्र की बीजेपी सरकार पूंजीपतियों को आगे बढ़ा रही है। जन जागरण मार्च में उपाध्यक्ष धर्मवीर कुमार, सचिव दिनेश कुमार यादव, घोसवरी प्रखंड अध्यक्ष उदय शंकर, पंडारक के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष आमोद सिंह, वरिष्ठ नेता रामप्रवेश सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

2 अक्टूबर को जन सुराज पार्टी की स्थापना

किशनगंज (बिहार). किशनगंज में जन सुराज के दो अक्टूबर स्थापना अधिवेशन से पहले राज्य कार्यवाहक समिति की घोषणा की गई, जिसमें जिले के 30 सदस्यों को जगह मिली। जो प्रदेश में शहर का प्रतिनिधित्व करेंगे। ये सदस्य शहर के संस्थापक सदस्यों के साथ विचार विमर्श के बाद चुने गए। ये सभी राज्य में स्थाई चुनाव के होने तक अपने पद पर कार्यरत रहेंगे। कमेटी की घोषणा प्रेस वार्ता के माध्यम से किशनगंज के जिला अध्यक्ष प्रोफेसर मुसव्विर आलम, मुख्य प्रवक्ता नेहाल अख्तर, अभियान समिति संयोजक तारिक अनवर, युवा अध्यक्ष इकरामुल हक और मौलाना गुलाम सरवर अजहरी ने किया। कमेटी में स्थान पाने वाले प्रमुख लोगों में बहादुरगंज से जमील अख्तर, शाइस्ता तबाना, दिघलबैंक से हीरा लाल सिंह, भीम प्रसाद कर्मकार, तौकीर अहमद, किशनगंज से नुदरत महजबीन, डॉक्टर विजय कुमार, डॉक्टर फरजाना बेगम, धर्मचंद जैन, टेरागाछ से प्रोफेसर जमील अख्तर, कोचाधामन से डॉक्टर शफीउल हक, अब्दुल खालिक, अबू अफ्फान फारूकी और मुबारक हुसैन इत्यादि को राज्य कार्यवाहक समिति में जगह मिली।
जिला अध्यक्ष प्रोफेसर मुसिव्वर आलम ने 2 अक्टूबर को पटना के वेटरनरी ग्राउंड में होने वाले जन सुराज स्थापना अधिवेशन में शामिल होने के लिए लोगों को आमंत्रित किया। इस व्यवस्था परिवर्तन के मुहिम में शामिल होने के लिए आम जनता से अपील की। जिला अध्यक्ष ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर हमारे तैयारी चल रही है 243 सीट पर हम लोग चुनाव लड़ेंगे और जो आबादी के अनुसार प्रतिनिधित्व है इस आधार पर हम चुनाव लड़ेंगे।

बाढ़ पीड़ितों ने ट्रेन रोक कर किया हंगामा

सुपौल. सुपौल के किशनपुर अंचल इलाके के थरिया गांव के पास बाढ़ पीड़ितों ने सोमवार को सहरसा-सुपौल-लहेरियासराय डेमू ट्रेन को रोकर प्रदर्शन किया। प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बाढ़ पीड़ितों ने जमकर भड़ास निकाली। गुस्साए लोगों का कहना था कि बाढ़ में प्रशासन की और से राहत के लिए शिविर तक नहीं लगाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि तकरीबन एक घंटे तक बाढ़ पीड़ितों ने ट्रेन को रोककर रखा। सूचना पर पहुंचे सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार, रेलवे विभाग के अधिकारी सहित किशनपुर अंचल के अधिकारी भी पहुंचे। एसडीएम के आश्वासन के बाद बाढ़ पीड़ितों का गुस्सा शांत हुआ। इधर, सदर एसडीएम इंद्रवीर कुमार ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के बीच लगातार राहत और बचाव का काम चल रहा है। जगह-जगह कम्युनिटी किचन भी खोले गए है। बाढ़ पीड़ितों की मांग है कि नदी के अंदर रह रहे लोगों के बीच भी राहत केंद्र खोला जाए। कल तक पानी काफी अधिक होने की वजह से वहां कम्युनिटी किचन स्थापित करना संभव नहीं था। अब जगह-जगह कम्युनिटी किचन की स्थापना की जा रही है। बाढ़ पीड़ितों की समस्या का निदान किया जा रहा है।

आरवाईए ने किया 102 एंबुलेंस कर्मचारियों की हड़ताल का समर्थनः जिला सचिव ने सरकार को भी घेरा

सीवान. इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) के प्रतिनिधिमंडल ने आज 102 एंबुलेंस कर्मचारियों की हड़ताल का समर्थन किया। इस अवसर पर जीरादेई विधायक अमरजीत कुशवाहा, आरवाईए के जिला सचिव जयशंकर पंडित, आइसा के जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र साह, अनीश कुमार सीनू, मजदूर यूनियन के प्रदेश सचिव अमित गोंड और जगजीतन शर्मा मौजूद थे। विधायक अमरजीत कुशवाहा ने हड़ताली कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार जो रोजगार के नाम पर युवाओं को ठेके पर बहाल कर एनजीओ के हाथों सौंप रही है, यह उनके साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि ठेका प्रथा को खत्म कर युवाओं को स्थायी रोजगार देने की आवश्यकता है। सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी 614 रुपए प्रति दिन भी कर्मचारियों को नहीं मिलती है और उन्हें हर साल छंटनी का डर सताता रहता है। जयशंकर पंडित ने सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बिहार की डबल इंजन सरकार ने लगातार युवाओं को धोखा दिया है। ठेका और एनजीओ व्यवस्था के तहत युवाओं से 12 घंटे काम करना और बदले में उन्हें मामूली 10-11 हजार रुपये देना एक क्रूर मजाक है। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं को 2025 के चुनाव में इस अन्याय का जवाब देना चाहिए। आरवाईए ने 102 एंबुलेंस कर्मचारियों की मांगों का समर्थन करते हुए उनकी लड़ाई को और तेज करने की बात कही है, ताकि उन्हें न्याय मिल सके और उनके अधिकारों की रक्षा हो सके।

सीतामढ़ी में 22 साल बाद बागमती उफान परः शिवहर के 30 गांवों में बाढ़ का खतरा, 12 जिलों की 3.5 लाख आबादी प्रभावित

पटना. नेपाल में हुई बारिश के बाद बिहार के 12 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। दरभंगा, सीतामढ़ी, बेतिया, बगहा में हालत सबसे बुरे हैं। बीते 24 घंटे में प्रदेश के 7 तटबंध टूटे हैं, जिससे 3.5 लाख आबादी प्रभावित हुई है। दरभंगा में देर रात 12:45 बजे किरतपुर प्रखंड के सहरसा सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित कोसी नदी का बांध भूबोल के सामने टूट गया है। यहां बांध टूटने से एक लाख की आबादी प्रभावित हुई है। सीतामढ़ी में 22 साल बाद बागमती नदी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। जिसकी वजह से जिले के तीन जगहों पर बांध टूट गया है। वहीं, शिवहर में भी एक जगह पर बांध टूटा है। बांध टूटने के बाद 10 पंचायत के 30 गांवों में संकट का बादल छा गया है। दूसरी ओर, सुपौल, बगहा, बेतिया, सहरसा, गोपालगंज में भी बाढ़ से सैंकड़ों घर डूबे हैं। सुपौल में लोग अपना छोड़कर दूसरी जगह रहने को मजबूर हैं। उधर, रक्सौल-सीतामढ़ी रेल रूट के गुरहनवा हाल्ट पर बाढ़ पीड़ित किसी तरह अपना गुजर बसर कर रहे हैं। बेतिया में लोग दिन और रात घर की छतों पर रहने को मजबूर हैं। वहीं, बगहा के कई गांव और खेत बाढ़ के पानी में डूबे हैं। बाढ़ से कई जिलों में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं, क्योंकि नेपाल की ओर से छोड़ा गया पानी बिहार के मैदानी इलाकों में फैलने की संभावना बढ़ गई है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए SDRF की 22 टीम लोगों की रेस्क्यू में जुटी है। NDRF की 3-3 टीमें रांची और वाराणसी से बुलाई गई है। आपदा प्रबंधन विभाग ने बाढ़ पीड़ितों के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी की है। बाढ़ में फंसे लोग 0612-2294204 पर कॉल करके मदद मांग सकते हैं। इधर, मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 5 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया है।

दरभंगा में कोसी नदी की उपधारा का बांध टूटा

नेपाल में लगातार बारिश हो रही है। साथ ही नदी में पानी भी छोड़ा गया है। इस कारण बिहार में नदिया उफान पर है। रविवार देर रात दरभंगा के किरतपुर प्रखंड के भुभोल गांव के समीप कोसी नदी का पश्चिमी तटबंध करीब 10 मीटर की दूरी में टूट गया। इस कारण एक लाख की आबादी प्रभावित है। साथ ही 24 गांव में बाढ़ का पानी घुस गया है। डीएम राजीव रौशन ने बताया कि किरतपुर की आठ पंचायतों के लोगों को माइकिंग करा कर ऊंचे स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। करीब आठ किमी की दूरी में पानी बह रहा है। घनश्यामपुर, गौड़ाबौराम, कुशेश्वरस्थान और किरतपुर प्रखंड इससे प्रभावित होंगे। जानकारी के अनुसार किरतपुर प्रखंड के सहरसा सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित कोसी नदी की उपधारा का बांध भूबोल के सामने टूट गया है। अधिकारी राजीव रोशन मौके पर अपनी टीम के साथ कैंप कर रहे हैं। कई अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों में लगे हैं। लोगों को अलर्ट किया जा रहा है। ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की जा रही है। लोगों के बीच अपने आप को बचाने के लिए अफरा-तफरी का माहौल है। बांध देर रात 12 बजाकर 45 मिनट में टूटा है। लगभग एक लाख की आबादी प्रभावित है।

मोतिहारी के पताही प्रखंड में घुसा बाढ़ का पानी

मोतिहारी के पताही प्रखंड के देवपुर पंचायत के खोड़ी पाकड़ और लहसनिया गांव में बाढ़ का पानी दो दर्जन घरों में घुस गया है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घरों में रखा अनाज भीग गया है, और लोग सुरक्षित स्थान की तलाश में हैं।
ग्रामीणों ने प्रशासन पर आरोप लगाया है कि अब तक किसी तरह की मदद नहीं पहुंची है, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। पिछले तीन दिनों की लगातार बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के कारण लाल बकेया और बागमती नदियों में उफान है। बेलवा के पास बांध पर भारी दबाव बना हुआ है, जिससे कई जगहों पर रिसाव हो रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक रिसाव नहीं रुका है। यदि बांध टूटता है, तो कई गांव बाढ़ की चपेट में आ सकते हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन माइक से लोगों को ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील कर रहा है, जबकि अधिकारी मौके पर कैंप कर रहे हैं।

पिंडदान करने राजस्थान से बिहार आए 3 लोगों की मौतः रोहतास में ट्रक से टकराई बस; बेगूसराय में 3 दोस्तों को ट्रक ने रौंदा

सासाराम (रोहतास). बिहार में अलग-अलग हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। रोहतास में जहां राजस्थान से गया जा रहे लोगों से भरी बस ट्रक से टकरा गई और इसमें 3 लोगों की जान चली गई। वहीं बेगूसराय में काम से लौट रहे 3 युवकों को ट्रक ने रौंद दिया, जिसमें एक ने मौके पर और बाकी दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। रोहतास के चेनारी थाना क्षेत्र में जीटी रोड फोरलेन पर सोमवार सुबह करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बस में सवार तीन यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि सभी यात्री राजस्थान के झालावड़ जिले के रहने वाले है और पिंडदान के लिए गया जा रहे थे। बस ड्राइवर को नींद आने से ये हादसा हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी, कि बस के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस ट्रक में पीछे से फंस गई।

तीनों मरने वाले एक ही परिवार के

मौके पर जुटे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को बाहर निकालना शुरू किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जबकि घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जिसके बाद पुलिस ने क्रेन को बुलाकर बस को ट्रक से निकाला। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जाते हैं। मृतकों की पहचान बालू सिंह (61), नरेंद्र सिंह (50) और गोरधन सिंह (52) के रूप में हुई हैं। जबकि घायलों में जालिम सिंह, नुम्मू कुंअर, फतेह सिंह, नारायण सिंह, ब्रजराज सिंह, नेपाल सिंह, राजेंद्र सिंह और कई महिलाएं शामिल हैं।

बेगूसराय में काम से लौट रहे 3 दोस्तों की मौत

इधर बेगूसराय में सड़क हादसे में 3 दोस्तों की मौत हो गई। रविवार को तीनों युवक काम करने के लिए आलापुर गए थे। वहां से एक ही बाइक पर सवार होकर रात करीब 9 बजे वापस लौट रहे थे। वापस लौटने के दौरान बगराहा चौक के समीप एनएच पर पहुंचते ही तेघड़ा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने तीनों को कुचल दिया। मृतकों की पहचान फुलवरिया थाना क्षेत्र के बगराहा डीह निवासी सुधीर महतो के बेटे चंदन कुमार महतो (18), सिंघो महतो के बेटे सिकंदर कुमार महतो (31) और अरुण दास के बेटे दिलीप कुमार दास (19) के रूप में की गई है। तीनों युवक पलंबर का काम करते थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक से टक्कर के बाद जोरदार आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े। लेकिन तब तक सिकंदर कुमार महतो की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि, चंदन कुमार महतो और दिलीप कुमार दास ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वैशाली में पेड़ से बांधकर युवक पर बरसाए डंडे : चारों ओर से घेरकर लाठी-डंडे से पीटा

हाजीपुर (वैशाली). वैशाली में एक युवक को पेड़ से बांधकर बुरी तरह से पीटा गया। इस पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें ताड़ के पेड़ से बांध कर युवक को भीड़ लाठी-डंडे से पीटती नजर आ रही है। उसके हाथ बंधे हैं, फिर भी वो अपने को बचाने की कोशिश करता है। लोगों से छोड़ने की गुहार लगा रहा है, लेकिन भीड़ उसे घेरकर चारों तरफ से पीटती रहती है। पीटने के दौरान कई लोगों ने मोबाइल से घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। घटना वैशाली और मुजफ्फरपुर जिले के बॉर्डर क्षेत्र की है। युवक की पहचान दीपक कुमार (30) पिता तिलकेश्वर ठाकुर के तौर पर हुई है। स्थानीय लोगों ने कहा कि मंसूरपुर प्रखंड के हलैया पंचायत में खाजे चांद छपरा चौक पर मस्जिद के पास बच्चा चोरी करने के आरोप में एक युवक पकड़ा गया था। वीडियो रविवार देर शाम का बताया जा रहा है। बच्चा चोर की अफवाह उड़ते ही बड़ी संख्या में लोग जुट गए। कोई लाठी-डंडे तो कोई पेड़ की टहनी से मारता दिखा। हालांकि पिटाई के

दौरान युवक लोगों से छोड़ देने की गुहार लगाता रहा। इस बीच कुछ लोग बीच बचाव करते भी दिखें। इस बीच युवक की पिटाई की सूचना कुछ लोगों ने डायल 112 की टीम को दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को भीड़ से बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज कराने के बाद पुलिस उसे मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना लेकर चली गई। जहां उससे पूछताछ की जा रही है। बरियारपुर थाना अध्यक्ष चांदनी कुमारी सांवरिया ने कहा कि युवक को शक के आधार पर लोगों ने पकड़ा था। इस दौरान लोगों ने उसकी पिटाई भी कर दी। घटना के बाद से किसी स्थानीय ने लिखित आवेदन अब तक नहीं दिया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। युवक के परिवार वालों को भी सूचना दे दी गई है।

सड़क हादसे में एक युवक की मौतः समस्तीपुर में भाई ने कहा- सीमा विवाद में 5 घंटे तक अस्पताल में पड़ा रहा शव

समस्तीपुर. समस्तीपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के सैदपुर गांव के पास रविवार रात वाहन की ठोकर से एक युवक की मौत हो गई। मृतक मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी थाना क्षेत्र के रंगोली गांव का गणेश भगत बताया गया है। घटना की सूचना पर पारिवारिक सदस्यों के बीच कोहराम मच गया है। मृतक के भाई ने बताया कि थाना विवाद के कारण युवक का शव 5 घंटा तक पोस्टमार्टम के इंतजार में सदर अस्पताल में पड़ा रहा। बाद में सपा के हस्तक्षेप पर कल्याणपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम कराया।

सैदपुर गांव के पास पिकअप ने मारी टक्कर

घटना के संबंध में मृतक के भाई प्रवेश कुमार ने बताया कि उनके भाई अपने साढ़ू के यहां वारिसनगर थाना क्षेत्र आए हुए थे। देर रात वह बाइक से वापस कल्याणपुर होते हुए मुजफ्फरपुर के मुसहरी लौट रहे थे। सैदपुर गांव के पास पिकअप ने उन्हें ठोकर मार दी। इस घटना के बाद आसपास के लोगों ने उसे कल्याणपुर पीएससी में भर्ती कराया। जहां से बेहतर उपचार के लिए उन्हें सदर अस्पताल भेजा गया। इस बीच घटना की सूचना मिलने पर परिवार के लोग मध्य रात सदर अस्पताल पहुंचे। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे पीएमसीएच पटना ले जाने लगे। लेकिन, रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। परिवार के लोग शव

लेकर वापस सदर अस्पताल पहुंच गए और मामले की जानकारी सदर अस्पताल प्रशासन को दी।

थाना विवाद के कारण परेशान हुए परिजन

परिजनों का कहना है कि रास्ते से लौट के बाद घटना की जानकारी कल्याणपुर पुलिस को दी गई। जबकि, कल्याणपुर पुलिस का कहना था कि पोस्टमार्टम नगर थाने की पुलिस कर आएगी। क्योंकि, मौत सदर अस्पताल में हुई है। जब परिजन ने नगर थाने से संपर्क किया, तो उन्हें बताया गया कि घटनास्थल कल्याणपुर है। इसलिए सबका पोस्टमार्टम कल्याणपुर पुलिस कराएगी। जिस कारण करीब 5 घंटे तक शव सदर अस्पताल में पड़ा रहा। बाद में परिजनों ने मामले की जानकारी एसपी को दी, तब कल्याणपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को शव सौंप दिया है। सदर डीएसपी विजय महतो ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही कल्याणपुर थाने की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची। विधिवत शव को जब्त किया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की है। घटना को लेकर एक मामला दर्ज किया जाता है।

मुंगेर के काली पहाड़ी में बारिश के कारण बना वॉटरफॉलः दूर-दूर से पहुंच रहे पर्यटक

मुंगेर. मुंगेर के जमालपुर प्रखंड में काली पहाड़ी की तराई में पिछले एक सप्ताह से हो रही लगातार बारिश के बाद अद्भुत झरने जैसी स्थिति बनी हुई है। यह मनोरम दृश्य लोगों को आकर्षित कर रहा है, और बिहार के विभिन्न जिलों से लोग इस जलप्रपात को देखने आ रहे हैं। झरने के पास लोग सेल्फी प्वाइंट बना रहे हैं और इस प्राकृतिक सौंदर्य को अपने कैमरे में कैद कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मूसलाधार बारिश के दौरान अक्सर इस क्षेत्र में ऐसा दृश्य बनता है। इस महीने में लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ों से पानी बहकर झरना बन जाता

है, जो सिर्फ इस क्षेत्र में देखा जा सकता है। कहलगांव, नौवागढ़ी, मध्य प्रदेश और जमालपुर से आए पर्यटकों ने इस जगह की तारीफ की और इसे बिहार की एक अनोखी धरोहर बताया। स्थानीय दुकानदार भी इस अवसर का लाभ उठाते हैं और अपनी दुकानें लगाते हैं, जिससे उनकी आजीविका चलती है। बारिश के खत्म होते ही यह झरना सूख जाता है, और दुकानदार मुख्य बाजार की ओर रुख करते हैं।

पर्यटकों के पहुंचने पर अच्छी होती खरीदारी

स्थानीय दुकानदार ने बताया कि जब यहां झरना की स्थिति बनती है तब हम लोग यहां पर दुकान लगाने के लिए आते हैं। वहीं इस समय में अच्छी खासी बिक्री होती है। जिसके कारण हम लोगों का घर परिवार भी अच्छी तरीके से चल जाता है और जब झरने की स्थिति खत्म हो जाती है। जिसके बाद हम लोग अपनी दुकान को चलाने के लिए मुख्य बाजार की ओर चले जाते हैं।

पुरखों की याद में विदेशी पहुंचे गया जी धामःश्रद्धालुओं ने विष्णुपद-सीताकुंड का किया भ्रमण, वैदिक शास्त्रों के अनुसार हुआ पिंडदान

गया. गयाजी धाम में सनातनियों का पितृपक्ष मेला अब अपने चरम पर है। बीती 17 सितंबर से भगवान विष्णु की मोक्ष नगरी गयाजी में मेले की धूम है। देश-दुनिया के कोने-कोने से प्रतिदिन भारी संख्या में सनातनी अपने पुरखों का पिंडदान करने के लिए गया धाम आ रहे हैं। इस बीच सात समुंदर पार से विदेशी तीर्थयात्री भी अपने पुरखों का पिंडदान किया है। विदेशी तीर्थयात्री भगवान शिव की नगरी वाराणसी से होते हुए भगवान विष्णु की नगरी मोक्ष धाम गयाजी में आए हैं। उन्होंने सोमवार की सुबह देव वैदिक शास्त्रों के अनुसार अपने पुरखों का किया। विदेश से कुल 12 की संख्या में तीर्थ यात्री गयाजी आए हैं। सभी विदेशी तीर्थ यात्री अलग-अलग अलग देश के हैं। गयाजी

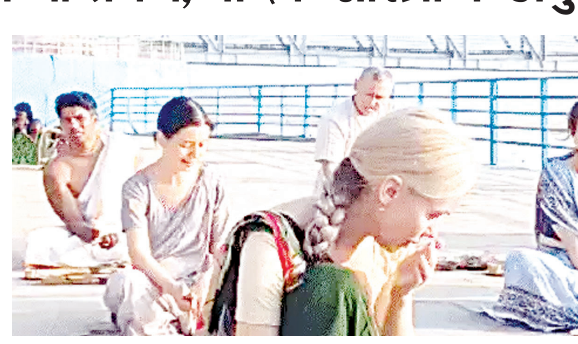

पहुंचने के बाद विदेशी तीर्थयात्रियों ने शनिवार की रात विष्णुपद, देवघाट और सीताकुंड परिसर का भ्रमण किया था। विदेशी तीर्थ यात्रियों के समूह में रूस, रसिया, उज्बेकिस्तान, नाइजेरिया, जर्मनी, घाना और अफ्रीका के लोग हैं। सभी ने अपने पुरखों का पिंडदान किया। खास बात यह भी कि सभी विदेशी श्रद्धालु का स्वागत डीएम डॉ० त्यागराजन ने संवाद सदन कार्यालय में किया। इस मौके पर जिला प्रशासन की ओर से उन्हें गंगा जल भेंट किया। सोमवार को विदेशी पिंडदानी देवघाट पर पूर्वजों के निमित्त कर्मकांड किया। इसके बाद सोमवार को भगवान श्री हरि विष्णु के चरणों में नतमस्तक होने के लिए रवाना हुए। इन विदेशी तीर्थ यात्रियों के पूर्वजों का अर्पण तर्पण और श्राद्ध से जुड़े कर्मकांड को आचार्य लोकनाथ गौड़ से कराया। आचार्य लोकनाथ गौड़ ने बताया कि सभी विदेशी श्रद्धालु गया धाम पहुंच चुके हैं। उनके पुरखों के पिंडदान और श्राद्ध कर्म की तैयारी कर ली गई है। सोमवार को देवघाट, विष्णुपद, अक्षयवट और सीताकुंड पिंडवेदी पर पिंडदान हुआ। उन्होंने अपने पूर्वजों का पिंडदान करने की इच्छा जाहिर की थी। उसे पूरा करने के लिए आज गयाजी पहुंचे। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष मेला के दौरान इनके अलावा भी अलग-अलग देशों से विदेशी अपने पुरखों का पिंडदान करने गया धाम आ रहे हैं।

वकीलों का हंगामा,5 सालों तक 10 हजार दें स्टाइपेंडःअधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट बिहार में लागू करने की रखी मांग

आरा(भोजपुर). आरा सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने सोमवार को धरना प्रदर्शन किया। अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट बिहार में जल्द लागू करने समेत 9 सूत्री मांगों को लेकर जेपी स्मारक के पास धरना दिया। इस दौरान वकील अपनी मांगों को लेकर बिहार सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरने के दौरान अधिवक्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। अधिवक्ता संघर्ष समिति के संयोजक कुमुद पटेल ने कहा कि हमेशा दूसरों को न्याय दिलवाना हमारे लिए सरकार की उदासीनता से उपेक्षित और असुरक्षित होते जा रहा है। यही

कारण है कि आज देश और समाज में न्याय के संकल्प को मजबूत करने वाले वकील अपनी मूलभूत समस्याओं से परेशान हैं। दूसरी तरफ आए दिन वकीलों के साथ घट रही अपराधी घटनाएं चिंता की बात है। इस वजह से अधिवक्ता बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अपनी 9 सूत्री की मांग करते हैं।

5 साल तक 5000 का स्टाइपेंड दे सरकार

हमारी पहली मांग है वकील प्रोटेक्शन एक्ट बिहार में जल्द लागू किया जाए। झारखंड सरकार ने नए अधिवक्ताओं के प्रारंभ के 5 साल तक 5000 का स्टाइपेंड देने की बात को स्वीकार ली है। लेकिन बिहार सरकार में इस बात की चर्चा नहीं हो रही है। वकील प्रोटेक्शन एक्ट राजस्थान में लागू हो चुका है लेकिन बिहार में नहीं लागू हुआ है इसलिए हमलोग संघर्ष कर रहे हैं।

65 साल के बाद 15 हजार प्रतिमाह पेंशन दें

हमलोग चाह रहे हैं कि इस एक्ट को बिहार में जल्द लागू किया जाए। नए अधिवक्ताओं को शुरुआत के 5 सालों तक 10 हजार रुपए प्रति माह स्टाइपेंड दिया जाए। सभी अधिवक्ताओं को 65 साल उम्र के बाद 15 हजार प्रतिमाह पेंशन देने की व्यवस्था बिहार सरकार लागू करे। झारखंड सरकार ने इस मांग को मान भी लिया है।

5 लाख हर साल हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम लागू हो

वकील और उनके परिवार के लिए 5 लाख हर साल हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम लागू करें। साथ ही नए वकीलों को वर्तमान में बैठने की सुविधा के समाधान के लिए बार भवन के नवनिर्माण के लिए राशि की व्यवस्था की जाए। अधिवक्ताओं का टोल टैक्स माफ किया जाए। इसके साथ ही वकीलों के लिए ऑफिस और लाइब्रेरी के निर्माण के लिए रियायत दर पर लोन देने की व्यवस्था की जाए। सभी अधिवक्ताओं को ग्रुप इंश्योरेंस से जोड़ा जाए। अगर मांगे पूरी नहीं होती है, तो पूरे बिहार के वकीलों के चरण पद आंदोलन करने पर मजबूर हो जाएंगे। महिला वकील कुसुम देवी ने कहा कि जितने भी महिला अधिवक्ता हैं, उन्हें एक सुरक्षाकर्मी सरकार दे। ताकि सुरक्षित वह अपने घर से अदालत पहुंच सके। हमारे संयोजक कुमुद पटेल ने जो मांगे रखी हैं, वह जायज है उसे बिहार सरकार जल्द पूरा करे।

हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
रांची व धनबाद से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe Koylanchal samvad news
रांची, मंगलवार, 01 अक्टूबर, 2024 वर्ष : 12 अंक : 139
www.koylanchalsamvad.com
राहुल गांधी की हरियाणा विजय संकल्प यात्रा:प्रियंका गांधी... | आदिवासी अधिकारवाले पेसा कानून पर गरमाई राजनीति | फूलगोभी की अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए...
मूल्य : 2 रुपए

धनबाद में सीएम हेमंत सोरेन की बड़ी घोषणा

झारखंड में खोले जाएंगे श्रम आवासीय विद्यालय, मॉडल स्कूल

धनबाद : झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले सीएम हेमंत सोरेन ने धनबाद में बड़ी घोषणा की है. उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में श्रम आवासीय विद्यालय खोले जाएंगे, जहां श्रमिकों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाएगी. पांच हजार मॉडल स्कूल खोले जाएंगे, ताकि राज्य के बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन मिल सके. बलियापुर में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ये घोषणाएं कीं. इस दौरान धनबादवासियों को विकास योजनाओं की सौगात दी.

वोट के लिए घूम रहा व्यापारियों का हेलीकॉप्टर

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विधानसभा चुनाव में वोट के लिए व्यापारियों का हेलीकॉप्टर पूरे राज्य में घूमने लगा है. चुनाव में याद रखिएगा. झारखंड में श्रम आवासीय विद्यालय खोला जाएगा. श्रम विभाग द्वारा इसका संचालन किया जाएगा. श्रमिकों के बच्चों को यहां पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा मिलेगी. इतना ही नहीं, राज्य में पांच हजार मॉडल स्कूल खोले जाएंगे, ताकि सभी बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके. गरीब के बच्चे भी अच्छी शिक्षा ले सकें. यही उनका मकसद है.

धनबादवासियों को विकास योजनाओं का तोहफा

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले सीएम हेमंत सोरेन ने धनबादवासियों को विकास योजनाओं का तोहफा दिया. उन्होंने 133 योजनाओं का शिलान्यास किया, जबकि 84 योजनाओं का उद्घाटन किया. बलियापुर हवाई पट्टी पर झारखंड स्किल कॉन्क्लेव 2024 का आयोजन किया गया था. इस मौके पर युवाओं को जॉब ऑफर लेटर दिया गया और रोजगार प्रोत्साहन एवं परिवहन भत्ता भी दिया गया.

मौके पर ये थे मौजूदः सत्यानंद भोक्ता, इरफान अंसारी, मथुरा प्रसाद महतो और पूर्णिमा नीरज सिंह समेत अन्य उपस्थित थे.

वहीं, बलियापुर हेलीपैड पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर वहां मौजूद लोगों पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुष्पवर्षा की. हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया.

धनबाद के बलियापुर में सौगातों की बारिश, 133 योजनाओं का शिलान्यास, 84 का उद्घाटन

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धनबाद में सौगातों की बारिश की. सोमवार को मुख्यमंत्री ने 133 योजनाओं का शिलान्यास किया. साथ ही 84 योजनाओं का उद्घाटन भी किया. मुख्यमंत्री ने धनबाद जिले के बलियापुर हवाई पट्टी पर आयोजित 'झारखंड स्किल कॉन्क्लेव 2024' में युवाओं को जॉब ऑफर लेटर का वितरण किया. रोजगार प्रोत्साहन एवं परिवहन भत्ता का भी वितरण उन्होंने किया. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपराह्न करीब 3 बजे बलियापुर हेलीपैड पर पहुंचे. यहां से वह कार्यक्रम के मंच पर गए. उनके साथ झारखंड सरकार के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता और अल्पसंख्यक विभाग के मंत्री इरफान अंसारी भी थे. जॉब ऑफर लेटर सह रोजगार प्रोत्साहन एवं परिवहन भत्ता वितरण समारोह में विधायक मथुरा प्रसाद महतो और पूर्णिमा नीरज सिंह भी मंच पर मौजूद थीं.

राजधानीवासियों को सीएम हेमंत सोरेन की सौगात

3 अक्टूबर को ट्रांसपोर्ट नगर का व 4 को कांटाटोली फ्लाईओवर का करेंगे उद्घाटन

रांची : लंबे अरसे के बाद आखिरकार राजधानी वासियों को ट्रांसपोर्ट नगर व कांटाटोली फ्लाईओवर की सौगात मिलनेवाली है. नगर विकास विभाग ने इन दोनों महत्वपूर्ण परियोजना पर काम पूरा करा लिया है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाथों इसके उद्घाटन की तैयारी की जा रही है. अधिकारियों ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर फेज-1 सुकुरहुटु रांची का उद्घाटन 3 अक्टूबर को किया जायेगा. वहीं, इसी दिन ट्रांसपोर्ट नगर फेज-2, सुकुरहुटु रांची का शिलान्यास भी कराया जायेगा. उद्घाटन-शिलान्यास के लिए स्थल भी चयनित कर लिया गया है. सुकुरहुटू के आइटीबीपी कैंप के निकट, रिंग रोड रांची के पास से तीन अक्टूबर को इन दोनों परियोजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया जायेगा. वहीं, सिरमटोली चौक के निकट संत पॉल कैथेड्रल मैदान से योगदा सत्संग आश्रम, बहुबाजार से शांतिनगर कोकर वाया कांटाटोली चौक तक फ्लाईओवर परियोजना का उद्घाटन 4 अक्टूबर को किया जायेगा.

यातायात शुरू करने के लिए निर्माण प्रक्रिया अंतिम चरण में

योगदा मठ बहुबाजार से शांतिनगर कोकर तक कांटाटोली फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है. इसका फिनिशिंग कार्य चल रहा है. यातायात शुरू करने के लिए सभी जरूरी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं. फ्लाईओवर के सभी 486 प्रीकास्ट सेगमेंटल बॉक्स चढ़ चुके हैं. सभी बाक्सों को केबल से बांधते हुये विशेष ग्लू (गोंद) से जोड़ा जा चुका है. सेगमेंटल बाक्स को सड़क का रूप देने के लिए 50 एमएम का बिटुमिन का स्तर पर लगाया जा चुका है. बिटुमिन के ऊपर 25 एमएम मास्टिक अस्फाल्ट का लेयर चढ़ाने का काम अंतिम चरण में है.

बिजली के 125 खंभे लगाये गयेः फ्लाईओवर पर प्रकाश व्यवस्था के लिए लगभग 125 बिजली के खंभे लगाने का काम भी चल रहा है. शांतिनगर कोकर के पास माइनर ब्रिज को चौड़ा करने का काम तेजी से चल रहा है. नगर विकास सचिव के निर्देश पर 30 सितंबर तक माइनर ब्रिज का भी काम पूरा करने पर तेजी से काम हो रहा है. फ्लाईओवर के नीचे भी एलइडी बल्ब लगाये जा रहे हैं. मुख्य फ्लाईओवर पर यातायात शुरू कराने के बाद खादगढ़ा बस स्टैंड के प्रवेशद्वार के पास नामकुम एवं बस स्टैंड की ओर जाने के लिए रैंप बनेगा. इसी तरह लालपुर की ओर जाने के लिए पेट्रोल पंप के पास एक रैंप बनेगा.

राज्य के पहले ट्रांसपोर्ट नगर के उद्घाटन की तैयारी पूरीः प्रधान सचिव

राज्य के पहले और बहु प्रतिक्षित ट्रांसपोर्ट नगर का मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तीन अक्टूबर को उद्घाटन करेंगे. ट्रांसपोर्ट नगर के रखरखाव और संचालन की नीति एवं प्रक्रिया भी तैयार की जा रही. उद्घाटन के साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर में भारी, मध्यम और छोटे ट्रक लगने शुरू हो जायेंगे. राजधानी वासियों को बहुप्रतीक्षित ट्रांसपोर्ट नगर का भी तोहफा मिल जायेगा. नगर विकास विभाग सचिव सुनील कुमार के निर्देश पर जुडको द्वारा एजेंसी केएमवी से तेजी से काम कराया जा रहा है. सचिव ने बताया काम लगभग पूरा हो गया है.

अब तक एकीकृत भवन और दो वेयर हाउस का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. तीन तलों में छोटे से लेकर बड़े वाहनों के खड़ा करने के तीन लेबल का प्लेटफार्म बनाने का काम पूरा हो गया है. सबसे खास बात यह है कि जो यहां पत्थर का गेवियन वाल बन रहा है, वह पूरी तरह से इको फ्रेंडली है.

संक्षिप्त खबरें

सुनीता विलियम्स को वापस लाने स्पेसएक्स का रॉकेट रवाना:2 एस्ट्रोनॉट भी साथ गए

अरबपति इलोन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने शनिवार दोपहर फ्लोरिडा के केप कैनावेरल लॉन्च पैड से अपना फाल्कन 9 रॉकेट अंतिरक्ष में भेजा। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट को अंतरिक्ष में ले गए इस रॉकेट में दो क्रू मेंबर नासा के एस्ट्रोनॉट्स निक हेग और रूसी एस्ट्रोनॉट्स अलेक्जेंडर गोरबुनोव सवार हैं। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट के जरिए इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर 5 जून से फंसी भारतीय मूल की एस्ट्रोनोट्स सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को धरती पर वापस लाया जाएगा। चार सीट वाले इस रॉकेट में दो सीटें खाली छोड़ी गई हैं। फाल्कन 9 के लिए नए लॉन्च पैड का इस्तेमाल किया। जो कि क्रू मेंबर मिशन के लिए इस पैड का पहला इस्तेमाल था। नासा चीफ बिल नेल्सन ने X पोस्ट में कहा- सफल लॉन्च के लिए @नासा और @SpaceX को बधाई। हम स्टार्स में एक्सप्लोरेशन और इनोवेशन के रोमांचक पीरियड में रह रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा 'दिवाली गिफ्ट'! सरकार की डीए में इजाफा की तैयारी

केंद्र सरकार दिवाली से पहले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दे सकती है। मोदी सरकार केंद्रीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में 3-4 फीसदी बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है। हालांकि, महंगाई भत्ते में इजाफे की आधिकारिक पुष्टि अक्टूबर में होने की उम्मीद है और फिलहाल पूरी जानकारी भी सामने नहीं आई है। सरकार ने पिछले साल अक्टूबर के पहले हफ्ते में भी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का एलान किया था। भत्ते में इजाफे से केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि होने का अनुमान है। डीएनए रिपोर्ट के मुताबिक, जिन कर्मचारियों की बेसिक सैलरी 18,000 तक है, उनके वेतन में प्रति माह 540 से 720 रुपये का इजाफा हो सकता है। वहीं, 18 हजार रुपये के बेसिक सैलरी के साथ 30,000 रुपये का मासिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को वर्तमान में 9,000 रुपये का डीए मिलता है, जो उनकी बेसिक सैलरी का 50 प्रतिशत है।

सुप्रीम कोर्ट का आईएसएम धनबाद को निर्देश

अतुल का दाखिला लें, प्रतिभावान छात्र को दाखिले से वंचित नहीं कर सकते

रांची : सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए समय पर फीस नहीं भरने के कारण एडमिशन से वंचित छात्र का दाखिला लेने का निर्देश झारखंड के प्रतिष्ठित आईआईटी आईएसएम धनबाद को दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिकल 142 के तहत निहित अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आईआईटी आईएसएम को आदेश दिया है कि वह उत्तर प्रदेश के दलित छात्र का दाखिला ले. उत्तर प्रदेश के छात्र ने आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास कर ली थी. लेकिन, आईआईटी धनबाद ने उसका एडमिशन लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वह समय पर फीस के 17500 रुपए का भुगतान नहीं कर पाया. दलित छात्र ने आईआईटी आईएसएम के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की शरण ली. उसकी याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने आईआईटी धनबाद को सोमवार को निर्देश दिया कि ऐसे मेधावी छात्र को एडमिशन से वंचित नहीं किया जाना चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि छात्र समयसीमा के भीतर फीस के कुछ पैसे जमा करने में विफल रहा, लेकिन उसे हर हाल में आईआईटी धनबाद में दाखिला मिलना चाहिए. पिछड़े समूह से आने वाले किसी भी प्रतिभावान छात्र को दाखिले से वंचित नहीं किया जाना चाहिए.

याचिकाकर्ता अतुल कुमार ने कहा- मेरी जिंदगी पटरी पर आ गई

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से याचिकाकर्ता छात्र अतुल कुमार बेहद प्रसन्न है. उसने चीफ जस्टिस की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बहुत अच्छा फैसला दिया. अतुल ने कहा कि अब मेरी जिंदगी पटरी पर आ गई है. पैसे की कमी किसी की तरक्की में बाधा नहीं बननी चाहिए.

झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मंत्री राजा पीटर ने थामा जदयू का दामन

रांचीः झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मंत्री गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर ने जदयू का दामन थाम लिया. नयी दिल्ली स्थित जदयू के केंद्रीय कार्यालय में राजा पीटर को पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने प्राथमिक सदस्यता दिलायी. राजा पीटर तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे हैं और उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री रहे हैं. झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का दौर जारी है. कुछ लोग पुरानी पार्टी में फिर से शामिल हो रहे हैं, तो कुछ लोग नयी पार्टी का दामन थाम रहे हैं. टिकट के लिए जोर-आजमाइश जारी है. इसी क्रम में जदयू के टिकट पर तमाड़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीत चुके राजा पीटर एक बार फिर से जदयू में शामिल हुए. जनता दल (यूनाइटेड) में इससे पहले पूर्व मंत्री और जमशेदपुर पूर्वी से विधायक सरयू राय शामिल हुए हैं. इसके बाद आज सोमवार को राजा पीटर ने नयी दिल्ली में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

अब झारखंड सरकार के कर्मियों, रिटायर्ड वर्कर्स को मिलेगा झारखंड राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ

रांचीःआइपीएच सभागार, नामकुम (रांची) में सोमवार को झारखंड राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना (राज्य कर्मियों, रिटायर्ड कर्मियों) को लॉन्च किया गया. इस योजना के लिए स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और विभागीय सचिव अजय कुमार सिंह की उपस्थिति में झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी (झारखंड सरकार) और टाटा एआइजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बीच एमओयू (एकरारनामा) हुआ. मौके पर बन्ना गुप्ता ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है. वर्षों से लंबित इस योजना को हेमंत सरकार ने अमलीजामा पहनाया है. टाटा एआइजी जेनरल इंश्योरेंस कंपनी के साथ जो समझौता हुआ है, उससे राज्य सरकार के कर्मियों, सेवानिवृत्त कर्मियों, यूनिवर्सिटीज, कॉलेज के कर्मियों और अन्य सरकारी कर्मियों को भी लाभ मिलेगा. इस योजना का स्वरूप तय करते समय इसमें मानवीय पहलुओं का भी ध्यान रखा गया. इसका लाभ पाने वाले कर्मियों और अन्य को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अब 5 लाख रुपए तक का लाभ मिलेगा. इससे अधिक की जरूरत होगी तो उसे भी देखा जाएगा. केंद्र सरकार की आयुष्मान योजना से राज्य के 69 लाख परिवारों को केंद्र से अपील के बावजूद कवर नहीं किया जा सका है. ऐसे में सीएम अबुआ स्वास्थ्य योजना के जरिए राज्य सरकार ने पहल की है. इसके अंतर्गत योग्य पात्रों को 15 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लाभ मिल सकेगा. मौके पर मिशन निदेशक (एन एच आर एम) अबु इमरान, जैप-आइटी के प्रतिनिधि राजेश सिन्हा सहित टाटा एआइजी इंश्योरेंस कंपनी के मधुकर सिन्हा समेत अन्य भी उपस्थित थे.

अजय कुमार सिंह ने मौके पर कहा कि टाटा जैसी कंपनी के साथ इंश्योरेंस होना ऐतिहासिक है. साथ ही अबुआ सुरक्षा योजना के पोर्टल का लॉन्च होना भी खास है. इंश्योरेंस सेवा से वर्तमान में कार्यरत कर्मियों और रिटायर्ड कर्मियों को लाभ होगा जबकि अबुआ स्वास्थ्य से आम लोगों को भी स्वास्थ्य सेवाओं में सरकार का सहयोग मिलेगा.

मिथुन चक्रवर्ती को दादासाहेब फाल्के पुरस्कारः 8 अक्टूबर को मिलेगा सम्मान

नई दिल्लीः इस साल दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिथुन चक्रवर्ती को दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार (30 सितंबर) को यह घोषणा की। मिथुन दा को 8 अक्टूबर को 70वीं नेशनल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में सम्मानित किया जाएगा। मिथुन करीब 5 दशक के करियर में बांग्ला, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, ओडिया और भोजपुरी की 350 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके हैं। उन्होंने अपना फिल्मी करियर 1976 में मृगया से शुरू किया था और इस पहली ही फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीता था। 1982 में आई डिस्को डांसर से उन्हें पहचान मिली। मिथुन को 3 बार नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है। उन्हें जनवरी 2024 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था।

दादासाहेब फाल्के अवॉर्ड मिलने पर मिथुन दा ने कहा – सच कहूं तो इतना प्रतिष्ठित पुरस्कार पाकर मैं निःशब्द हूं। न मैं रो पा रहा हूं न मैं मुस्कुरा पा रहा हूं। इतनी बड़ी चीज है। जहां से मैं आया हूं, उस लड़के को इतना बड़ा सम्मान मिला है, मैं सोच भी नहीं सकता। मैं ये अपने परिवार और दुनियाभर के फैंस को डेडिकेट करता हूं।

रांची के शौर्य सभागार से 11,000 सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों का ऑनलाइन उद्घाटन, राज्यपाल बोले-जन आंदोलन से ही जड़ से मिट पाएगा कुपोषण

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सोमवार को 11,000 सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों का रांची से ऑनलाइन उद्घाटन किया. डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में आयोजित सातवें राष्ट्रीय पोषण माह के समापन कार्यक्रम में झारखंड सहित देशभर में पोषण अभियान को जन आंदोलन का रूप देने की अपील की गई. राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कुपोषण के खिलाफ इस अभियान को एक सतत प्रक्रिया बनाने की आवश्यकता पर बल दिया. कहा कि यह जागरूकता अभियान केवल एक माह तक सीमित न रहे, बल्कि निरंतर चलता रहे, ताकि देश से कुपोषण की समस्या का जड़ से उन्मूलन हो सके. वहीं, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बापू की धरती गुजरात से पोषण अभियान का शुभारंभ हुआ था और अब भगवान बिरसा की धरती पर इसका समापन हो रहा है. इस अभियान का उद्देश्य कुपोषण रूपी दानव को समाप्त करना है. मौके पर महिला, बाल विकास विभाग, केंद्र सरकार के सचिव अनिल कुमार मल्लिक, विभागीय सचिव मनोज कुमार, निदेशक शशि प्रकाश झा सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के कई पदाधिकारी उपस्थित थे. अंत में महिला, बाल विकास विभाग, झारखंड सरकार के निदेशक ने सभी का आभार प्रकट किया.

सामूहिक प्रयास से ही कुपोषण का उन्मूलन संभव

राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य केवल जागरूकता बढ़ाना ही नहीं है, बल्कि इसे एक जन आंदोलन का रूप भी देना है. कुपोषण के खिलाफ सामूहिक प्रयास से ही यह संभव है. हर व्यक्ति, विशेषकर महिलाएं और बच्चे सही पोषण प्राप्त करें, ताकि एक सशक्त और स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण हो सके. उन्होंने कहा कि इस कार्य में आंगनबाड़ीकर्मियों की भी अहम भूमिका है. राज्यपाल ने उन सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और संस्थाओं को बधाई दी, जिन्होंने राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान आमजनों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया. उन्होंने कहा कि एक सशक्त भारत के निर्माण के लिए हर बच्चे और हर मां को सही पोषण मिलना अत्यंत आवश्यक है. भारत सरकार की पोषण योजना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है.

कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को सशक्त बना रहे हैं

राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का थीम- एनीमिया, विकास निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, प्रौद्योगिकी और एक पेड़ मां के नाम जैसे विषयों पर केंद्रित रहा. इन विषयों के माध्यम से कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है. पोषण केवल शारीरिक स्वास्थ्य का नहीं, हीं बल्कि मानसिक और सामाजिक विकास का भी आधार है. पीएम मोदी के दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी सोच के कारण पोषण योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है. उन्होंने पीएम के 'ईट लोकल, थिंक ग्लोबल' के आह्वान का उल्लेख करते हुए लोगों से मोटा अनाज, साग-सब्जियां जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने का आह्वान किया. स्थानीय खाद्य पदार्थों को अपने आहार का हिस्सा बनाने पर भी जोर दिया.

मंजूनाथ भजंत्री बने रांची के नए डीसी, झारखंड के 4 जिलों के डीसी बदले

रांची :राज्य सरकार ने छह आइएएस अफसरों का तबादला कर दिया. इसमें चार जिलों के डीसी को भी बदल दिया है. मंजूनाथ भजंत्री को रांची जिले के उपायुक्त की कमान सौंपी गई है. वहीं शशि प्रकाश सिंह को जामताड़ा, उत्कर्ष गुप्ता को लातेहार और मनीष कुमार को पाकुड़ के उपायुक्त की जिम्मेवारी सौंपी गई है. पवन कुमार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का प्रमंडलीय आयुक्त बनाया गया है. रंजीत कुमार लाल को उर्जा उत्पादन निगम के एमडी की जिम्मेवारी सौंपी गई है. कार्मिक ने इसका आदेश जारी कर दिया.

छगढ़ के पूर्व सीएम बघेल का भाजपा पर तंज, कहा- पहले लड़े थे गोरों से, अब लड़ेंगे चोरों से

रांचीः छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि भाजपा समाज में जहर घोलने का काम कर रही है. चुनाव के समय में केंद्र से तमाम बड़े नेता झारखंड आ रहे हैं, जिनका मकसद सिर्फ हिन्दू-मुसलमान करना है. भाजपा अपने किये हुए कामों पर वोट नहीं मांगती. बघेल राजधानी रांची के लालगुटवा बैंक्वेट हॉल में कांग्रेस द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे.

विकसित भारत के लिए योगदान देने हेतु युवा 'माई भारत पोर्टल' पर पंजीकरण करें: डॉ. मनसुख मांडविया

रांची. "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उचित योजना बनाना आवश्यक है, और युवा भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे," ये बातें केंद्रीय श्रम एवं रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया ने सोमवार को एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड में 'विकसित भारत एम्बेसडर - युवा कनेक्ट' कार्यक्रम के तहत आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही।

विकसित भारत एम्बेसडर युवा कनेक्ट कार्यक्रम - झारखंड चैप्टर की शुरुआत झारखंड में एमिटी विश्वविद्यालय से की गई। इस पहल के तहत छात्रों के साथ संवाद किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की जिम्मेदारी के प्रति मार्गदर्शन देना है।

छात्रों से संवाद के दौरान, डॉ. मांडविया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को विकसित बनाने के लिए युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए सुनियोजित योजना बनाई है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बजट में युवा केंद्रित निर्णय भी लिए गए हैं।

डॉ. मांडविया ने सभी छात्रों से 'माई भारत पोर्टल' पर पंजीकरण करने की अपील की, ताकि वे विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं, और माई भारत पोर्टल के माध्यम से उन्हें राष्ट्र की सेवा करने का एक शानदार अवसर मिलेगा। डॉ. मांडविया ने विश्वास व्यक्त किया कि हर छात्र छोटे लेकिन सार्थक कदमों के माध्यम से इस महत्वपूर्ण कार्य में भाग ले सकते हैं।

एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति, डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "युवा भविष्य की प्रेरणा शक्ति हैं, और जैसे-जैसे वे आगे बढ़ते हैं, भारत विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, हम सामूहिक रूप से एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम करेंगे।"

एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के छात्र और 2-झार एयर स्क्वाड्रन के कैडेट वारंट अधिकारी, प्रतीक कुमार सिंह ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा की, जो विश्वविद्यालय की समग्र विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एक कुशल निशानेबाज के रूप में उन्होंने राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में रजत पदक और कई राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

कार्यक्रम के दौरान, 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत गणमान्य व्यक्तियों और एमिटी की महिला छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधे लगाए गए। कार्यक्रम में एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति, डॉ. अशोक के. श्रीवास्तव, पद्मश्री मधु मंसूरी, नेहरू युवा केंद्र के अधिकारी, कला, संस्कृति, लोक परंपराओं, साहित्य, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें माननीय मंत्री डॉ. मांडविया ने छात्रों के सवालों के जवाब दिए।

जन आरोग्य केंद्र, सीसीएल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : रांची के नागा बाबा खटाल में जन आरोग्य केंद्र, सीसीएल द्वारा सब्जी एवं फल विक्रेताओं के बीच एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 206 लोगों की जाँच की गयी और उन्हें चिकित्सीय सलाह दी गई। ज्ञात हो कि सीसीएल देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन के साथ-साथ अपने कर्मियों एवं हितधारकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए इस तरह का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समय-समय पर करते रहती है।

शिविर के सफल आयोजन में सीएमएस, सीसीएल, डॉ. रत्नेश जैन; महाप्रबंधक (सामान्य प्रशासन) श्री सुजीत कुमार गोस्वामी; सीएमओ, सीएसआर, डॉ. प्रीती तिग्गा; डॉ. शशिकांत प्रसाद; डॉ. अनीता होरो; डॉ. शिल्पी शर्मा; डॉ. जयंत नियोगी; डॉ. रजनी दीपा; डॉ. शिल्पी झा; डॉ. अम्बरीष कुमार; डॉ. शिखा एवं पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

डायबिटीज और ब्लड प्रेशर चेकअप कैंप का सफल आयोजन किया

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : लायंस क्लब रांची समर्पण ने 29 सितम्बर को सुबह 6:30 बजे मोराबादी स्थित ऑक्सीजन पार्क में डायबिटीज और ब्लड प्रेशर चेकअप कैंप का सफल आयोजन किया। इस शिविर में 200 लोगों को सेवाएं दी गईं, और सभी ने दी गई सेवाओं की गुणवत्ता और देखभाल पर संतोष व्यक्त किया। यह कार्यक्रम लायन ऋद्धिमा द्वारा अत्यंत कुशलता से आयोजित किया गया, जिसमें लायन सीमा, लायन अंजलि, लायन पूनम मेवाड़ा और लायन सुमिता बेदी ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी सदस्यों के सामूहिक प्रयासों ने इस आयोजन को सुचारू और सफल बनाया, जिससे सभी उपस्थित लोगों के चेहरे पर मुस्कान आई। रीना अग्रवाल, उपाध्यक्ष, लायंस क्लब रांची समर्पण, ने इस नेक काम के लिए सभी सदस्यों को उनके समर्पण के लिए धन्यवाद दिया और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सराहना की। क्लब ऐसे अभियानों के माध्यम से समाज की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रखंड बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति की हुई बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। प्रखंड बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति की बैठक प्रखंड मुख्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप कुमार प्रसाद ने कि व संचालन उपाध्यक्ष कुद्दूश अंसारी ने किया। इस मौके पर बीडीओ रोशमा डुंगडुंग, सीओ श्रवण कुमार झा, बीस सूत्री सदस्य बासुदेव महतो,रधवा देवी, राजाराम मांझी मौजूद थे। बैठक में सभी विभाग के अधिकारियों ने एक-एक कर अपनी कार्यक्रम व योजना के बारे में जानकारी दिया।प्रदीप प्रसाद ने प्रभारी एमओ मिंटू रजक से राशन गोदाम रविवार को बंद रखने कि निर्देश दिया। साथ ही गोरहर पंचायत में निलंबित डीलर पार्वती देवी के जगह पर डीलर लालू मांझी को देने को कहा। अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद ने सीडीपीओ निलू रानी के द्वारा किसी भी पंचायतों में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल नही होने पर उनसे स्पष्टीकरण की मांग किया गया।पशुपालन पदाधिकारी श्रीनाथ होनहोगा ने बताया कि 119 लाभुकों को पशुपालन की स्वीकृति हेतु चयन किया गया है।बीईईयो अशोक कुमार ने बताया कि शिक्षा विभाग के द्वारा 19 हजार विद्यार्थियों के बीच बैग का वितरण किया जाएगा।साथ ही बच्चों के पोशाक का पैसा उनके खाता में जाएगा।प्रखंड कृषि पदाधिकारी अशोक ठाकुर ने बताया कि 11 सौ किसानों का कृषि लोन माफ किया गया है। सीओ को निर्देश दिया गया कि प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जो भी लोग अतिक्रमण किया है उसे जल्द खाली कराया जाए। बैठक में बीईईयो किशोर कुमार, एमओ मिंटू रजक, बीएओ अशोक ठाकुर, पशुपालन पदाधिकारी श्रीनाथ होनहागा, बीटीएम चिंताहरण पाठक, स्वास्थ्य केंद्र प्रधान लिपिक सोनी रविदास, संजय यादव, संतोष महतो, महिला पर्यवेक्षक कुमारी निभा, फनी भूषण प्रसाद, हेल्थ मैनेजर पंकज कुमार, महेश कुमार समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

गोरहर थाना में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

बरकट्ठा(हज़ारीबाग)। बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गोरहर थाना में दुर्गापूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई।बैठक में थाना क्षेत्र के प्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता अंचल अधिकारी श्रवण कुमार झा व संचालन कुंजलाल महतो ने किया। अंचल अधिकारी ने गोरहर थाना क्षेत्र के लोगो से पूजा शांति पूर्ण तरीके से मनाने की अपील की।कहा पूजा पंडालों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगाएं। डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। पूजा पंडालों में डीजे का प्रयोग न करें।कहा कि माहोल खराब करने वाले मामले नही होने चाहिए अन्यथा दोषी को चिन्हित कर करवाई की जाएगी। कमिटी के लोग यह प्रयास करे कि कहीं चूक न हो। शराब दुकान पूजा के दिन खुलने पर रोक रहेगी। प्रशासन की तरफ से हर संभव सहयोग किया जाएगा। मूर्ति विसर्जन शाम छः बजे तक तथा पूर्व निर्धारित रूट से ही करने का प्रयास करें। इस बैठक में अंचलाधिकारी श्रवण कुमार झा,कुंज लाल महतो,थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह,बीस सूत्री अध्यक्ष प्रदीप प्रसाद,उपाध्यक्ष कुदूश अंसारी,शिलाडीह मुखिया निजाम अंसारी,गोरहर मुखिया प्रतिनिधि छोटन कोल,पंसस लखन कुमार,जेएमएम नेता बासुदेव महतो,समाजसेवी नंदलाल महतो,रोहित तिवारी,मौलवी रमजान समेत अन्य कई लोग उपस्थित रहे ।

तनाव से बचने एवं अपने दिनचर्या में व्यायाम को स्थान देने का दिया गया सुझाव

कोयलांचल संवाद संवाददाता

चतराः जिला मुख्यालय में राष्ट्रीय गैर संचारित रोग कार्यक्रम के तहत विश्व हृदय दिवस पर गोष्ठी का आयोजन सिविल सर्जन के सभागार में किया गया। सिविल सर्जन डा० दिनेश कुमार के द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर डॉ० एलआर पाठक जिला आरसीएच सह नोडल पदाधिकारी एन०सी०डी, डॉ० कुमार उत्तम जिला यक्ष्मा पदाधिकारी एवं डॉ० अशुतोष कुमार जिला महामारी विशेषज्ञ चतरा उपस्थित थे सिविल सर्जन सभागार में विश्व हृदय दिवस के मौके पर सभी स्वास्थ्य कर्मियों को विश्व हृदय दिवस के बारे में संबोधित करते हुए विस्तृत जानकारी दी जिसमें हार्ट प्रॉब्लम के क्या क्या लक्षण होते है हार्ट प्रॉब्लम से हमें किस तरह बचाव करना है जिसमें उच्च कोलेस्टॉल, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप को समय समय पर जांच करते रहना चाहिए, धूम्रपान या तंबाकू से बचना चाहिए अपने दिनचर्या में व्यायाम को स्थान देने का सुझाव इत्यादि के बारे में जानकारी दी आज अयोजित कार्यक्रम के मौके पर डीपीएम, डीपीसी, डीडीएम, डीपीए, पीएचएम, मंच संचालन मनोज कुमार एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

ओरमांझी में हाथियों का आतंक जारी,जंगली हाथियों ने दर्जनों घर तोड़े

विधायक राजेश कच्छप पीड़ित परिवार के साथ दुख बाटने गांव पहुंचे,दिया सूखा राशन का सहयोग

ओरमांझी(मोहसीन आलम):ओरमांझी प्रखंड क्षेत्र में लगातार जंगली हाथियों के उत्पात का सिलसिला जारी है। प्रखंड के पश्चिम क्षेत्र के बाद पूर्वी इलाके के चाड़ू, व कुटे पंचायत के कई ग्रामीणों का घर जंगली हाथियों के द्वारा ध्वस्त किया जा चुका है। जंगली हाथियों के तांडव से लोग काफी परेशान हैं। कुटे पंचायत अंतर्गत मुट्टा के भेलवाटोली गांव में दर्जनों ग्रामीणों के घर में रविवार की रात 22 जंगली हाथियों के झुंड ने घर को ध्वस्त कर दिया और घर में रखे अनाज को खा गए।वहीं दिलीप तिर्की ने बताया कि मेरा घर बस्ती से थोड़ा हट कर है। दो जंगली हाथियों ने रात 12 बजे गांव में प्रवेश किया। इसके बाद एक हाथी पेड़ पौधे को बर्बाद करता रहा। वहीं दर्जनों हाथी घर को ध्वस्त करने लगा। हम और परिवार जग गए और किसी तरह अपनी जान बचा कर गांव की ओर भागे तथा ग्रामीणों को आवाज देकर जगाया। ग्रामीण उठे और हाथी को गांव से बाहर भगाने में जुट गए। बहुत मुश्किल के बाद हाथी मुट्टा जंगल की ओर भगाने में सफल रहे। वहीं खबर लिखे जाने तक हाथी मुट्टा जंगल में अपना अड्डा बनाए हुए थे। वहीं खिजरी विधायक राजेश कच्छप घटना कि जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचकर सभी प्रभावित घरों के ग्रामीणों को सूखा राशन देते हुए कहा कि हाथी के जितना भी प्रभावित ग्रामीणों को सरकारी मुवआजा के साथ-साथ सभी सुविधाएं दी जाएगी। सभी को घर के बदले घर मिलेगा। वहीं अंचल अधिकारी उज्जवल कुमार सोरेन ने मौके पर पहुंचकर सभी प्रभावित घरों को सूखा राशन दिया। और जो भी सरकारी मुवआजा होगा सबको दिया जाएगा।मौके पर मुख्य रूप से उप प्रमुख रिजवान अंसारी,थाना प्रभारी दीपक कुमार सिन्हा,विधायक प्रतिनिधि सफीउल्लाह अंसारी,मोबिन अंसारी,पंचायत समिति सदस्य आमिर हमजा,मुखिया नाजरीन परवीन,समाजसेवी सुंदरलाल महतो, अगमलाल महतो आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के हजारों सदस्य 03 अक्टूबर से रहेंगे हड़ताल पर, होगा ब्लैक आउट

रांचीः अपने 6 सूत्री मांगों को लेकर झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के हजारों सदस्य 03 अक्टूबर से हड़ताल पर जा रहे है। इस बावत तैयारी को लेकर झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय आज रामगढ़ सर्किल में बैठक कर तैयारी का जायजा लिया। बैठक की अध्यक्षता संघ के सर्कल अध्यक्ष परशुराम सिंह यादव ने की ।

इस अवसर पर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पूरे राज्य में आउटसोर्स अभिशाप के रूप में देखा जा सकता है । हर जगह लूट खसोट चरम पर है और सरकार कुंभकरनी निद्रा में सोए हुए हैं ऐसे में हड़ताल के अलावा हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के विद्युत कर्मी आक्रोश में है और सरकार से आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं इसी को लेकर आज रामगढ़ सर्किल की बैठक में हड़ताल की तैयारी का जायजा लिया।

अजय राय ने दावा किया कि हड़ताल में लगभग 7000 विद्युत कर्मी शामिल हो रहे हैं और ऐसे में पूरे राज्य को ब्लैकआउट होने से कोई बचा नही सकता।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा निगम के अंदर एक संगठित सिंडिकेट काम कर रहा है जिससे नियमित कर्मचारियों से लेकर मानव दिवस कमी परेशान है। एक ओर डीजनेशन मैपिंग के नाम पर अधिकारियों को तो प्रणति दे दी गई लेकिन कर्मचारियों को उनका अधिकार देने में भेदभाव किया जा रहा है जिसके कई उदाहरण है जिसका विरोध हर स्तर पर श्रमिक संघ करने पर विवश है ।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने भी न्यूनतम मजदूरी की दर में बढ़ोतरी कर श्रमिक हित में फैसला लिया है जो स्वागत योग्य है, देखना अब झारखंड सरकार को है की वो कब इस संबंध में निर्णय लेता है ।

आउटसोर्स व्यवस्था खत्म कर, पुरानी व्यवस्था लागू करे ,होमगार्ड के तर्ज पर विद्युत कर्मियों का भी मानदेय 1000 रुपए से ऊपर अनुभव के आधार पर चार वर्गों में तय हो , नियमित नियुक्ति में प्राथमिकता तय हो ,10 वर्ष से ऊपर सेवा देने वाले कर्मियों का नियमित नियुक्ति हो,सभी सप्लाई एवम ट्रांसमिशन जोन में हुए एरियर घोटाले की जांच हो और जहां एरियर नहीं दिया गया है वहां पर उसका भुगतान सुनिश्चित हो।

आज की बैठक में परशुराम यादव,राजकुमार महतो,भीम कुमार रवि,विजय महतो,मेराज अंसारी,सुनील कुमार,अभिमन्यु महतो,अशोक कुमार रवि,अरुण महतो,मुनिलाल महतो,संजय पासवान,राजकुमार पासवान,किसून कुमार,जय प्रकाश,अजय कुमार राणा,जुगनू प्रसाद, ब्रजेश कुमार,विकास कुमार,संतोष महतो,हरिनाथ महतो,बैजू कुमार,कुंदन ओहदार,दिलीप कुमार,सुभाष बेदिया,मनोज यादव, प्रसादि महतो,रमेश महतो,लीलू कुमार,सुजीत कुमार,जागेश्वर मुंडा,डीवडिप महतो,महेंद्र महतो,इस्माइल अंसारी ,गुलाब कुमार, प्रताप कुमार,दीपचंद करमाली, टार्जन कुमार महतो,जगमोहन मुंडा, वॉसिस्ट कुमार,प्रमानंद मंडल,ब्रेजेस कुमार,मनोज महतो, नरेश महतो सहित अन्य शामिल हुए।

पारस एचईसी अस्पताल, रांची में आयोजित निःशुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर में 300 से अधिक लोगों ने भाग लिया

रांचीः विश्व हृदय दिवस के अवसर पर, पारस एचईसी अस्पताल, रांची ने रविवार 29 सितंबर 2024 को एक निःशुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

श्री मनोज कौशिक - आईजी (मुख्यालय एवं मानव संसाधन), झारखंड पुलिस ने शिविर का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि दिल हमें जिंदा रखने के लिए एक दिन में 1 लाख से ज्यादा बार धड़कता है। हमें अपने लिए कुछ समय स्वस्थ जीवनशैली के लिए निकालना चाहिए। स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं, जिससे अस्पताल जाने से बचा जा सके, लेकिन जब स्वास्थ्य की मांग हो, तो किसी योग्य डॉक्टर से मिलें, अच्छे अस्पताल में जाएँ, बीमार होने पर अस्पताल जाने में देरी न करें।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश कुशवाह ने कहा, हमें नियमित रूप से व्यायाम करने के साथ-साथ अपने दिल के लिए 20-30 मिनट देने की जरूरत है। पारस हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेड श्री मानस लाभ ने कहा कि डॉक्टर और पुलिसकर्मी जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए 24/7 काम कर रहे हैं। यदि हम जीवन की शुरुआती उम्र में स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं तो इससे हमें बड़ी उम्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जीवन जीने में मदद मिलेगी।

भारतीय जनता पार्टी, झारखंड पार्टी द्वारा तमाड़ विधानसभा स्तरीय परिवर्तन रैली किया गया

तमाड़ - तमाड भारतीय जनता पार्टी, झारखंड पार्टी द्वारा तमाड़ विधानसभा स्तरीय परिवर्तन रैली सह जनसभा का आयोजन सोमवार को डोड़ेया फुटबॉल मैदान में किया गया। रैली परिवर्तन यात्रा रथ के प्रारंभ बुण्डु नगर का भ्रमण मोटरसाइकिल रैली के साथ , एवं विभिन्न शहीदों के मूर्ति पर यात्रा में शामिल नेताओं द्वारा माल्यार्पण के साथ किया गया। वहीं रथयात्रा में शामिल नेताओं जिनमें मुख्य रूप से नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी जी, केन्द्रीय राज्य रक्षा मंत्री संजय सेठ, दक्षिण प्रमंडलीय प्रभारी गणेश मिश्र, पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव, लोहरदगा के पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, वरिष्ठ भाजपा नेता विनय लाल सहित जिला अध्यक्ष रांची ग्रामीण विनय महतो, धीरज, दिवस प्रमुख प्रभुदयाल बड़ाईक, भाजयुमो जिला अध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल, पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुण्डा, जिला उपाध्यक्ष प्रीतम साहु सहित सभी नेताओं ने माता दिउड़ी के चरणों में माथा टेका एवं राज्य में सुख समृद्धि एवं राज्य में जनहित में भाजपा सरकार बनने की माता से कामना किया। साथ ही डोड़ेया फुटबॉल मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अमर बाउरी एवं केन्द्रीय राज्य सुरक्षा मंत्री संजय सेठ ने जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य हित में झूठ लूट और भ्रष्टाचारी सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हुए राज्य में भाजपा सरकार बनाने के लिए आग्रह किया। अमर बाउरी ने कहा कि वर्तमान राज्य के सरकार बबली और बंटी की सरकार को जनता को ठगने वाली सरकार कहा। जनसभा को अमर बाउरी संजय सेठ के अलावे पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, पूर्व राज्यसभा सांसद समीर उरांव, गणेश मिश्र, रांची ग्रामीण जिला प्रभारी विनोद सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रांची जिला ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, एवं टीम, भाजयुमो जिला अध्यक्ष रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष विवेक आनंद जायसवाल एवं टीम, रांची ग्रामीण जिला पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुण्डा, तमाड़ राजा कुमार महेंद्र नाथ शाहदेव,रंजित लाहेरी,रीता मुंडा, गोलक दास अधिकारी कपिल महतो, विस्तारक कृष्ण भूषण त्रिवेदी दिलीप सेठ, राजेश उरांव, एवं तमाड़, बुण्डु नगर, बुण्डु ग्रामीण, रड़गांव,अंड़की के मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी, आलोक दास, गुप्तेश्वर भगत, परसुराम दास एवं उनके पूरे टीम सहित सभी मंच मोर्चा के अध्यक्ष गण एवं टीम सहित कई कार्यकर्ताओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची जिला ग्रामीण के अध्यक्ष विनय महतो धीरज, जबकि संचालन पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह मुण्डा ने किया। कार्यक्रम में हजारों महिला पुरुष कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

बुंडू में रांची ग्रामीण युवा कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस,इंदिरा फैलोशिप कि हुई शुरुआत

बुंडू(मोहसीन आलम):रांची ग्रामीण युवा कांग्रेस के द्वारा सोमवार क्रो बुंडू प्रखंड में सूर्य मंदिर के समीप एक प्रेस वार्ता करते हुए बताया गया कि एक साल पूर्व राजनीति को केंद्र में रखकर इंदिरा फैलोशिप की शुरुआत की थी आज यह पहल महिला नेतृत्व के एक सशक्त कारवां में बदल चुकी है राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाए बिना समाज में समानता और न्याय मुमकिन नहीं है आधी आबादी पूरा हाथ हिस्सेदारी कांग्रेस पार्टी के सोच और संकल्प का प्रतीक है जमीन से जुड़ी महिलाओं से शक्ति अभियान में जुड़ने और महिलाओं को केंद्र में राजनीति का हिस्सा बनाने का आवाहन करता हूँ इस अभियान से जुड़कर महिलाएं स्वराज लाएंगे और पंचायत से लेकर गांव तक बदलाव करेंगे इस प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से रांची जिला ग्रामीण युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अमरनाथ मुंडा खिजरी विधानसभा अध्यक्ष हिमांशु कुजूर सुरेश कुमार सिंह राम भजन सिंह मुंडा तमाड़ विधानसभा अध्यक्ष लखिंदर लोहार विधानसभा महासचिव राजेश सिंह मुंडा एवं अमृत कोनगाड़ी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

14वीं पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन

रांची हमारे महापुरुष विद्वान, शिक्षाविद्, आदिवासी कला-संस्कृति के महान जादूगर जिन्होंने आदिवासी एवं क्षेत्रीय भाषाओं की महत्व को समझते हुए इन्होंने झारखण्ड में इसकी एक विभाग खोलकर भाषा की पढ़ाई शुरुआत कर आदिवासी और क्षेत्रीय भाषाओं को एक पहचान देते हुए इसकी पढ़ाई यहां के विश्व विद्यालयों में मान्यता दिला कर पढ़ाई प्रारम्भ कराया गया और साथ ही झारखण्ड की कला-संस्कृति को देश-विदेश में पहुंचा कर आदिवासियों की मान-सम्मान और उसकी पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुण्डा जी की आज 30.09.2024 को 14वीं पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें आज याद करते हुए, भारत मुंडा समाज के सुशील पाहन उनके चित्र पर माल्यार्पण कर शत् शत् नमन एवं श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, कोडरमा

आवश्यक सूचना

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा निकाली गई अतिअल्पकालीन निविदा सूचना संख्या–21/2024–25 जिसका पी0आर0 संख्या–337479Building(24-25).D है के ग्रुप संख्या–04 को अपरिहार्य कारण वश स्थगित किया जाता है साथ हीं ग्रुप संख्या–01 एवं 05 में प्राक्कलित राशि, परिमाण विपत्र की राशि एवं अग्रधन की राशि में निम्नवत् संशोधित किया जाता है:–

ग्रुप संख्या	कार्य का नाम	संशोधित प्राक्कलित राशि	संशोधित परिमाण विपत्र की राशि	संशोधित अग्रधन की राशि
1	Renovation of A.C. Office with electrical work and aluminium partition work at Collectorate Builiding Block A Koderma Dist.	11,31,431.00	2500.00	22700.00
5	Repair work to C.O. Chamber and Office in Koderma block cum Circle Office at Koderma.	3,24,693.00	750.00	6500.00

शेष शर्तें यथावत् रहेगा।

PR 337655 Building (24-25)_D

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन प्रमण्डल, कोडरमा

कार्यालय, जिला परिषद, रॉंची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन पुनः ई–निविदा आमंत्रण सूचना
टेन्डर रिफ्रेन्स नम्बर–DOPR/DE/Ranchi/Retender/12/2024-25
PR No.-335316

S. No	G. No.	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (रुपये में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	03	बाघमरी मुख्य पथ से बालेश्वर टानाभगत के घर तक लगभग 1 कि0.मी0. पी0.सी0.सी0. पथ निर्माण।	57,77,000.00	1,16,000.00	10,000.00	6 माह

नोट :–केवल ई–टेण्डर ही स्वीकार होगें।
1. अधिक जानकारी के लिए बेबसाईट jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि–04.10.2024
3. ई–निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय–05.10.2024 से 15.10.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. **निविदा खोलने की तिथि–16.10.2024 को 3.00 बजे अपराह्न।**
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता–जिला अभियंता, जिला परिषद, रॉंची।
   ई–निविदा प्रकोष्ट का दुरभाष नं0– 7739519093
6. परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quauntity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. **निविदा डबल बीड प्रद्वति से होगा।**
10. **इस निविदा में जिला परिषद, रॉंची झारखण्ड रॉंची में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही भाग लेगें।**

PR 337633 (Panchayati Raj) 24-25 (D)

जिला अभियंता,
जिला परिषद, रॉंची।

झारखण्ड सरकार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
email – eedwsd.ranchiwest@gmail.com

ई – प्रोक्योरमेंट अति अल्पकालीन निविदा सूचना (द्वितीय कॉल)
जिसका **PR No. 328043 (Drinking Water and Sanitaion)** 2024–25 है।

निविदा सूचना संख्या – **DWSD/RW/SR-02/2024-25** दिनांक:– 30.09.2024

1. Name of Work :- Relocation of T/W by Drilling 125/115 mm dia drilled Tube-Well in all kinds of soil rock for installation of hand pump with D.T.H Rig machine all complete including supplying all materials, labours, tools, drilling, rigs, air compressor and equipments as well as fuel lubricant for making 125/115 mm dia boring etc and cost of transporting rig machine and other vehicle up to site work "TurnKey Basis" Under D. W. & S. Division, Ranchi West, Ranchi for the Year 2024-25

ग्रुप संख्या	नलकूपों की संख्या	प्राक्कलित राषि लगभग (लाख में)	अग्रधन की राषि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
SR/RW-I	40 nos.	3355528.00	67200.00	5000.00	72 दिन

2. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– 01/10/2024 / 04.00 बजे अपराहन तक।
3. निविदा ऑन लाईन बिडींग की तिथि एवं समय :– 01/10/2024 / 04.00 बजे अपराहन तक।
4. सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस, झारखण्ड मत्रांलय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में अन्तिम तिथि एवं समय :– 07/10/2024 / 04.00 बजे अपराहन तक।
5. तकनीकी बीड खोलने की तिथि एवं समय :– 08/10/2024 / 04.00 बजे अपराहन में।
6. तकनीकी बीड खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉंची पश्चिम, रॉंची।
7. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, रॉंची पश्चिम, रॉंची।
8. ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन नं0 :– 0651-2491247
9. निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात अग्रधन की राशि देय मान्य होगा।
10. कार्य की मात्रा आवश्यकतानुसार घट–बढ़ सकती है।
11. विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।

PR 337660 (Drinking Water and Sanitation)24-25*D

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल,
रॉंची पश्चिम, रॉंची

नहीं बढ़ेगी बिजली दर, मीटर रेंट भी हुआ माफ

रांची : राज्य में बिजली की दरों में फिलहाल कोई वृद्धि नहीं होगी. झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने सोमवार को इसकी घोषणा की. इस दौरान बताया गया कि बिजली की दर में कोई वृद्धि नहीं होगी. साथ ही उपभोक्ताओं के लिए दूसरी राहत की बात ये है कि उन्हें अब मीटर का रेंट भी नहीं देना होगा. एस साल में बिजली की सप्लाई में सुधार नहीं हुआ है. जिससे बिजली दर में बढ़ोत्तरी नहीं की गयी है. आयोग ने जेबीवीएनएल के प्रस्ताव पर सुनवाई की और वित्तीय वर्ष 2023-24 और 2024-25 के बिजली दर बढ़ाने के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया. आयोग के तकनीकी सदस्य अतुल कुमार और विधि सदस्य महेंद्र प्रसाद ने बिजली दरों की वर्तमान टैरिफ, प्रस्तावित टैरिफ और पावर सप्लाई की स्थिति की समीक्षा की. समीक्षा के बाद आयोग ने यह फैसला दिया कि बिजली दरों में किसी तरह की बढ़ोतरी ना की जाये. उल्लेखनीय है कि झारखंड बिजली वितरण निगम की ओर से घरेलू और व्यवसायिक उपभोक्ताओं को दिये जाने वाली विद्युत सप्लाई की टैरिफ (प्रति केवी दर) में बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव दिया गया था. इसे लेकर उपभोक्ताओं की राय भी ली गई थी. उपभोक्ताओं ने भी टैरिफ में किसी तरह की बढ़ोतरी ना करने का आग्रह आयोग से किया था. इसके तहत शहरी घरेलू उपभोक्ताओं का बिजली बिल 6.65 रुपये ही रहेगा. वहीं, ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं का प्रति यूनिट बिजली बिल 6.30 रुपये है. गैरतलब है कि हर साल 30 नवंबर से पहले जेबीवीएनएल आगामी वित्तीय वर्ष को लेकर नये टैरिफ प्लान का प्रस्ताव नियामक आयोग के समक्ष रखता है, जिसकी सुनवाई के बाद इस पर निर्णय लिए जाते हैं.

हाईकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे को दो केस में राहत

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने गोड्डा के सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ 28 अक्टूबर तक पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. यह मामला देवघर स्थित परित्राण मेडिकल ट्रस्ट की संपत्ति बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट द्वारा खरीदे जाने से जुड़ा हुआ है. जिसमें उनके ऊपर शिवदत्त शर्मा की ओर से निशिकांत दुबे के खिलाफ जालसाजी का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करवाई है. जिसे रद्द करने के लिए सांसद निशिकांत दुबे ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में दोनों मामलों की सुनवाई हुई. निशिकांत दुबे की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव, पार्थ जालान और शिवानी जालूका ने बहस की. वहीं दूसरा मामला लोकसभा चुनाव के दौरान जेएमएम का झंडा हटाकर भाजपा का झंडा लगाने से जुड़ा हुआ है. इस मामले में भी अदालत ने सांसद के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक का आदेश दिया है. इस संबंध में बुढ़ई थाना में मामला दर्ज है.

हाईकोर्ट ने कहा- महिलाओं की सुरक्षा के मामले को गंभीरता से लेना होगा

रांचीः झारखंड के अलग-अलग जिलों में महिलाओं और स्कूली बच्चों समेत नाबालिग लड़कियों के साथ बढ़ते अपराध पर रोक के लिए दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. सोमवार की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने मामले की सुनवाई के लिए गुरुवार की तिथि निर्धारित की है. अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और उनके खिलाफ अपराध की घटनाओं को गंभीरता से लेना होगा. हाईकोर्ट की महिला अधिवक्ता भारती कौशल ने इस संबंध में जनहित याचिका दायर की है. राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता गौरव कुमार ने इस मामले में पक्ष रखा. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है.

म्युटेशन के लिए कर्मचारी ने ली थी 5 हजार घूस, एसीबी कोर्ट ने दी 5 साल की सजा

रांचीः सरकारी नौकरी में रहते रिश्वत लेने के दोषी नामकुम अंचल के तत्कालीन राजस्व कर्मचारी संजय साव को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अदालत ने पांच वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. साथ ही अदालत ने संजय पर 45 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माना नहीं देने पर संजय को 9 महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी. एसीबी कोर्ट के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत ने यह फैसला सुनाया है. 25 सितंबर को कोर्ट ने संजय को दोषी करार दिया था. सोमवार को उसकी सजा की बिंदु पर सुनवाई हुई. संजय पर दाखिल खारिज करने के एवज में सूचक से 5 हजार रुपए रिश्वत लेने का आरोप था. भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो(एसीबी) ने उसे रिश्वत की राशि के साथ 24 जुलाई 2010 को गिरफ्तार किया था.

पहली पत्नी के रहते रणधीर ने कर ली दूसरी शादी, कोर्ट ने दी दस साल की सजा

रांचीः रांची सिविल कोर्ट ने पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी करने और दहेज की मांग करने के दोषी रणधीर को दस वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त 7 विशाल श्रीवास्तव की कोर्ट ने यह फैसला सुनाया है. पीड़िता की ओर से अधिवक्ता सुनील पांडेय और अधिवक्ता जेनी विभा ने बहस की. कोर्ट ने रणधीर को गुरुवार को दोषी करार दिया था. जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में ले लिया गया था. रणधीर की पत्नी ने उसके खिलाफ वर्ष 2016 में कोतवाली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि रणधीर ने पहली पत्नी के रहते दूसरी शादी की, महिला की मर्जी के बिना उसका पति उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया और दहेज उत्पीड़न किया है. ट्रायल के दौरान महिला समेत अन्य गवाहों का बयान कोर्ट में दर्ज करवाया गया. जिसके आधार पर कोर्ट ने रणधीर को दोषी करार दिया है.

एके 47 के साथ गिरफ्तार जेजेएमपी उग्रवादी को हाईकोर्ट से मिली बेल

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट ने एके 47 हथियार के साथ गिरफ्तार प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन जेजेएमपी के उग्रवादी शिवपूजन भूमिहार उर्फ शिवपूजन मुंडा को जमानत दे दी है. शिवपूजन की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद और जस्टिस नवनीत कुमार की बेंच में सुनवाई हुई. शिवपूजन की ओर से अधिवक्ता तनु सिंह ने बहस की. शिवपूजन को गढ़वा जिले के रंका थाना से पिछले वर्ष गिरफ्तार किया गया था. हाईकोर्ट ने उसे इस शर्त पर जमानत दी है कि उसे ट्रायल कोर्ट में सभी तारीखों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा.

वृद्ध महिला के साथ दुष्कर्म कर हत्या करने वाले धन सिंह व हेमंत को उम्रकैद की सजा

रांचीः रांची सिविल कोर्ट ने वृद्ध महिला की दुष्कर्म कर हत्या करने के दोषियों धन सिंह पाहन और हेमंत सिंह मुंडा को उम्रकैद की सजा सुनाई है. अपर न्यायायुक्त अरविंद कुमार की अदालत ने दोनों दोषियों पर 60 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है. कोर्ट ने शनिवार को धन सिंह पाहन और हेमंत सिंह मुंडा को दोषी करार दिया था. दोनों ने 62 साल की महिला के साथ रेप कर उसकी हत्या कर दी थी. दोनों दोषी तमाड़ के बुढ़ाडीह निवासी हैं. पहला दोषी धन सिंह मुंडा घटना के बाद से ही 1 अगस्त 2019 से जेल में है. घटना को लेकर तमाड़ थाना में 31 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज की गई थी.

झारखंड पुलिस की रिपोर्ट : 5277 पंडालों में होगी दुर्गा पूजा, 2346 लाइसेंसी व 2931 गैर लाइसेंसी

रांची : दुर्गा पूजा की शुरुआत 3 अक्टूबर से होगी. झारखंड के सभी जिलों में भव्य तरीके से दुर्गा पूजा का आयोजन किया जायेगा. सभी जगहों पर पूजा पंडाल का निर्माण लगभग पूरा कर लिया गया है. झारखंड पुलिस की रिपोर्ट की मानें तो राज्य में इस बार 5277 पंडालों में दुर्गा पूजा का आयोजन किया जायेगा. इनमें 2346 पूजा पंडाल लाइसेंसी और 2931 गैर लाइसेंसी हैं. रिपोर्ट के अनुसार, जमशेदपुर में सबसे अधिक 408 लाइसेंसी दुर्गा पूजा पंडाल हैं. वहीं गढ़वा में 640 गैर लाइसेंसी दुर्गा पूजा पंडाल बन रहे हैं. दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में विधि व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न ना हो, इसको लेकर भी झारखंड पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर रही है.

सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी को लेकर आक्रोशित छात्रों ने जेएसएससी ऑफिस का किया घेराव

रांची. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से ली गई संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) में गड़बड़ी की शिकायत करने वाले छह लोगों को आयोग ने आज अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया है। वहीं, इस बैठक को लेकर बड़ी संख्या में छात्र झारखंड कर्मचारी चयन आयोग कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का आरोप है कि सीजीएल पेपर लीक के साथ साथ गड़बड़ी की गई है। सीबीआई जांच के साथ परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, इससे पहले ही आयोग कार्यालय के आसपास धारा 144 लगा दी गई है। वहीं आयोग की ओर से छात्रों के हो रहे जुटान को गलत बताया गया है। आयोग की ओर से एग्जाम फाइटर कोचिंग के कुणाल प्रताप सिंह, उम्मीदवार आशीष कुमार, प्रकाश कुमार, रामचंद्र मंडल, विनय कुमार और प्रेमलाल ठाकुर को दोपहर तीन बजे सबूत के साथ आने को कहा है।

आयोग ने शिकायर्ताओं से पूछे सवाल

इधर आज के छात्रों के जुटान कार्यक्रम को लेकर आयोग की ओर से सभी शिकायकर्ता एग्जाम फाइटर कोचिंग के कुणाल प्रताप सिंह, उम्मीदवार आशीष कुमार, प्रकाश कुमार, रामचंद्र मंडल, विनय कुमार और प्रेमलाल ठाकुर को पत्र भेज कर सवाल पूछे गए हैं। आयोग ने पूछा है कि जब आपकी शिकायत पर जांच चल रही है। जांच की प्रक्रिया पूरी किए बिना आयोग कार्यालय के पास छात्रों को जमा करने के पीछे की मंशा क्या है। आयोग ने यह पूछा है कि क्या इसके लिए सक्षम अधिकारी से अनुमति ली गई है। आयोग ने कहा है कि इससे अगर विधि-व्यवस्था भंग होती है, तो इसे क्यों न अवैध मानते हुए इसकी जवाबदेही आपलोगों पर सुनिश्चित की जाए। वहीं 26 सितंबर को किए गए प्रदर्शन के संबंध में पूछा गया कि क्या इसके लिए भी सक्षम अधिकारी से अनुमति ली गइ थी। आयोग ने कहा है कि जांच प्रक्रिया पूरी किए बिना विद्यार्थियों को उकसा कर आयोग कार्यालय के समक्ष जमा किया जा रहा है।

अभ्यर्थी क्यों कर रहे हैं प्रदर्शन

जेएसएससी की ओर से 21 और 22 सितंबर को पेन-पेपर बेस्ड परीक्षा ली गई। दोनों दिन परीक्षा के दौरान इंटरनेट पूरे राज्य में बंद रही। दूसरे दिन की परीक्षा खत्म होते ही इस पर सवाल खड़े होने शुरू हो गए। परीक्षा देकर निकले उम्मीदवारों ने कई तरह के आरोप लगाए। कहा कि परीक्षा के पेपर लीक हुए हैं। इसके बाद पहले हजारीबाग फिर रांची में अभ्यर्थियों ने इसका विरोध किया। कैंडल मार्च और विरोध प्रदर्शन भी हुए।

आयोग की कमेटी कर रही आरोपों की जांच

पेपर लीक, प्रश्न रिपीट और बुकलेट वितरण में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए अभ्यर्थी आंदोलन परीक्षा समाप्ति के बाद से ही शुरू गया। छात्रों ने अपनी बात राजभवन तक पहुंचाई। इसके बाद राजभवन ने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए। इसी बीच छात्रों के प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को गड़बड़ियों से संबंधित साक्ष्य भी सौंपे। वहीं आयोग संयुक्त सचिव मधुमिता कुमारी और उप सचिव अरविंद कुमार लाल को कमेटी में शामिल कर जांच कर रही है। एक सप्ताह में कमेटी अपना रिपोर्ट सौंपेगी।

परीक्षार्थियों के आरोप और मांग

» रांची के बेथनी कॉन्वेंट हाई स्कूल मखमंद्रो (सेंटर कोड-776) सेंटर के बाहर एक छात्र ने 22 सितंबर की प्रथम पाली की परीक्षा शुरू होने से पहले किसी अन्य एक छात्र को फोन पर बातचीत कर उत्तर लिखते हुए देखा। तब उस छात्र ने खुद भी अंसार नोट किया। परीक्षा के बाद उत्तर मिलाया तो हूबहू मिल गया। जिस छात्र ने ये देखा वह पूछताछ में सहयोग करने के लिए तैयार है।

» धनबाद के कुमार बीएड कॉलेज (सेंटर कोड 281) के एक सेंटर पर कुछ छात्रों ने देखा कि 22 सितंबर की प्रथम पाली की परीक्षा शुरू होने से पहले एक छात्र फोन पर बातचीत कर उत्तर नोट कर रहा था। जब छात्रों ने उसका विरोध किया तो वो भाग गया और उत्तर लिखे पेज को फाड़ कर वहीं पर फेंक दिया जिसका वीडियो छात्रों के पास उपलब्ध है। उस वीडियो में भागने वाले छात्र का चेहरा भी है।

» हिंदू हाई स्कूल हज़ारीबाग रूम नंबर 4 में एक पुलिस ऑफिसर एक लड़की को उत्तर बताए गए। यह जानकारी एक लड़की ने वॉइस मेसेज में मध्यम से भेजा है। उस कमरे में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करा कर इस बात की पुष्टि की जा सकती है।

» प्रोजेक्ट गर्ल हाई स्कूल बेड़ो रांची केंद्र में दिनांक 21/09/2024 को प्रथम पाली में पेपर 3 की जगह पेपर 2 दे दिया गया और आंसर बुकलेट पेपर 3 का दिया गया जो प्रश्न से पहले दिया जाता है। फिर एक घंटे का समय बीत जाने के बाद पेपर 3 दिया गया। जिसके कारण उत्तर बुकलेट और क्वेश्चन बुकलेट नंबर मैच नहीं कर पाया।

» 22 सितंबर 2022 को आयोजित परीक्षा में मैथ और रीजनिंग के 20 में से 16-16 सवाल 2018 और 2022 के एसएससी की परीक्षा से एक मुश्त मिल गए। जिसमें सेंट्रल एसएससी के 2022 में हुई परीक्षा में पूछे गए मैथ के एक शिफ्ट की परीक्षा में से 16 सवाल हु ब हु मिल गए। साल 2019 में हुए एसएससी की परीक्षा में रीजनिंग के 20 में से 16 सवाल हु ब हु मिल गए। साथ ही 21 तारीख को हुई परीक्षा में रीजनिंग के 17 प्रश्न हु ब हू एसएससी सीजीएल के 28 अगस्त 2016 में पूछे गए सवाल थे।

हक- अधिकार के लिए अब 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे आंगनबाड़ी कर्मी

रांचीः राज्यभर के आंगनबाड़ियों में 5 अक्टूबर से सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं. आंगनबाड़ी कर्मियों ने इस डेट से हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है. इस संबंध में उन्होंने अपनी मांगों को पूरा किए जाने में सरकार की उदासीनता का जिक्र करते सीएम हेमंत सोरेन को चिट्ठी भी लिखी है. इसकी प्रतिलिपि सभी सीडीपीओ, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी डीडीसी, सभी जिलों के डीसी, समाज कल्याण निदेशालय के पदाधिकारियों, महिला बाल विकास मंत्री, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह समेत अन्य को भी लिखा है. आंगनबाड़ी कर्मियों के संघ की ओर से देवयंती देवी, अशोक कुमार सिंह, सुशील कुमार पांडेय, महेश सोरेन, संजय पासवान समेत अन्य ने संयुक्त तौर पर सीएम को चिट्ठी लिखकर आंगनबाड़ी कर्मियों के मामले में गंभीरता दिखाने और पहल करने की अपील की है.

पत्र में कहा गया है कि 5 अक्टूबर से राज्य की सभी आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका हड़ताल पर चली जाएंगी. झारखण्ड राज्य अंतर्गत आँगनबाड़ी केंद्रों में कार्यरत आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका द्वारा अपनी जायज मांगों की प्राप्ति के लिए कई बार मिलकर लिखित और मौखिक रूप से सीएम को मांग पत्र समर्पित किया. महोदय द्वारा आश्वस्त भी किया गया था कि शीघ्र ही मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जायेगा पर इस पर सरकार की ओर से सकारात्मक पहल का घोर अभाव दिखा है.फलतः सेविका- सहायिकाओं में आक्रोश व्याप्त है. इस आक्रोश को ध्यान रखते हुए झारखण्ड राज्य के तमाम आंगनबाड़ी कर्मियों के संघों की एक संयुक्त राज्य स्तरीय बैठक 15 सितंबर को रांची में सम्पन्न हुई थी. इसमें लिए गये निर्णय के अनुसार 23 सितंबर को मोरहाबादी मैदान से डॉ जाकिर हुसैन पार्क, रांची तक रैली की शक्ल में पहुँचकर आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन भी किया गया था. इसके मंच पर सरकार के प्रतिनिधि के रूप में गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने भाग लेकर भरोसा दिलाया था कि 27 सितंबर की कैबिनेट में उनकी मांगों पर विचार किया जायेगा. मगर कैबिनेट में कोई बात नहीं आई जिससे आक्रोशित मोर्चा के घटक संघ ने गूगल मीट पर आपात बैठक कर 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने का निर्णय सामूहिक रूप से लिया गया है.

मोर्चा की इन प्रमुख मांगों पर हो विचार

विभाग द्वारा जारी सेवा शर्त नियमावली की अधिसूचना संख्या 2238एवं 2239 दिनांक 30/09/2022 में आंशिक संसोधन हेतू पूर्व समर्पित आवेदन पर अविलम्ब विचार हो.

सहायक अध्यापक (पारा शिक्षकों) के समान आँगनबाड़ी सेविका-सहायिका को मानदेय/वेतनमान के साथ सभी सुविधाओं की स्वीकृति देते हुए वार्षिक मानदेय वृद्धि की जटिलताओं को दूर किया जाये.

मानदेय का भुगतान केन्द्रांश एवं राज्यांश मद की राशि एक साथ ससमय हो तथा इसके समय पर भुगतान के लिए चक्रिय कोष की व्यवस्था हो.

सेवा निवृति के बाद सेविका को 10 लाख एवं सहायिका को 5लाख एक मुश्त सेवा निवृति का लाभ भुगतान हो तथा अंतिम मानदेय का 50%पेंशन के रूप में भुगतान की स्वीकृति दी जाये.

महिला पर्यवेक्षिका के पद पर बहाली में उम्र सीमा और विषय की अनिवार्यता को क्षांत कर शत प्रतिशत वरीयता एवं कार्यानुभव के आधार पर आँगनबाड़ी सेविका को प्रोन्नति दी जाये.

सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार सभी समाज कल्याण के संविदा कर्मियों के बीच व्याप्त मानदेय विसंगति को दूर कर आँगनबाड़ी कर्मियों को भी महंगाई एवं यात्रा भत्ता भुगतान की स्वीकृति दी जाये एवं सभी को नियमित कर पूर्ण सरकारी कर्मचारी का दर्जा देते हुए विद्यालयों के समान विपरीत मौसम में अवकाश की व्यवस्था हो.

सीएम आवास घेरने निकले झारखंड आंदोलनकारियों को पुलिस ने कांके रोड में रोका

रांची : सीएम आवास का घेराव करने निकले झारखंड आंदोलनकारियों को पुलिस ने कांके रोड स्थित राम मंदिर के पास रोक दिया. सोमवार को सैकड़ों की संख्या में अलग-अलग जिलों से आये आंदोलनकारी कांके रोड स्थित सीएम आवास का घेराव करने निकले थे. जिसके बाद सभी को रोक दिया गया. सीएम आवास के पास सिटी एसपी, एसडीएम, एडीएम,कई डीएसपी सहित भारी संख्या में पुलिसबल मौजूद है.

आंदोलनकारी की मान्यता के लिए जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने की मांग

जान लें कि झारखंड आंदोलनकारी की मान्यता के लिए जेल जाने की बाध्यता समाप्त करने, राजकीय मान-सम्मान के साथ अलग झारखंडी पहचान, बेटे-बेटियों को रोजी रोजगार व नियोजन के लिए शत-प्रतिशत अधिकार की गारंटी देने मांग की जा रही है. साथ ही आंदोलनकारियों के लिए सम्मान पेंशन राशि तथा प्रत्येक झारखंड आंदोलनकारी को 50-50 हजार की राशि दिये जाने की मांग को लेकर 30 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास के समक्ष धरना, प्रदर्शन व घेराव कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय लिया गया था.

लायंस रांची लाइफ ने होस्ट की डिस्ट्रिक्ट की दूसरी कैबिनेट

रांचीः लायंस क्लब ऑफ रांची लाइफ ने द्वितीय कैबिनेट मीटिंग राँची के मंगलम हॉल में होस्ट की . इस में आए गये विभिन्न क्लबों से सदस्यगण को लायन आरती एव लायन तूलिका ने झारखंडी रीति रिवाज़ से सबों का स्वागत किया साथ ही ढोल नगाड़े भी बजे . उसके बाद कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और गणेश वंदना से हुई जो की लायन रिंकु बनर्जी ने गया. इसके बाद लायंस परंपरा के अनुसार एक मिनट का विश्व शांति के लिए मौन रखा गया. अपने वक्तव्य की शुरुआत में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन सीमा बाजपेयी के द्वारा पिछले और अगले कार्यक्रम की जानकारी दी गई और मैं इस तीन महीने में ऑफिसरों और क्लबों के द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए लिए उन्हें सम्मानित भी की गई. इसमें कैबिनेट सेक्रेटरी लायन सुभम् बाजपेयी के द्वारा रिपोर्ट पढ़ा गया और कैबिनेट ट्रेजरर लायन एच एन सोढ़ी जी के द्वारा अकाउंट का रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया उसके बाद बड़ी बड़ी से रिज़ोइन चेयर पर्सन एव जोन चेयर पर्सन ने तीन महीने की की गई कार्य पर प्रकाश डाला. इसके बाद जीएसटी चेयर पर्सन लायन कंचन जी ने सर्विस के बारे में बताया . जीएलटी हेयर पर्सन लायन राहुल जी ने होने वाले ट्रिनिंग की जानकारी दी . कार्यक्रम में अपने सर्विस कार्य को और सस्क्त बनाने पर चर्चा हुई . प्रथम उपजिलापाल लायन संजय जी ने अपने वक्तव्य से सभी को मंत्रा मुग्ध कर दिया .मच का संचालन एव धन्यवाद ज्ञापन होस्ट क्लब के चार्टर प्रेसिडेंट लायन रवि प्रकाश ने की. इस कार्यक्रम में होस्ट क्लब से लायन विकास , हर्षवर्धन , अर्चना , विनीता , ज्योति , प्रतियुष, मनोज , मिनी पंकज , संतोष , विजय, राजेश और अभिसेक जी ने सम्भाला. इस कार्यक्रम में करीब 70 क्लबों ने हिस्सा लिया.

सीसीएल में सेवानिवृत्त कर्मियों को भावभीनी विदाई

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय, राँची के विभिन्न विभागों में कार्यरत कुल 6 कर्मी – सर्वश्री चंद्र भूषण सहाय, महाप्रबंधक (खनन), ओएसडी विभाग; राकेश कुमार, महाप्रबंधक (असैनिक), असैनिक विभाग; डॉ. जगमल सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गांधीनगर अस्पताल; अभय कुमार सिंह, मुख्य प्रबंधक (असैनिक), असैनिक विभाग; सफरुद्दीन अंसारी, बेयरर, वाशरी विभाग एवं जयनाथ मुंडा, वरीय रिंगमैन, लपंगा ड्रिलिंग कैंप को सीसीएल परिवार की ओर से ''सम्मान समारोह'' का आयोजन कर उनके सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। ज्ञात हो कि सितम्बर माह, 2024 में मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 78 कर्मी सेवानिवृत्त हुए। अवसर विशेष पर सीसीएल मुख्यालय में पदस्थापित महाप्रबंधक (अधिकारी स्थापना), श्री संजय कुमार ठाकुर, महाप्रबंधक (पी एंड आईआर), श्री नवनीत कुमार, महाप्रबंधक (नगर प्रशासन), श्री राजेश मोहन सहित अन्य विभागों के महाप्रबन्धक/विभागाध्यक्षगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के परिवारजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म (विडियो क्लिप) 'सम्मान समारोह' के दौरान प्रदर्शित किया गया। इस फिल्म में सभी सेवानिवृत्त कर्मियों ने कंपनी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि कंपनी निरंतर नयी ऊँचाइयों को छू रही है और हम इसके उत्तरोत्तर विकास की कामना करते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएमडी, सीसीएल श्री निलेन्दु कुमार सिंह ने अपने सम्बोधन में सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों से कहा कि आप सभी लोग अपनी मेहनत, समर्पण और निष्ठा से न सिर्फ कंपनी को ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, बल्कि कंपनी की पूरी तरह से कायाकल्प किया है। उन्होने कहा कि आपकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता से कंपनी ने अनगिनत सफलताएँ हासिल की हैं। सीएमडी, सीसीएल ने कहा कि आपके अनुभव, ज्ञान और मार्गदर्शन ने इस कंपनी को हर चुनौती का सामना करने के काबिल बनाया है और आज कंपनी खनन क्षेत्र के साथ-साथ diversified क्षेत्र जैसे सोलर प्लांट आदि में भी दक्षता हासिल किया है। श्री सिंह ने कहा कि आप अपने जीवन के इस नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ आप अपने ख्वाबों को उडान दें जो कंपनी के सर्विस पीरियड में आपने किसी कारण पूरा नहीं कर पाए हैं।

मंच का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती रेखा पांडेय ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्याण विभाग के कर्मियों एवं अन्य विभागों का विशेष योगदान रहा।

मनरेगा में गड़बड़ीः 19 मनरेगा कर्मियों पर कार्रवाई का आदेश, केस भी होगा

रांचीः राज्य सरकार ने गबन के आरोप में 19 मनरेगा कर्मियों की संविदा रद करते हुए उनपर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश लातेहार उपायुक्त को दिया है. इन मनरेगा कर्मियों पर लातेहार के बालुमाथ प्रखंड में वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में मनरेगा योजनाओं टी.सी.बी, मेंढ़बंदी इत्यादि को बिना सिक्योर पीओ लॉगिन के द्वारा अप्रुव, ऑनगोइंग एवं कंप्लीट करने का आरोप है. सभी पर लगे आरोपों की जांच लोकपाल लातेहार के द्वारा करायी गयी थी जिसमें आरोपों को सही पाया गया था. इसके बाद ग्रामीण विकास विभाग ने जुलाई 2024 को ही लातेहार उपायुक्त को पत्र लिखा था कि विभाग के 2016 के निर्देशानुसार जिसमें गबन की राशि की वसूली, सरकारी पदाधिकारी, कर्मियों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही का सूत्रपात करने, संविदा कर्मियों की संविदा रद करने के साथ-साथ प्राथमिकी का निर्देश के आलोक में कृत कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है. ग्रामीण विकास विभाग के उक्त पत्र में 15 दिनों के अंदर रिपोर्ट मांगी गयी थी, लेकिन इस पर कार्रवाई प्रतिवेदन नही मिलने की वजह से विभाग ने फिर से पत्र लिखा है ओर सात दिनों के अंदर दोषियों पर वांछित कार्रवाई करते हुए पूरी रिपोर्ट देने को कहा है. इनमें कंप्यूटर ऑपरेटर, बीएफटी, ग्राम रोजगार सेवक शामिल हैं. बता दें कि मनरेगा कर्मी अभी 70 दिनों से अपनी मांगों को लेकर अनिश्चिकालिन हड़ताल पर हैं.

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, लोहरदगा

शुद्धि-पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.09.2023 को दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित PR 336547 Lohardaga (24-25)D (अति–अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना, ई–टेण्टर रेफ्रेंस नं॰ : प॰नि॰वि॰ / लोहरदगा–619 / 2024–25) में निम्न विवरणी के अनुसार आंशिक संशोधन किया जाता है :–

6.	वेबसाईट में निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	07.10.2024 को मध्याह्न 12:00 बजे तक।
7.	वेबसाईट में निविदा खोलने की तिथि	08.10.2024 को अपराह्न 12:30 बजे।

शेष क्रम संख्या पर अंकित विवरणी यथावत रहेंगे।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमंडल, लोहरदगा।
PR.NO.337617 Lohardaga(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, डालटनगंज
(E-mail: eercdmedini-jhr@nic.in)

शुद्धि–पत्र

एतद द्वारा सूचित करना है कि इस कार्यालय द्वारा दिनांक–23.09.2024 को विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से ई–निविदा पत्रांक सं0– **8/ RCD/Daltonganj/2024-25/ 919** आमंत्रित की गई है, जिसका **PR No. 337059 Road(24-25)_D** है। अपरिहार्य कारण से अगले आदेश तक रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता,
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमंडल, डाल्टेनगंज
PR 337628 District(24-25)#D

आदिवासी अधिकारवाले पेसा कानून पर गरमाई राजनीति

लंबे जन संघर्ष के बाद 1996 में देश में पंचायत के प्रावधान (अनुसूचित क्षेत्रों में विस्तार) अधिनियम, जिसे पेसा के नाम से जाना जाता है, लागू हुआ। मध्य प्रदेश के झाबुआ से सांसद रहे दिलीप सिंह भूरिया की अध्यक्षता में समिति बनी थी, उसकी अनुशंसा पर ही यह मॉडल कानून बना था। इस क़ानून के अनुसार, पांचवीं अनुसूची के क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था को आदिवासी समुदायों के गांव, समाज, पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था और संस्कृति के अनुरूप लागू किया जाना है। अनुसूचित क्षेत्र ऐसे स्थान हैं जहां मुख्य रूप से आदिवासी समुदायों का वर्चस्व है। ये क्षेत्र 73वें संविधान संशोधन या पंचायती राज अधिनियम के अंतर्गत नहीं आते थे। पेसा अधिनियम का उद्देश्य भारतीय संविधान के भाग IX के प्रावधानों को अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तारित करना है। यह पंचायतों और ग्राम सभाओं को इन क्षेत्रों में स्वशासन की प्रणाली को लागू करने में सक्षम बनाता है।पांचवीं अनुसूची आदिवासियों की स्वशासन प्रणाली के संरक्षण और उनके सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक विकास के लिए संवैधानिक ढांचा देती है।पेसा स्पष्ट रूप से कहता है कि आदिवासी समुदाय की समझ एवं परंपरा के अनुसार 'गांव' को परिभाषित किया जाना है।गांव की ग्राम सभा, जिसमें गांव के सभी मतदाता सदस्य होंगे, ही सामुदायिक संपत्तियों जैसे जल, जंगल, जमीन आदि की मालिक होगी। गांव में किसी प्रकार का भी विकास का कार्य ग्राम सभा की अनुमति से ही किया जाएगा।ग्राम सभा का निर्णय और राय सर्वोच्च माने जाएंगे।

यह अधिनियम अनुसूचित क्षेत्र में एक गांव के लिए ग्राम सभा की स्थापना की अनुमति देता है। प्रत्येक ग्राम सभा एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करेगी जो अनुसूचित क्षेत्र के कुछ पहलुओं, विशेष रूप से संसाधन प्रबंधन करती है। यह अधिनियम ग्राम पंचायतों को उन मामलों पर निर्णय लेने की भी अनुमति देता है जो सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन के साथ-साथ लघु वन उपज, भूमि और छोटे जल निकायों से संबंधित हैं। जिसे अनुसूचित क्षेत्रों में बंधुआ मजदूरी की प्रथा के उन्मूलन के लिए प्रवासी मजदूरों का रिकॉर्ड भी रखने का भी अधिकार देता है।देश के सात आदिवासी बहुल राज्यों ने इसे लागू कर दिया है।इसमें ग्राम सभा को अधिकार दिये जाने का प्रावधान है। झारखंड में होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर आदिवासियों के अधिकार को लेकर पेसा एक्ट, 1996 यानी पंचायत एक्सटेंशन टू शिड्यूल एरिया का मामला गरमाने लगा है।कई जगह नारा गुंजने लगा है- पहले पेसा कानून फिर वोट, नहीं पेसा कानून तो नहीं वोट। राज्यपाल संतोष गंगवार भी कह चुके हैं कि राज्य में पेसा कानून लागू करने की जरूरत है। वहीं झारखंड दौरे पर आयी राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्या ने कहा कि आने वाले समय में राज्य सरकार झारखंड में पेसा कानून लागू करें। झारखंड में आदिवासियों की जमीन गैर आदिवासियों को हस्तांतरित हो रही है।झारखंड में इस प्रकार का अन्याय नहीं होना चाहिए।गांव के गांव खाली हो गए हैं।उन्होंने कहा कि देश के 10 राज्यों में पेसा कानून लागू है, लेकिन झारखंड में नहीं। हालांकि आदिवासी बुद्धिजीवी मंच पी-पेसा एक्ट के तहत नियमावली की बात कर रहा है। यहां पी— पेसा में पी का मतलब उन 23 प्रावधान से है, जो अनुसूचित क्षेत्रों को विशेष अधिकार देता है। यह मामला इसलिए भी गंभीर हो गया है क्योंकि 29 जुलाई 2024 को आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद झारखंड हाईकोर्ट ने दो माह के भीतर पेसा नियमावली अधिसूचित करने का आदेश दिया है। यह मियाद कुछ दिन में पूरी होने वाली है। लेकिन पंचायती राज विभाग की ओर से अभी तक नियमावली को लेकर तस्वीर साफ नहीं की गई है। बहुत जल्द झारखंड में विधानसभा का चुनाव होना है।इसलिए आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ने वाले बुद्धिजीवी संगठनों ने सरकार को घेरना शुरू कर दिया है।

आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के विक्टर मालतो का कहना है कि झारखंड में जब पी-पेसा के तहत नियमावली बनी ही नहीं है तो फिर अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा कैसे गठित हो सकती है। स्पष्ट है कि फर्जी ग्रामसभा बनाकर जमीन अधिग्रहण, बालू घाटों की नीलामी हो रही है, जो संविधान के खिलाफ है। इससे आदिवासियों का हक छीना जा रहा है। यही नहीं फर्जी ग्राम सभा के जरिए डीएमएफटी और ट्राइबल सब प्लान के फंड का दुरुपयोग हो रहा है। विक्टर मालतो के अनुसार तीन तरह की ग्राम सभाएं होती हैं। एक अनुच्छेद 243(ए) के तहत ग्राम सभा होती है जो ग्राम पंचायत के माध्यम से चलती है। दूसरा वनाधिकार अधिनियमौ, 2006 के तहत ग्राम सभा होती है जो जमीन आवंटन के लिए होती है। तीसरी ग्राम सभा पारंपरिक होती है,जो संसद से पारित पेसा कानून के तहत चलती है।लेकिन राज्य सरकार इस संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन कर रही है। इसलिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया। तब कोर्ट ने हमारे हक में आदेश पारित करते हुए राज्य सरकार को दो माह के भीतर पी-पेसा के तहत नियमावली अधिसूचित करने का आदेश दिया है। पंचायती राज विभाग की निदेशक निशा उरांव का कहना है कि- अनुसार ड्राफ्ट नियमावली को लेकर जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) से सुझाव लिए गये थे। इसके अलावा 14 विभागों का भी मंतव्य लिया गया था। इसके बाद अगस्त 2023 में ड्राफ्ट नियमावली प्रकाशित की गई थी। इस आधार पर करीब 400 अतिरिक्त सुझाव आए। इनमें से 267 सुझाव लिए जा चुके हैं। इस मामले में विधि विभाग से भी सहमति मिल गई है। इसी बीच ट्राइबल एडवाइजरी कमेटी में भी बात उठी।कुछ विधायकों की ओर से आपत्तियां भी आईं। उन आपत्तियों पर मंथन किया जा चुका है। निदेशक निशा उरांव के मुताबिक इस मसले पर मुख्य सचिव के स्तर पर एक और समीक्षा संभव है। कोर्ट के आदेश के आलोक में फाइनल नियमावली जारी करने की तो सरकार के स्तर पर कोर्ट में राय प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी बुद्धिजीवी मंच के जो सुझाव हैं वो सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के 2010 और 2017 के आदेश के दायरे में नहीं आते हैं। पेसा के तहत ग्राम सभा को सशक्त बनाने के लिए मॉड्यूल बनाने को लेकर केंद्र सरकार के पंचायती राज मंत्रालय ने 15 मार्च 2024 को एक आदेश जारी किया था। इसके तहत लघु वन उत्पाद, लघु खनिज, भूमि के हस्तांतरण की रोकथाम, शराब और नशीले पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध, धन उधार देने पर नियंत्रण, प्रथागत तरीके से विवाद के समाधान जैसे छह बिंदुओं पर अलग-अलग कमेटी गठित कर ग्राम सभा को मजबूत करने के लिए मॉड्यूल बनाने को कहा था। मंत्रालय ने 30 जून 2024 तक ड्राफ्ट मॉड्यूल और 15 जुलाई 2024 तक फाइनल एसओपी ड्राफ्ट तैयार करने को कहा था। इस मामले में मॉड्यूल तैयार हो चुका है और चयनित मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यही ट्रेनर ग्राम प्रधान को तमाम विषयों पर जागरूक करेंगे।

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूर्ताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

वन नेशन वन इलेक्शन आज के भारत की आवश्यकता

> “वन नेशन वन इलेक्शन के लिए गठित उक्त विशेष समिति ने यह सलाह दी है कि शुरुआत में लोकसभा एवं समस्त प्रदेशों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जा सकते है। यदि ऐसा होता है तो यह भी सही है कि देश में लोकसभा एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संसाधनों की भारी मात्रा में आवश्यकता पड़ेगी, इसका हल किस प्रकार निकाला जाएगा इस पर भारतीय संसद में विचार किया जा सकता है। साथ ही, भारत में 6 राष्ट्रीय दल, 54 राज्य स्तरीय दल एवं 2000 से अधिक गैर मान्यता प्राप्त दल हैं जिनके बीच में सामंजस्य स्थापित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।”

प्रहलाद सबनानी

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत में लोकसभा एवं विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते रहे हैं। परंतु केंद्र सरकार द्वारा कुछ विधानसभाओं को 1950 एवं 1960 के दशक में इनकी अवधि समाप्त होने के पूर्व ही भंग करने के चलते कुछ विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा से अलग कराने की आवश्यकता पड़ी थी, उसके बाद से लोकसभा, विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं एवं स्थानीय स्तर पर नगर निगमों, निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग समय पर कराए जाने लगे। आज स्थिति यह निर्मित हो गई है कि लगभग प्रत्येक सप्ताह अथवा प्रत्येक माह भारत के किसी न किसी भाग में चुनाव हो रहे होते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष केवल 65 दिन ऐसे रहे हैं जब भारत के किसी स्थान पर चुनाव नहीं हुए हैं। किसी भी देश में चुनाव कराए जाने पर न केवल धन खर्च होता है बल्कि जनबल का उपयोग भी करना पड़ता है। जनबल का यह उपयोग एक तरह से अनुत्पादक श्रम की श्रेणी में गिना जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के श्रम से किसी प्रकार का उत्पादन तो होता नहीं है परंतु एक तरह से श्रमदान जरूर करना होता है। यह श्रम यदि बचाकर किसी उत्पादक कार्य में लगाया जाय तो केवल कल्पना ही की जा सकती है कि इस श्रम से देश के सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है।
अमेरिकी थिंक टैंक के एक अर्थशास्त्री के अनुसार, देश में बार बार चुनाव कराए जाने के चलते उस देश का सकल घरेलू उत्पाद लगभग एक प्रतिशत से कम हो जाता है।
चुनाव कराने के लिए होने वाले खर्च पर भी यदि विचार किया जाय तो भारत में केवल लोकसभा चुनाव कराने के लिए ही 60,000 करोड़ रुपए का खर्च किया जाता है। आप कल्पना कर सकते हैं इस राशि में यदि विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं, नगर निगमों, निकायों एवं ग्राम पंचायतों के चुनाव पर किए जाने वाले खर्च को भी जोड़ा जाय तो खर्च का यह आंकड़ा निश्चित ही एक लाख करोड़ रुपए के आंकडें को पार कर जाएगा।
उक्त बातों के ध्यान में आने के पश्चात केंद्र सरकार ने विचार किया है कि भारत में “वन नेशन वन इलेक्शन” के नियम को लागू किया जाना चाहिए। इस विचार को आगे बढ़ाने एवं इस संदर्भ में नियम आदि बनाने के उद्देश्य से भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में एक विशेष समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट हाल ही में राष्ट्रपति/केंद्र सरकार को सौंप दी है। इसके बाद, केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल की समिति ने इस रिपोर्ट को स्वीकृत कर लिया है एवं इसे अब लोकसभा एवं राज्यसभा के सामने विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।
किसी भी देश की लोकतंत्रीय प्रणाली में समय पर चुनाव कराना एक महत्वपूर्ण कार्य होता है। चुनाव किस प्रकार हों, समय पर हों एवं सही तरीके से हों, इसका बहुत महत्व होता है। परंतु देश में चुनाव बार बार होना भी अपने आप में ठीक स्थिति नहीं कही जा सकती है। विश्व के कई देशों, यथा स्वीडन, ब्राजील, बेलजियम, दक्षिण अफ्रीका, आदि में समस्त प्रकार के चुनाव एक साथ ही कराए जाने के नियम का पालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। चुनाव एक साथ कराने के कई फायदे हैं जैसे इन देशों में चुनाव कराने सम्बंधी खर्चों पर नियंत्रण रहता है। दूसरे, सुरक्षा हेतु पुलिसकर्मियों एवं चुनाव करवाने के लिए स्थानीय कर्मचारियों की बड़ी मात्रा में आवश्यकता को कम किया जा सकता है। तीसरे, देश में चुनाव एक साथ कराने से अभिशासन पर अधिक ध्यान दिया जा सकता है एवं चौथे विभिन्न स्तर के चुनाव एक साथ कराने से चुनाव में वोट डालने वाले नागरिकों की संख्या में निश्चित ही वृद्धि होती है क्योंकि नागरिकों को मालूम होता है कि पांच साल में केवल एक बार ही वोट डालना है अतः वह अन्य कार्यों को दरकिनार करते हुए अपने वोट डालने के अधिकार का उपयोग करना पसंद करता है। इसी प्रकार यदि कोई नागरिक किसी अन्य नगर यथा दिल्ली में कार्य कर रहा है और उसके मुंबई का निवासी होने चलते उसे वोट डालने के लिए मुंबई जाना होता है तो पांच वर्ष में एक बार तो इस महान कार्य के लिए वह दिल्ली से मुंबई आ सकता है परंतु पांच वर्षों में पांच बार तो वह दिल्ली से मुंबई नहीं जा पाएगा। इसके अलावा लोकसभा, विधानसभाओं, स्थानीय निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग अलग होने से विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी, इनमें केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के मंत्री आदि भी शामिल रहते हैं, अपना सरकारी कार्य छोड़कर चुनाव प्रचार के लिए अपना समय देते हैं। जबकि, यह समय तो उन्हें देश एवं प्रदेश की सेवा में लगाना चाहिए। इससे देश में अभिशासन की गुणवत्ता पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।
वन नेशन वन इलेक्शन के लिए गठित उक्त विशेष समिति ने यह सलाह दी है कि शुरुआत में लोकसभा एवं समस्त प्रदेशों की विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जा सकते है। यदि ऐसा होता है तो यह भी सही है कि देश में लोकसभा एवं विधान सभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संसाधनों की भारी मात्रा में आवश्यकता पड़ेगी, इसका हल किस प्रकार निकाला जाएगा इस पर भारतीय संसद में विचार किया जा सकता है। साथ ही, भारत में 6 राष्ट्रीय दल, 54 राज्य स्तरीय दल एवं 2000 से अधिक गैर मान्यता प्राप्त दल हैं जिनके बीच में सामंजस्य स्थापित करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही, भारत में अंतिम बार लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनाव एक साथ 1960 के दशक में कराए गए थे। आज भारतीय नागरिकों को भी शिक्षित करने की आवश्यकता होगी कि लोकसभा, विधान सभाओं एवं स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ किस प्रकार कराए जा सकते हैं ताकि उन्हें वोट डालने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो। इन समस्याओं का हल भारतीय संसद में चर्चा के दौरान निकाला जा सकता है। यदि किसी कारण से केंद्र में लोकसभा अथवा किसी प्रदेश में विधानसभा पांच वर्ष की समय सीमा के पूर्व ही गिर जाती है तो लोकसभा अथवा उस प्रदेश की विधान सभा के चुनाव शेष बचे हुए समय के लिए पुनः कराए जा सकते हैं, ऐसे प्रावधान को कानूनी रूप प्रदान दिया जा सकता है। इससे विभिन्न राजनैतिक दलों के सांसदों एवं विधायकों पर भी यह दबाव रहेगा कि वे लोकसभा अथवा विधानसभा को समय पूर्व भंग कराने अथवा गिराने का प्रयास नहीं करें।वन नेशन वन इलेक्शन के सम्बंध में कुछ संशोधन तो देश के वर्तमान कानून में करने ही होंगे और फिर पूर्व में भी विभिन्न विषयों पर अलग अलग खंडकाल में (समय समय पर) 100 बार से अधिक संशोधन कानून में किए ही जा चुके हैं।

दीर्घ जीवन यानी वार्धक्य दीर्घ अभिशाप न बने

> “जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं।”

ललित गर्ग

हम पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन में वृद्धों को सम्मान दें, इसके लिये सही दिशा में चले, सही सोचें, सही करें। इसके लिये आज विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति की जरूरत है और इसी के लिये एक अक्टूबर को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस मनाया जाता है। समाज और नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाने और मार्गदर्शन के लिए वरिष्ठ नागरिकों के योगदान को सम्मान देने के लिए इस आयोजन का फैसला संयुक्त राष्ट्र ने 1990 में लिया था। इस दिन पर वरिष्ठ नागरिकों और बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है। वरिष्ठों के हित के लिए चिन्तन भी होता है। प्रश्न है कि दुनिया में वृद्ध दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि हम पतन के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, उसकी आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलानी होगी। सुधार की संभावना हर समय है।
वृद्ध व्यक्तियों को सुखद एवं खुशहाल जीवन प्रदत्त करने के लिये हमें सर्वप्रथम तो उन्हें आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाने पर ध्यान देना होगा। बेसहारा वृद्ध व्यक्तियों के लिए सरकार की ओर से आवश्यक रूप से और सहज रूप मे मिल सकने वाली पर्याप्त पेंशन की व्यवस्था की जानी चाहिए। ऐसे वृद्ध व्यक्ति जो शारीरिक और मानसिक दृष्टि से स्वस्थ हैं, उनके लिए समाज को कम परिश्रम वाले हल्के-फुल्के रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। वृद्धों के कल्याण के कार्यक्रमों को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए, जो उनमें जीवन के प्रति उत्साह उत्पन्न करे। अधिकांश युवाओं की सोच इस रूप में पुख्ता हो जाती है कि संयुक्त परिवार व्यक्तिगत उन्नति में बाधक होते हैं। चीजों की ललक में स्वहित इतने हावी हो जाते हैं कि संवेदनहीनता मानवीय रिश्तों की महक को क्षण में काफूर कर देती है और तन्हा बुढ़ापा घुटनभरी सांसों के साथ जीने को बाध्य हो जाता है। हमें समझना होगा कि अगर समाज के इस अनुभवी स्तंभ को यूं ही नजरअंदाज किया जाता रहा तो हम उस अनुभव से भी दूर हो जाएंगे, जो इन लोगों के पास है। वृद्ध दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब हम उन्हें परिवार में सम्मानजनक जीवन देंगे, उनके शुभ एवं मंगल की कामना करेंगे।
आज का वृद्ध समाज-परिवार से कटा रहता है और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमितय न समझे जाने के कारण हमारा वृद्ध समाज दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है। वृद्ध समाज को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरुरत है। आज हम बुजुर्गों एवं वृद्धों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के साथ-साथ समाज में उनको उचित स्थान देने की कोशिश करें ताकि उम्र के उस पड़ाव पर जब उन्हे प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरूरत होती है तो वो जिंदगी का पूरा आनंद ले सके। वृद्धों को भी अपने स्वयं के प्रति जागरूक होना होगा, जैसाकि जेम्स गारफील्ड ने कहा भी है कि यदि वृद्धावस्था की झूर्रियां पड़ती है तो उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। कभी भी आत्मा को वृद्ध मत होने दो।'
प्रश्न है कि आज हमारा वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है? अपने को समाज में एक तरह से निष्प्रयोज्य समझे जाने के कारण वह सर्वाधिक दुःखी रहता है। वृद्ध समाज को इस दुःख और संत्रास से छुटकारा दिलाने के लिये ठोस प्रयास किये जाने की बहुत आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र ने विश्व में बुजुर्गों के प्रति हो रहे दुर्व्यवहार और अन्याय को समाप्त करने के लिए और लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाने का निर्णय लिया। वृद्धों की समस्या पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में सर्वप्रथम अर्जेंटीना ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया था। तब से लेकर अब तक वृद्धों के संबंध में अनेक गोष्ठियां और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन हो चुके हैं। वर्ष 1999 को अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग-वर्ष के रूप में भी मनाया गया। इससे पूर्व 1982 में 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' ने 'वृद्धावस्था को सुखी बनाइए' जैसा नारा दिया और 'सबके लिए स्वास्थ्य' का अभियान प्रारम्भ किया गया।
एक पेड़ जितना ज्यादा बड़ा होता है, वह उतना ही अधिक झुका हुआ होता हैय यानि वह उतना ही विनम्र और दूसरों को फल देने वाला होता है, यही बात समाज के उस वर्ग के साथ भी लागू होती है, जिसे आज की तथाकथित युवा तथा उच्च शिक्षा प्राप्त पीढ़ी बूढ़ा कहकर वृद्धाश्रम में छोड़ देती है। आदमी जीवनमूल्यों को खोकर आखिर कब तक धैर्य रखेगा और क्यों रखेगा जब जीवन के आसपास सबकुछ बिखरता हो, खोता हो, मिटता हो और संवेदनाशून्य होता हो। आज के समाज में मध्यम वर्ग में भी वृद्धों के प्रति स्नेह की भावना कम हो गई है। डिजरायली का मार्मिक कथन है कि यौवन एक भूल है, पूर्ण मनुष्यत्व एक संघर्ष और वार्धक्य एक पश्चाताप।' वृद्ध जीवन को पश्चाताप का पर्याय न बनने दे।
वृद्धावस्था जीवन का अनिवार्य सत्य है। जो आज युवा है, वह कल बूढ़ा भी होगा ही, लेकिन समस्या की शुरुआत तब होती है, जब युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों को उपेक्षा की निगाह से देखने लगती है और उन्हें अपने बुढ़ापे और अकेलेपन से लड़ने के लिए असहाय छोड़ देती है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं।

ढलती सांझें नारकीय जीवन जीने को मजबूर?

नरेन्द्र भारती

बेशक एक अक्तूबर 2024 को विश्व वृद्ध दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे आयोजन औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल मात्र एक दिन बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम किए जातें हैं बाकि 364 दिन इन वृद्धों को कोई याद तक नहीं करता वृद्धों कें नाम पर चलाई जा रही योजनाएं कागजों में ही क्रियान्वित होती हैं।बुजुर्ग ढलती साझें है।ढलती साझें आज नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।वृद्धों को आश्रमों में भेजा जा रहा है।बुजुर्ग किसी दूसरे द्वारा नहीं बल्कि अपने ही बेटों के कारण उपेक्षित हैं शायद यह उनका दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिन बच्चों के लिए अपना पेट काटकर व भूखे रहकर उनका पालन पोषण किया आज वही बेटे उन्हे दर-दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। बुजुर्गों का तिरस्कार,एक खौफनाक त्रासदी है।आज देश में बुजुर्गों की जो हालत हो रही है उसके मामले समय-समय पर उजागर होते रहते है।कहते है बुजुर्ग अनुभवों की खान होते हैं।बुजुर्ग वटवृक्ष के सामान होते हैं जिनकी शीतल छाया में बच्चे सुरक्षित रहते है मगर आज अपने ही वृक्ष को काटने पर उतारु हो गए हैं। देश में आज लाखों वृद्ध लोग नारकीय जीवन जीने पर मजबूर हैं तथा दुसरों पर मोहताज हैं।बुजुर्गों ने पाई-पाई जोड़कर जिन बच्चों को मंहगी व उच्च तालिम देकर पैरों पर खडा किया आज उन्ही के सामने दो जून की रोटी के लिए गिड़गडा रहे है।मां-बाप का कर्ज आज तक कोई नहीं चुका पाया है। बुजुर्गों ने अपनी खुशियों का गला घोंटकर अपने बच्चों को हर खुशी प्रदान की मगर आज वही चिराग माता -पिता के दुश्मन बन गए हैं बुजुर्ग परिवार का स्तम्भ होते हैं। आज देश में बुजुर्ग लोग तिरस्कृत जीवन जीने को मजबूर हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वृद्धों के भरण-पोषण के लिए कानून बनाए हैं मगर वे फाईलो की धूल चाट रहे हैं नजीजन लोग कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। आधुनिक युग की तथाकथित बहुएं व कलयुगी बेटे बुजुर्गों से बुरा व्यवहार कर रहे हैं।लेकिन एक दिन उन्हे भी बुढापा आयेगा तब उन्हें भी अपनी करनी का फल अवश्य मिलेगा। आज बुजुर्गो को स्टोर रुम में रखा जाता है मगर एक दिन स्टोर रुम तुम्हारा भी इंतजार कर रहा है जब तुम्हे भी ऐसा ही नसीब होगा।क्योकि जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। अक्सर देखा गया है कि अधिकांश लोग वृद्ध आश्रमों की शरण ले रहे हैं क्योकि जब यह लोग दुखी हो जाते हैं तो वृद्ध आश्रम ही आखिरी विकल्प सूझता हैं। आज बहुत से वृद्ध एकाकी जीवन जी रहे ह। बेटों के पास आज समय नहीं हैं कि अपनों का सहारा बने हमें घर में अपने बुजुर्गों की दिन-रात सेवा करनी चाहिए क्योकिं बुजुर्गों की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं हैं। आज स्थिति यह है कि वृद्ध लोग दाने-दाने को तरस रहे हैं।विडम्बना देखिए कि आज मां-बाप का बंटबारा किया जा रहा है उन्हे महिनों में बांटा गया है कि इस माह किस बेटे के पास खाना खाना है तथा अगले महिने दूसरे बेटे के घर खाना है।जिन मां बाप ने अपने बेटों में कभी भेदभाव तक नहीं किया आंच तक नहीं आने दी कांटा तक चुभने नहीं दिया आज वही बच्चे उनका बंटवारा कर रहे हैं।ऐसी परिस्थिर्तियों के कारण कई लोग असमय ही मौत को गले लगा रहे हैं।बुजुर्गों के साथ बेंटो द्वारा मारपीट की घटनाएं भी होती रहती हैं।मारपीट के कारण कई मारे जा चुके हैं। ऐसी औलादें समाज पर कलंक है जो अपने ही जन्मदाताओं को नरक की जिन्दगी दे रहे है।लेकिन कहते हैं इतिहास अपने आप को दोहराता है। समय बहुत बलवान होता है एक दिन सजा जरुर मिलेगी।गरीब लोग तो माता -पिता व बुजुर्गो की अच्छी सेवा करते है मगर साधन संपन्न लोगो द्वारा आज बुजुर्गो को ओल्ड ऐज होम तथा सरकार द्वारा बनाए गए वृद्ध आश्रमों में धकेला जा रहा है। आज वृद्धो को पुराना सामान समझ कर निकाला जा रहा हैं। लेकिन दुनिया में सब कुछ मिल जाता है मगर मां-बाप नहीं मिलते। बेचारे बुजुर्ग जिन पोते पोतियों को कंधों पर बिठाकर स्कूल से लाते थे और छोडते थे आज वही उनकी पिटाई तक करते हैं तथा उनका मजाक उडाते हैं।कुछ बुजुर्ग तो घर में ही कैद होकर रह गए हैं वे गुमनामी के अन्धेरे में जीने को मजबूर हैं। वृद्ध आज दयनीय स्थिति में जीवनयापन कर रहे हैं।

2027 तक भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कंज्यूमर ड्यूरेबल मार्केट बन जाएगाः सीआईआई

उद्योग मंडल सीआईआई ने सोमवार को कहा कि भारत का कंज्यूमर ड्यूरेबल बाजार वित्त वर्ष 2029-30 तक पांच लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा और 2027 तक यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सतत वस्तुओं पर भारतीय उद्योग परिसंघ की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन बी. त्यागराजन ने कहा कि हालांकि देश के उत्पाद वैश्विक विश्वसनीयता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन एक मजबूत परिवेश का निर्माण करना और क्षेत्र में मानकीकरण को अपनाना तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय मानकों को पहुंचाना भी जरूरी है। 'सीआईआई कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्यूरेबल्स समिट' 2024 में त्यागराजन ने कहा कि अगले दशक में इस क्षेत्र में मूल्य श्रृंखला में कई अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है। त्यागराजन ब्लू स्टार लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा, तैयार माल के साथ-साथ स्वदेशी घटक परिवेश के विकास से लेकर घरेलू स्तर पर सही तरीके से ध्यान देने तक, भारत के वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की संभावनाएं काफी प्रबल हैं। त्यागराजन ने कहा, भारत पहले से ही दुनिया में उपभोक्ता सतत वस्तुओं के लिए सबसे तेजी से बढ़ता प्रमुख बाजार है और 2027 तक इसके चौथा सबसे बड़ा बाजार बनने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2029-30 तक बाजार का अनुमानित आकार पांच लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है।

हाथरस में घर के आंगन की खुदाई में मिला नर कंकाल

हाथरस (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में 30 साल पुरानी हत्या के मामले में नया मोड़ आया है। घर के आंगन में खुदाई के दौरान एक नर कंकाल मिलने के बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। इस कंकाल की पहचान के लिए पंजाबी सिंह और उसके ताऊ महीलाल का ब्लड सैंपल लिया गया है। पंजाबी सिंह का दावा है कि यह कंकाल उसके पिता बुद्ध सिंह का है, जिनकी हत्या 30 साल पहले की गई थी। पंजाबी सिंह ने शिकायत में कहा कि उसकी मां उर्मिला देवी, दोनों भाई मुकेश और प्रदीप, तथा गांव के राजवीर ने उसके पिता की हत्या की और शव को घर के आंगन में दफना दिया। जुलाई में की गई इस शिकायत के बाद हाथरस के डीएम ने आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। हाल ही में उप जिलाधिकारी ने पंजाबी सिंह के घर पर खुदाई की, जिसमें 8 फीट गहरी खुदाई के बाद नर कंकाल मिला। पुलिस ने कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, और डीएनए परीक्षण कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पंजाबी सिंह ने कहा कि उसने सभी सबूत दिए हैं कि यह कंकाल उसके पिता का है। उसने यह भी कहा कि उसे अपनी जान का खतरा है, क्योंकि उसके पिता की हत्या करने वाले लोग उसे भी मार सकते हैं।

हीरे को पछाड़कर टॉप पर पहुंचा स्मार्टफोन निर्यात, अमेरिका भेजे जाने में तेजी

भारत से स्मार्टफोन के निर्यात को ऐपल आईफोन से जबरदस्त रफ्तार मिली है। इसी साल जून में समाप्त पिछली तीन तिमाहियों के दौरान स्मार्टफोन भारत से अमेरिका को निर्यात किया गया प्रमुख उत्पाद (एचएस कोड के आधार पर) बन गया। स्मार्टफोन इस दौरान गैर-औद्योगिक हीरे (तराशे हुए लेकिन बिना जड़े हुए) को पछाड़कर शीर्ष पायदान पर पहुंच गया। निर्यात पर वाणिज्य विभाग के ताजा आंकड़ों के आधार पर वित्त वर्ष 2025 की जून तिमाही में स्मार्टफोन का निर्यात 2 अरब डॉलर तक पहुंच गया जो हीरे के मुकाबले काफी अधिक है। इस दौरान हीरे का निर्यात 1.44 अरब डॉलर रहा। स्मार्टफोन के कुल निर्यात में आईफोन का योगदान सर्वाधिक रहा। जहां तक स्मार्टफोन का सवाल है तो वह पहली बार शीर्ष पायदान पर वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में पहुंचा था। उस दौरान अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 1.42 अरब डॉलर पर हीरे के मुकाबले आगे निकल गया था। वित्त वर्ष 2024 की दिसंबर तिमाही में हीरे का निर्यात 1.3 अरब डॉलर रहा था। भारत से अमेरिका को निर्यात हुई वस्तुओं की सूची में स्मार्टफोन तेजी से शीर्ष पायदान पर पहुंचा है क्योंकि 2024 की सितंबर तिमाही में वह चौथे पायदान पर रहा था। आईफोन के कारण स्मार्टफोन के निर्यात में तेजी कई मायनों में महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह मोबाइल उपकरणों के लिए सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना की सफलता को दर्शाता है।

अमित शाह भी चाहते हैं कि खड़गे भारत को विकसित राष्ट्र के रुप में देखेंः पवन खेड़ा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर दिए गए विवादित बयान के बाद सियासत गरमा गई है। खड़गे ने कहा था जब तक मोदी को नहीं हटाएंगे, तब तक मैं जिंदा रहूंगा। इस बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी प्रतिक्रिया दी जिसका कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शाह के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि खड़गे का बयान राष्ट्रभक्ति का परिचायक है। पवन खेड़ा मीडिया से बात करते हुए कहा कि खड़गे के बयान में क्या गलत है? हमें उनसे प्रेरणा मिली है। हम लोग फिर से आजादी का आंदोलन चला रहे हैं। हम देश को आजाद कराएंगे। अमित शाह ने खड़गे के स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि वे चाहते हैं कि खड़गे भारत को एक विकसित राष्ट्र के तौर पर देखें। इसके साथ ही, शाह ने यह भी कहा था कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल शीतकालीन सत्र में लाया जाएगा। इस पर पवन खेड़ा ने कहा कि जब आपकी पार्टी के पास 303 सीटें थीं, तब आप यह बिल नहीं लाए। अब क्यों? हरियाणा के सीएम नायब सैनी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह दो से तीन दिनों के लिए पर्यटन पर आए हैं और खुद आरक्षण के खिलाफ हैं।

नसरल्लाह की मौत पर लखनऊ में हजारों शिया सड़कों पर उतरे, जताया शोक

लखनऊ,(ईएमएस)। हिज़्बुल्लाह के प्रमुख हसन नसरल्लाह की मौत के बाद लखनऊ में शिया समुदाय में गहरा शोक है। जैसे ही यह खबर सामने आई तो लखनऊ में आधी रात को करीब दस हजार से ज्यादा लोग सड़कों पर उतर आए और मातम करना शुरू कर दिया। शिया धर्मगुरुओं ने नसरल्लाह की मौत पर तीन दिन का शोक मानने का ऐलान किया है। लखनऊ के पुराने शहर में हजारों लोग रात में इकट्ठा हुए और मातमी जुलूस निकाला। लोग हाथों में काले झंडे और बैनर लिए नजर आए। धार्मिक नारों के साथ शांति की अपील भी की गई। यह दृश्य न सिर्फ शिया समुदाय की भावनाओं को दर्शाता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठे भावनात्मक माहौल का एक उदाहरण है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को टाला जा सके। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। नसरल्लाह की मौत की पुष्टि हिज़्बुल्लाह ने शनिवार को की थी जब इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने दावा किया कि उन्होंने हिज़्बुल्लाह चीफ को मार दिया है। नसरल्लाह 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण के बाद हिज़्बुल्लाह की स्थापना के समय से संगठन के साथ जुड़े हुए थे और 1992 में नसरल्लाह इसके नेता के रूप में कार्यभार संभाला।

राहुल गांधी की हरियाणा विजय संकल्प यात्राःप्रियंका गांधी बोलीं- पहलवान सड़क पर बैठे रहे, पीएम के पास 5 मिनट का टाइम नहीं था

कुरुक्षेत्रः हरियाणा चुनाव के बीच राहुल गांधी 'हरियाणा विजय संकल्प यात्रा' निकाल रहे हैं। सोमवार, 30 सितंबर को पहले दिन यह यात्रा नारायणगढ़ से शुरू हुई। इस वक्त यात्रा थानेसर पहुंच चुकी है। जहां जनसभा हो रही है। इससे पहले राहुल ने नारायणगढ़ की जनसभा में कहा, 'हरियाणा में मुकाबला भाजपा-कांग्रेस का है। बाकी छोटी-छोटी पार्टियां सब BJP की हैं। अग्निवीर स्कीम जवानों की पेंशन चोरी का तरीका है।' उन्होंने कहा कि हरियाणा में अडाणी की सरकार नहीं चाहिए। किसानों, मजदूरों की सरकार बनेगी। जब भी मेरी जरूरत है, भाषण देना हो। आपको सिर्फ ऑर्डर देना है, मैं हाजिर हो जाऊंगा। इस यात्रा में राहुल के साथ बहन प्रियंका गांधी भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री 10 साल पुराने आरोप लगा रहे हैं।

पीएम के पास पहलवानों से मिलने का 5 मिनट का टाइम नहीं था

प्रियंका ने कहा- ये पहलवानों का प्रदेश है। खिलाड़ियों का प्रदेश है। जवानों का प्रदेश है। किसानों का प्रदेश है। हमारे ओलिंपिक के खिलाड़ियों के साथ क्या होता है। मैं इनके आंदोलन में गई थी। उन्होंने कहा कि हम देश के लिए मेडल लाए थे। हमने सोचा हम सड़क पर आकर बैठेंगे तो प्रधानमंत्री हमारी आवाज सुनेंगे, लेकिन उनके पास 5 मिनट का समय नहीं था।

मोदी सरकार सिर्फ अडाणी-अंबानी की सरकार

मोदी जी की पूरी सरकार, प्रदेश की सरकार सिर्फ बड़े बड़े उद्योगपतियों के लिए चल रही है। अडाणी और अंबानी के लिए सब कुछ हासिल कर सकती है ये सरकार।

प्रियंका बोलीं- किसानों को आतंकवादी कहा

प्रियंका ने कहा- मेरी बहनें महंगाई से जूझ रही हैं। गैस सिलेंडर 12 सौ का है। त्योहार का समय है, दिल में खुशी भी है, घबराहट भी है। पैसे कहां से आएंगे। खरीदोगी कैसे, आधी चीजें मिल पाएंगी। मेरे किसान भाई बैठे हैं,

खेती में मेहनत करते हैं, अपने बेटों को आप सरहद पर भेजते हैं, आज आपकी सच्चाई क्या है। ये सरकार सिर्फ काले कानून लाती है। यहीं पिपली में किसानों पर लाठी चलाई जाती है। इन्हें आतंकवादी कहा जाता है। आपको एमएसपी नहीं मिलता है। ऐसी फसलों पर एमएसपी देते हैं जो आप उगा ही नहीं रहे हैं।

यह महाभारत जैसी लड़ाई

प्रियंका गांधी ने कहा- हुड्डा जी ने कहा यह कुरुक्षेत्र है, धर्मक्षेत्र है। यहां से दुनिया में सब धर्मों के बीच यहीं से संदेश गया है। यही से पांच पांडवों ने कौरवों की सेना को शिकस्त दी। मैं यहां आसपास साधना करने आती थी। गुरु जी का प्रवचन सुनते थे। मौन साधना थी। गुरु जी प्रवचन में सदा ये कहते थे ये धरती पवित्र धरती है। इस धरती ने हमे सिखाया न्याय और अन्याय में क्या फर्क है। वह कहते थे कि यदि सच्चाई के लिए अगर लड़ रहे हो, खड़े रहो, मजबूत रहो, दृढ़ रहो। तो जीत हासिल ही होगी। आज हरियाणा की जनता की यही लड़ाई है। सदियों बाद भी हम वहीं पर हैं, जहां पहले थे।

अडानी के पास पैसा सुनामी की तरह आता है, आपके अकाउंट से तूफान की तरह जाता है

हरियाणा में विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अंबाला की जनसभा में मोदी सरकार और अडानी समूह पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि अडानी खेत में मेहनत नहीं करते और न ही कोई छोटा व्यापार। हर सुबह उनके बैंक अकाउंट में सुनामी की तरह पैसा आता है जबकि आपके बैंक अकाउंट से पैसा तूफान की तरह जाता है। राहुल गांधी ने कांग्रेस की नई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि महिला शक्ति योजना के तहत महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने दो जहार रुपए जमा किए जाएंगे। एलपीजी सिलेंडर 500 रुपए में दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हम पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करेंगे और विधवाओं, बुजुर्गों और विकलांगों के लिए हर महीने छह हजार रुपए का योगदान देंगे। किसानों को एमएसपी की गारंटी दी जाएगी। वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यहां का किसान पूरे देश का अन्नदाता है। आपने लंबे समय तक आंदोलन किया, लेकिन आपको भरोसा दिया गया कि एनएसपी मिलेगी, जो आज तक नहीं मिली। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल और सरकार ने इस दिशा में कुछ नहीं किया। प्रियंका ने ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने आपके लिए कुछ नहीं किया। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की, जिसके बाद देशभर के कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है। आज हरियाणा में एक ही आवाज उठ रही है कि कांग्रेस आ रही है और बीजेपी जा रही है। हमारी 36 बिरादरी ने मन बना लिया है-अबकी बार हरियाणा में कांग्रेस की सरकार।

महाराष्ट्र सरकार ने देशी गाय को राज्यमाता का दर्जा दियाःऐसा करने वाला देश का पहला राज्य, चुनाव से पहले शिंदे सरकार का फैसला

मुंबईः महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार ने देशी गाय को राज्यमाता का दर्जा दिया है। ऐसा करने वाला महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है। कैबिनेट बैठक में सोमवार सरकार ने ये फैसला लिया। महायुति सरकार ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। शिंदे ने कहा कि स्वदेशी गायें हमारे किसानों के लिए वरदान हैं। इसलिए हमने इन्हें 'राज्य माता' का दर्जा देने का फैसला लिया है। इसके साथ ही हम गोशालाओं में स्वदेशी गायों के पालन-पोषण के 50 रुपए प्रतिदिन की सब्सिडी योजना लागू करने जा रहे हैं। गोशालाएं अपनी कम आय के चलते यह खर्च नहीं उठा सकती थीं, इसलिए यह फैसला लिया गया है।

सरकार ने कहा- भारतीय संस्कृति में देशी गाय के महत्व को देखते हुए फैसला लिया

नोटिफिकेशन में सरकार ने कहा कि वैदिक काल से भारतीय संस्कृति में देशी गाय के महत्व, मानव आहार

में देशी गाय के दूध की उपयोगिता, आयुर्वेद चिकित्सा, पंचगव्य उपचार पद्धति और जैविक कृषि प्रणालियों में देशी गाय के गोबर और गोमूत्र के अहम स्थान को देखते हुए देशी गाय को 'राज्यमाता गोमाता' घोषित करने की मंजूरी दी गई है।

महाराष्ट्र में 26 नवंबर के पहले होंगे विधानसभा चुनाव

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इसके पहले चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तारीखों का ऐलान अगले महीने होने की उम्मीद है। राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और एस एस संधू दो दिन के महाराष्ट्र दौरे पर हैं। उन्होंने यहां विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर, सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस समेत अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके अलावा उन्होंने शिवसेना, शिवसेना यूबीटी, मनसे, बसपा, आप समेत 11 पार्टियों से मुलाकात की। सभी पार्टियों ने मांग की है कि दिवाली, देव दिवाली और छठ पूजा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखकर चुनाव की तारीखों का ऐलान किया जाए।

सीईसी राजीव कुमार की प्रेस कॉन्फ्रेंस की दो प्रमुख बातें...

- हमने महाराष्ट्र सरकार से उन अधिकारियों का तबादला करने का अनुरोध किया है, जो अपने गृह जिले या मौजूदा पोस्टिंग में 3 साल से अधिक समय से सेवा दे रहे हैं।
- यह वोटर्स का अधिकार है कि उन्हें पता हो किस कैंडिडेट का क्रिमिनल बैकग्राउंड है। पार्टियों को अपने कैंडिडेट के बारे में ये जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए।

चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्य सचिव और डीजीपी से आदेश का पालन न करने पर जवाब मांगा है। मामला विधानसभा चुनाव को देखते हुए अधिकारियों के ट्रांसफर से जुड़ा है। इलेक्शन कमीशन ने आदेश दिया था कि राज्य में उन अधिकारियों का ट्रांसफर किया जाए।

हरियाणा विस चुनावः लाडवा सीट पर सीएम सैनी को मेवा सिंह दे रहे टक्कर

चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव अब जोर पकड़ता जा रहा है। सभी राजनीतिक दल पूरे जोश के साथ चुनाव प्रचार करने में लगे हैं। वहीं हरियाणा की लाडवा सीट सबसे अहम मानी जा रही है। बता दें कि इस सीट पर सीएम नायाब सिंह सैनी चुनाव लड़ रहे हैं। तो वहीं कांग्रेस पार्टी ने नायाब सिंह के खिलाफ मेवा सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। कांग्रेस दावा कर रही है कि इस बार सीएम सैनी को हराकर मेवा सिंह राज्य में कांग्रेस सरकार बनाने का रास्ता साफ करेंगे।

सीएम नायाब सिंह सैनी वर्तमान में करनाल विधानसभा सीट से विधायक हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने साल 2019 में यहां से चुनाव में जीत हासिल की थी। हालांकि लोकसभा चुनाव से पहले खट्टर ने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में राज्य में उपचुनाव में वर्तमान सीएम नायाब सिंह सैनी से यहां से जीत हासिल की थी। नायाब सिंह ने सीएम पद और करनाल विधायक दोनों जिम्मेदारियों को संभाला है।

बता दें कि पांच महीने बाद एक बार फिर नायाब सिंह सैनी चुनावी मैदान में हैं। मार्च में सीएम पद की शपथ लेने वाले सैनी ने 25 मई को हुए उपचुनाव में करनाल सीट से विधायक चुने गए थे। हालांकि इस बार लाडवा सीट से उनके सामने मेवा सिंह हैं। साल 2019 के विधानसभा चुनाव में नायाब सिंह ने चुनाव नहीं लड़ा था। क्योंकि वह कुरुक्षेत्र से सांसद थे। इससे पहले साल 2010 और 2014 में नायाब सिंह सैनी ने नारायणगढ़ से चुनाव लड़ा था। 2010 में उनको हार का सामना करना पड़ा था, तो वहीं साल 2014 में उन्होंने जीत हासिल की थी। साल 2019 के चुनाव में लाडवा सीट से मेवा सिंह जीती थी। इस दौरान उन्होंने बीजेपी के डॉ. पवन सिंह सैनी को हराया था। इस बार लाडवा सीट पर बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। वहीं सीएम सैनी इस सीट पर पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन हरियाणा राज्य में सीएम सैनी की लोकप्रियता को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

वकील के या.. या.. या.. बोलने पर सीजेआई नाराजः बोले- यस कहिए, यह कोर्ट है, कॉफी शॉप नहीं

नई दिल्ली : चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ सोमवार को एक सुनवाई के दौरान वकील के अंग्रेजी में 'या.. या..' कहने पर नाराज हो गए। उन्होंने वकील को डांटते हुए कहा- यह कोई कॉफी शॉप नहीं है। ये क्या है या.. या..। मुझे इससे बहुत एलर्जी है। इसकी परमिशन नहीं दी जा सकती। आप यस बोलिए। डांट सुनने के बाद वकील ने बताया कि वह पुणे का रहने वाला है। वह मराठी में दलीलें देने लगा, इस पर सीजेआई ने भी मराठी में ही उसे समझाने की कोशिश की। दरअसल, याचिका पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के खिलाफ इन हाउस जांच की मांग को लेकर लगाई गई थी। सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील से केस से पूर्व सीजेआई का नाम हटाने का निर्देश दिया है।

पहले वकील को अंग्रेजी पर पड़ी डांट

एडवोकेटः पूर्व जस्टिस रंजन गोगोई का फैसला वैलिड टर्मिनेशन नहीं था।

सीजेआई चंद्रचूड़ : लेकिन क्या यह अनुच्छेद 32 की याचिका है? आप एक जज को पार्टी बनाकर जनहित याचिका कैसे दायर कर सकते हैं।

एडवोकेट : या..या.. तब सीजेआई रंजन गोगोई ने मुझे एक क्यूरेटिव दायर करने के लिए कहा था।

सीजेआई चंद्रचूड़ : यह कॉफी शॉप नहीं है! यह क्या है या..या..। मुझे इससे बहुत एलर्जी है। इसकी परमिशन नहीं दी जा सकती।

फिर सीजेआई ने मराठी में वकील को समझाया

सीजेआई चंद्रचूड़ः आप किसी जज पर आरोप नहीं लगा सकते। कानून में इसके लिए प्रक्रिया है, जब आप किसी हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हैं तो आप यहां जज को दोष नहीं देते।

एडवोकेटः मैं काय करत साहेब (मुझे क्या करना चाहिए)।

सीजेआई चंद्रचूड़ः तुम्हले सूझत नाहीं (आप मेरी बात बिल्कुल नहीं समझ रहे।)

सीजेआई चंद्रचूड़ः क्या आप अपील में जस्टिस गोगोई का नाम हटा देंगे।

एडवोकेट : हो हो (हां.. हां..) मैं ऐसा करूंगा।

सीजेआई चंद्रचूड़ः ठीक है आप पहले हटाएं और फिर हम देखेंगे।

पूर्व सीजेआई रंजन के खिलाफ 2018 में दाखिल हुई याचिका

पूर्व सीजेआई के खिलाफ याचिका मई 2018 में दायर की गई थी। इसमें कहा गया कि पूर्व सीजेआई गोगोई ने एक अवैध बयान के आधार पर श्रम कानूनों के तहत सेवा समाप्ति को चुनौती देने वाली याचिका को गलत तरीके से खारिज कर दिया था। उनके फैसले में बड़ी गलतियां थीं। सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि सही हो या गलत, सुप्रीम कोर्ट का फाइनल फैसला आ चुका है। रिव्यू पिटीशन खारिज कर दी गई है।

सीएम आतिशी ने किया दिल्ली की सड़कों का निरीक्षण, मरम्मत करने के दिए निर्देश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली सीएम आतिशी ने लोक निर्माण विभाग की सभी सड़कों की मरम्मत करने का काम युद्धस्तर पर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। सीएम आतिशी ने सोमवार सुबह एनएसआईसी ओखला, मोदी मिल फ्लाइओवर, चिराग दिल्ली, तुगलकाबाद विस्तार, मथुरा रोड, आश्रम चौक और आश्रम अंडरपास की सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने ये सभी सड़कें जर्जर हालत में मिली। कई स्थानों पर पाइपलाइन या बिजली की तारें डालने के लिए सड़कें काटी गई लेकिन उनकी मरम्मत नहीं की गई। सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे मिले। उन्होंने अधिकारियों की निर्देश दिया कि इन सभी सड़कों की मरम्मत करने का काम जल्द से जल्द और युद्धस्तर पर किया जाए ताकि लोगों को बेहतर सड़कें मिल सकें। उन्होंने एक्स पर कहा कि दिल्ली में पीडब्ल्यूडी की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त बनाने की दिशा में सोमवार सुबह से दिल्ली सरकार का पूरा कैबिनेट ग्राउंड जीरो पर उतरकर सड़कों का निरीक्षण कर रहा है। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में हमारा प्रयास है कि दीपावली तक सभी दिल्लीवालों को गड्ढामुक्त सड़कें मिले। सीएम आतिशी ने कहा कि दो दिन तक लगातार आम आदमी पार्टी के मुखिया एवं दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के साथ उन्होंने यहां के अलग-अलग हिस्सों में सड़कों का निरीक्षण किया।

युवाओं को रोजगार देने पर फोकस करेगी राजस्थान सरकार

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई जिसमें रोजगार से लेकर भर्ती प्रक्रिया को लेकर की फैसले लिए गए। मंत्रिमण्डल की बैठक में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 लाने के साथ-साथ कर्मचारी कल्याण, पत्रकार कल्याण, सौर ऊर्जा और प्रदेश के विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बताया कि सरकार 9-11 दिसम्बर तक होने जा रहे राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के लिए प्रदेश में अधिकाधिक निवेश आकर्षित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में कैबिनेट की बैठक में राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 (रिप्स-2024) को मंजूरी प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि रिप्स-2024 निवेशकों के लिए रियायतों के लिहाज से देश की सबसे आकर्षक निवेश प्रोत्साहन योजना है।

साक्षात्कार के बजाय लिखित परीक्षा के जरिये होगी भर्ती

इसके अलावा संसदीय कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल ने बताया कि भर्तियों में पारदर्शिता और एकरूपता लाने के लिए चतुर्थ श्रेणी सेवा एवं समकक्ष पदों की शैक्षणिक योग्यता 5वीं एवं 8वीं कक्षा उत्तीर्ण से बढ़ाकर 10वीं करने एवं इनकी भर्ती साक्षात्कार से कराने के बजाय राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से कराने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि इसी तरह, वाहन चालक के पद पर भर्ती की शैक्षणिक योग्यता 8वीं कक्षा उत्तीर्ण से बढ़ा कर 10वीं उत्तीर्ण करने तथा अलग-अलग सेवा नियमों में वाहन चालक के पदनामों में एकरूपता लाते हुए एक ही पदनाम वाहन चालक करने का फैसला किया गया है।

अमेरिका की सीरिया में दो ठिकानों पर एयरस्ट्राइकः अलकायदा और आईएसआईएस के 37 आतंकी मारे, अलकायदा ग्रुप का टॉप लीडर भी मारा गया

अमेरिका ने सीरिया में आईएसआईएस और अलकायदा से जुड़े आतंकी ग्रुप्स के ठिकानों पर हमला किया। इसमें 37 आतंकी मारे गए हैं। अमेरिकी सेना ने रविवार को कहा कि उन्होंने सीरिया में दो अलग-अलग दिन ऑपरेशन को अंजाम दिया। US सेंट्रल कमांड के मुताबिक 16 सितंबर को मध्य सीरिया में आईएसआईएस के ट्रेनिंग सेंटर पर एयरस्ट्राइक की गई थी। इसमें 28 आतंकी मारे गए। इसके बाद अमेरिकी सेना ने 24 सितंबर को उत्तरी पश्चिमी सीरिया में हमला किया जिसमें अलकायदा ग्रुप के 9 आतंकी मारे गए। अमेरिकी सेना के मुताबिक हमले में अलकायदा संगठन से जुड़ा हुर्रस अल-दीन का एक टॉप कमांडर 'अब्द-अल-रऊफ' मारा गया है। वह सीरिया में मिलिट्री ऑपरेशन्स की देखरेख करता था।

सीरिया में आईएसआईएस और अमेरिका के बीच संघर्ष क्यों छिड़ा है

सीरिया एक मुस्लिम बहुल देश है, जहां पर 74% सुन्नी और 10% शिया आबादी है। वॉइस ऑफ अमेरिका के मुताबिक फरवरी 1966 में सीरिया में तख्तापलट हुआ। उस समय सीरिया के वायु सेना कमांडर हाफिज अस असद भी इसमें शामिल थे। तख्तापलट के बाद हाफिज को सीरिया का रक्षा मंत्री बनाया गया। चार साल बाद 1970 में हाफिज असद ने एक और तख्तापलट किया और राष्ट्रपति सलाह हदीद को हटाकर उनकी जगह ले ली। हाफिज असद ने बाथ पार्टी को छोड़कर बाकी सभी पार्टियों को खत्म कर दिया। उन्होंने अपने विरोधियों मरवा दिया और सत्ता में चुन-चुनकर शिया लोगों को जगह दी। मिडिल ईस्ट आई की रिपोर्ट के मुताबिक हाफिज असद ने रूस से बेहतर संबंध बनाए। हाफिज ने साल 1981 में इराक के खिलाफ जंग में ईरान का साथ दिया और ईरान से बेहतर संबंध कायम किया। साल 2000 में हाफिज असद की मौत हो गई जिसके बाद उनकी जगह उनके बेटे बशर अल-असद ने संभाली।

अरब स्प्रिंग सीरिया में भी पहुंचा, राष्ट्रपति ने सख्ती से दबाया

साल 2011 में अरब देशों में सत्ता विरोधी लहर शुरू हो गई। मार्च 2011 में यह सीरिया तक पहुंच गया। बहुसंख्यक सुन्नी आबादी बशर अल असद को सत्ता से हटाने के लिए प्रदर्शन करने लगी। बशरअल असद ने सुरक्षा बलों को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को दबाने का आदेश दिया, लेकिन प्रदर्शन नहीं रूके। सीरियाई सेना के कई जवान प्रदर्शनकारियों के साथ मिल गए और बसद को हटाने के लिए अभियान चलाने लगे। इसके नाराज होकर सीरिया के राष्ट्रपति ने सड़कों पर टैंक उतार दिए। अपने ही देश में लोगों पर बम गिराए और रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया।

सीरिया सरकार के खिलाफ बने संगठन को मिला सुन्नी देशों का साथ

राष्ट्रपति असद को हटाने के लिए सुन्नी लड़ाकों ने फ्री सीरियन आर्मी (एफआरए) का गठन किया। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक एफआरए को सऊदी अरब, कतर समेत कई सुन्नी देशों का साथ मिला। एफआरए को हमास जैसे आतंकी संगठन का भी समर्थन मिला। इन्होंने एफआरए को पैसे और हथियारों से मदद की। सीरिया से सुन्नी सरकार को हटाने के लिए इराक से इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक के लड़ाके भी सीरिया पहुंचे। अब आईएसआई का नाम बदल कर इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) कर दिया गया। अलग-अलग मोर्चे पर लड़ाई में घिर जाने के बाद सीरिया में गृहयुद्ध शुरू हो गया।

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से स्थिति बदतर

जल, विद्युत संयंत्र क्षतिग्रस्त, इस आपदा से करीब 4.35 बिलियन का नुकसान

काठमांडू,(ईएमएस)। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में करीब 170 लोगों की मौत हो गई है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कई जिलों में आई आपदा की जानकारी देते हुए बताया कि 111 लोग घायल हुए हैं और करीब चार हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती के साथ-साथ बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाई गई है। नेपाली सेना के हेलीकॉप्टरों ने कावरे, सिंधुली और ललितपुर जिलों के कुछ हिस्सों में घायल और फंसे हुए 162 लोगों का रेस्क्यू किया है। राहत सामग्री जैसे खाद्य आपूर्ति भी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाई जा रही है। घायलों का उपचार सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में किया जा रहा है। प्रवक्ता ने कहा कि बचाव और राहत प्रयासों को प्राथमिकता दी जा रही है। ब्लॉक सड़कों को साफ करने पुनर्निर्माण कार्य जारी है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि प्रांतीय सरकारें, जिला आपदा प्रबंधन समितियां और स्थानीय इकाइयां मिलकर कार्य कर रही हैं। बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन ने नेपाल के जलविद्युत संयंत्र और सिंचाई सुविधाओं को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस आपदा से करीब 4.35 बिलियन नेपाली रुपए का नुकसान हुआ है। विशेष रूप से, 27 और 28 सितंबर को हुई बारिश ने हाइड्रोपावर और ट्रांसमिशन परियोजनाओं को तीन बिलियन रुपये का नुकसान पहुंचाया, जबकि नदी नियंत्रण और सिंचाई परियोजनाओं को करीब 1.35 बिलियन रुपए का नुकसान हुआ है। कुल मिलाकर, 625.96 मेगावाट की संयुक्त उत्पादन क्षमता वाले 11 चालू जलविद्युत संयंत्रों को नुकसान हुआ है, जिससे 1100 मेगावाट की उत्पादन क्षमता प्रभावित हुई है, जो देश की कुल क्षमता का करीब एक तिहाई है। आगामी सर्दियों में देश के लिए पर्याप्त बिजली का प्रबंध करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि क्षतिग्रस्त बिजली संयंत्रों की मरम्मत में समय लगेगा।

बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 192 हुई

नेपाल में मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या सोमवार सुबह तक 192 हो गई। गृह मंत्रालय के ने बताया कि विनाशकारी आपदाओं में 30 लोग लापता हैं और 194 घायल हैं। अब तक 4,500 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया गया है। सुरक्षा बल बचाव अभियान में जुटे हैं। नेपाल सरकार ने शुक्रवार और शनिवार को लगातार बारिश के कारण आई आपदाओं में विस्थापित लोगों को भोजन सहित राहत सामग्री का वितरण तेज कर दिया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 1,327 मकान नष्ट हो गए हैं और नेपाल भर में 19 प्रमुख राजमार्गों के कई हिस्से पानी में बह गए हैं। अवरुद्ध राजमार्गों को साफ करने के लिए सुरक्षा बलों काम में लगे हैं।

अमेरिका में हेलेन तूफान ने मचाई तबाही, 50 की मौत, हजारों बेघर

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में चक्रवाती तूफान हेलेन ने 50 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। हजारों लोग बेघर हो गए हैं। वहीं, मेक्सिको में चक्रवाती तूफान जॉन ने तबाही मचा रखी है। दक्षिण-पश्चिम मेक्सिको में शनिवार को हजारों की संख्या में लोगों को घरों को छोड़ना पड़ा। करीब एक हफ्ते से इस तूफान का असर देखने को मिला है, जिसमें करीब 22 लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है।

इस तूफान का सबसे ज्यादा असर मेक्सिको के सबसे गरीब इलाके ग्वेरिरो में देखने को मिला। जहां इसकी चपेट में आने से करीब 18 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से कई की मौत मिट्टी के धंसने से हुई। दक्षिण में ओक्साका में तीन मौतों की सूचना है और उत्तरी मिशोआकान राज्य में एक बच्चे की नदी में डूबने से मौत हो गई। हालांकि, गनीमत ये है कि तूफान कमजोर पड़ने लगा और अब इसे सक्रिय तूफान नहीं माना जा रहा है।

उधर, अमेरिका में तूफान हेलेन ने भारी तबाही मचाई है। तूफान की गति 225 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जब गुरुवार देर रात यह फ्लोरिडा के ग्रामीण बिग बेंड क्षेत्र में एक कम आबादी वाले क्षेत्र से टकराया तो इस तूफान में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। हजारों लोग बेघर हो गए। राष्ट्रपति बाइडेन ने एक पोस्ट में कहा कि हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं और लोगों की हर संभव मदद की जा रही है।

बाइडेन ने कहा कि हमारा ध्यान लोगों का जीवन बचाने पर है। हमने हेलेन के आगमन से पहले से ही फ्लोरिडा, जॉर्जिया, अलबामा, दक्षिण कैरोलिना, उत्तरी कैरोलिना और टेनेसी के लोगों के साथ संपर्क में था। इस तूफान के गुजर जाने के काफी समय बाद तक हम ज़मीन पर उनके साथ रहेंगे और उन्हें उबरने में मदद करेंगे।

वाशिंगटन पहुंचे जयशंकर, ब्लिंकन और 'थिंक-टैंक' से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार को अमेरिकी विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन से मुलाकात करेंगे। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में संकट सहित कई द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत हो सकती है। जयशंकर रविवार को वाशिंगटन डीसी पहुंच गए हैं। वह कैबिनेट के अन्य मंत्रियों और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अन्य अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

जयशंकर 'थिंक-टैंक' समुदाय से भी बातचीत करेंगे। 'कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस' जयशंकर और इस 'थिंक टैंक' के अध्यक्ष मारियानो-फ्लोरेंटिनो (टिनो) क्यूएलर के बीच अमेरिका-भारत संबंधों के भविष्य पर चर्चा करेंगे। 'थिंक टैंक' ने पीएम नरेन्द्र मोदी की 2023 की राजकीय यात्रा और बाइडन के साथ उनकी हालिया द्विपक्षीय बैठक का हवाला देते हुए कहा कि भारत का रणनीतिक महत्व वैश्विक स्तर पर और अमेरिकी विदेश नीति के निर्माण में बढ़ रहा है। तेजी से बदलते वैश्विक घटनाक्रम के बीच अमेरिका के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंध और ज्यादा व्यापक हुए हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनने के बाद जयशंकर पहली बार वाशिंगटन डीसी पहुंचे हैं।

नसरल्लाह की मौत के पीछे...ईरानी जासूस बना विभीषण

बेरूत (ईएमएस)। इजरायल ने एक महत्वपूर्ण सैन्य सफलता हासिल की है, इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह प्रमुख सैय्यद हसन नसरल्लाह को हवाई हमले में मार गिराया। इस हमल के बाद आई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि एक ईरानी जासूस ने इजरायली अधिकारियों को नसरल्लाह के ठिकाने के बारे में बताया था। 2006 में इजरायल के खिलाफ 34 दिनों तक चली जंग के बाद से नसरल्लाह सार्वजनिक रूप से शायद ही कभी दिखाई दिए थे और वे लंबे समय से छिपे हुए थे। इजरायली सेना ने कहा कि दहियाह इलाके में हिजबुल्लाह के भूमिगत हेडक्वार्टर पर 'टारगेटेड हमले' में नसरल्लाह को 'खत्म' कर दिया है। हिजबुल्लाह ने भी नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की है। एक मीडिया रिपोर्ट में घटना के संदर्भ में बताया कि एक ईरानी जासूस ने इजरायली अधिकारियों को नसरल्लाह की बैठक की जानकारी दी थी, जिसमें वह हिजबुल्लाह के अन्य शीर्ष सदस्यों के साथ मौजूद था। ईरानी जासूस ने बताया कि नसरल्लाह किस समय हिजबुल्लाह के भूमिगत हेडक्वार्टर में होगा। हवाई हमलों में कई ऊँची इमारतें नष्ट हो गईं, और इजरायली वायु सेना द्वारा जारी वीडियो में इन इमारतों को कुछ ही सेकंड में मलबे में बदलते हुए दिखाया गया। लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस हमले में छह लोग मारे गए और 91 अन्य घायल हुए।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने नसरल्लाह की मौत के बाद कहा कि उस निशाना बनाना उनके निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक था। उन्होंने ईरान को किसी भी जवाबी हमले की कोशिश न करने की चेतावनी दी, यह कहते हुए कि इजरायल की पहुंच मध्य पूर्व के किसी भी कोने तक है। इस हमले ने क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है, और संभावित प्रतिक्रिया को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

कई फीट गहरे गड्ढे में दबा नसरल्लाह का शव निकाला बाहर

इजरायली सेना लेबनान में लगातार हवाई हमले कर रही है। बीते दिनों हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद संगठन की कमर टूट गई। इजरायल ने बंकर में छिपे नसरल्लाह को निशाना बनाकर कई मिसाइलों से अटैक किया था।

अब हिजबुल्लाह ने हसन नसरल्लाह का शव बेरूत के दक्षिण में दहिया से बरामद कर लिया है। शव निकालने का एक वीडियो सामने आया है। नसरल्लाह के शव का वीडियो लेबनान की एक टीवी न्यूज चैनल ने जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' हैंडल पर जारी इस वीडियो में नसरल्लाह के शव को निकालते हुए दिखाया गया है। कुछ सेकंड के इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कई फीट के गहरे गड्ढे से हिजबुल्लाह चीफ की बॉडी को निकाला जा रहा है। चारों ओर मलबा नजर आ रहा है।

इस बीच इजरायली सेना ने दावा किया है कि बेरूत में अपने हमलों में उसने हसन नसरल्लाह के साथ हिजबुल्लाह के 20 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया है। बयान के मुताबिक मारे गए अन्य लोगों में नसरल्लाह की सुरक्षा इकाई के निदेशक इब्राहिम हुसैन जाजिनी, समीर तौफीक दीब, अब्द अल-अमीर मुहम्मद सब्लिनी और अली नाफ अयूब शामिल हैं।

हिजबुल्लाह के ठिकानों के बाद इजराइल ने बेरूत पर किए हवाई हमले

लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों और नेताओं को निशाना बनाकर हमला करने के कुछ ही घंटों बाद इजराइल ने मध्य बेरूत में हवाई हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इजराइल ने बेरूत को निशाना बनाया। करीब एक साल के संघर्ष में मध्य बेरूत में यह पहला इजराइली हवाई हमला है। इससे पहले, इजराइल की सेना ने लेबनान पर हमला कर हिजबुल्ला के प्रमुख नेता हसन नसरल्लाह को मार गिराया था। इजराइली सेना ने रविवार को कहा था कि उसने शनिवार को हवाई हमले में हिजबुल्लाह की सेंट्रल काउंसिल के उप प्रमुख नबील कौक को भी मार दिया है। हिजबुल्लाह ने उसकी मौत की पुष्टि की है। वह एक सप्ताह से भी कम समय में इजराइली हमलों में मारा गया हिजबुल्लाह का सातवां शीर्ष कमांडर है।

नसरल्लाह की मौत के बाद मध्य पूर्व में तनाव, रुसी पीएम पहुंचे ईरान

हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह की हत्या के बाद मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया है। इजरायल की इस कार्रवाई ने न केवल लेबनान और हिजबुल्लाह समर्थकों को आक्रोशित कर दिया है। नसरल्लाह की मौत के बाद ईरान से इजरायल के खिलाफ सख्त कदम उठाने की आवाजें बुलंद हो रही हैं। इस घटना ने इजरायल और ईरान के बीच चल रहे तनाव को और भड़काने का काम किया है, और अब दोनों देशों के बीच संभावित संघर्ष की आशंका व्यक्त की जा रही है।

इजरायल इससे पहले हमास चीफ इस्माइल हानिया की भी हत्या कर चुका है, जिसने ईरान समर्थित समूहों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया है। इस क्रम में नसरल्लाह की हत्या ने ईरान की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि हिजबुल्लाह को ईरान का प्रमुख सहयोगी माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटना से ईरान की प्रतिष्ठा को भी धक्का लगा है और अब वह चुप नहीं बैठेगा। रूस भी इस घटना के बाद सक्रिय हो गया है। रूसी प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन सोमवार को ईरान जा रहे हैं। जहां वे ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेस्किअन से मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में इजरायल के खिलाफ संभावित जवाबी कार्रवाई पर चर्चा होगी। रूस ने नसरल्लाह की हत्या की कड़ी निंदा की है और खुलकर ईरान के समर्थन में खड़ा हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर इजरायल और ईरान के बीच युद्ध छिड़ता है, तो इससे पूरे मध्य पूर्व में हिंसा भड़कने की संभावना है। इससे अमेरिका और रूस भी आमने-सामने आ सकते हैं, क्योंकि अमेरिका इजरायल का प्रमुख सहयोगी है, जबकि रूस ईरान के पक्ष में है। इस संभावित संघर्ष का असर वैश्विक स्तर पर पड़ सकता है, जहां ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर संकट पैदा हो सकता है। फिलहाल, क्षेत्र में सभी की नजरें ईरान पर टिकी हुई हैं। क्या ईरान इजरायल से बदला लेगा, और अगर लेगा तो यह कब और कैसे। वहीं, मध्य पूर्व में अस्थिरता और तनाव बढ़ने की पूरी संभावना है।

यूनान में जंगल की आग से उठते हुए धुएं को देखते हुए लोग।

वेस्ट बैंक और गाजा...ग्रेटर इजरायल बनाने में जुटे नेतन्याहू

बेरूत (ईएमएस)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण के दौरान दो नक्शे दिखाकर वैश्विक स्तर पर विवाद खड़ा कर दिया। इसमें से एक नक्शा 1948 की स्थिति को दिखाता है, इसमें इजरायल को मध्य पूर्व में अकेला दिखाया गया है, जबकि दूसरा नक्शा 2023 की वर्तमान स्थिति को दिखाता है, जिसमें इजरायल के साथ सात अन्य देशों को एक साथ दिखाया गया है, जिसमें सऊदी अरब भी शामिल है। भाषण के बाद कई आलोचकों ने नेतन्याहू पर आरोप लगाया है कि उन्होंने नक्शे में फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक और गाजा को इजरायल का हिस्सा दिखाकर पूरी दुनिया को गुमराह किया है। जर्मनी में फिलिस्तीनी अथॉरिटी के प्रतिनिधि लैथ अराफे ने कहा कि नेतन्याहू ने इस नक्शे के द्वारा फिलिस्तीन और उसके लोगों को नकार दिया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांतों का अपमान करार दिया। इस मामले में अन्य कई नेताओं ने भी नेतन्याहू के नक्शे को भ्रामक बताकर आलोचना की है। ग्रेटर इजरायल की अवधारणा, इस जायनिज्म के पिता थियोडोर हर्जल द्वारा विकसित किया गया था, के अनुसार यह क्षेत्र मिस्र से फरात नदी तक फैला होगा। इसमें पूरा फिलिस्तीन, दक्षिणी लेबनान, सीरिया के गोलान हाइट्स, जॉर्डन और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। योजना का सीधा मतलब है कि इजरायल के क्षेत्र में फिलिस्तीनी क्षेत्रों को पूरी तरह से अपने अधीन करना। विश्लेषकों का मानना है कि नेतन्याहू इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए गाजा और लेबनान में सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में हिजबुल्लाह के प्रमुख नसरल्लाह की हत्या का आदेश दिया, जिसके बाद इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले किए हैं। इस स्थिति ने वैश्विक राजनीति में तनाव को बढ़ाया है, नेतन्याहू के इन कदमों के पीछे उनकी सरकार का उद्देश्य न केवल हिजबुल्लाह और हमास को कमजोर करना है, बल्कि पूरे क्षेत्र में इजरायल का प्रभाव बढ़ाना भी है। जैसे-जैसे घटनाएँ विकसित होती हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि इस विवाद का वैश्विक राजनीति पर क्या असर पड़ता है और किस प्रकार का प्रतिरोध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिलता है।

स्पेन में लाइन से टकराया हेलीकॉप्टर, तीन की मौत

मैड्रिड,(ईएमएस)। पूर्वी स्पेन में एक हेलीकाप्टर के बिजली लाइनों पर गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे एक पहाड़ी इलाके में पुकोल शहर के पास हुई, जब हेलीकॉप्टर में सवार तीनों वहां बिजली के तारों का निरीक्षण कर रहे थे। रिपोर्टों के मुताबिक हेलीकॉप्टर एक हाई-वोल्टेज लाइन से टकरा गया और पास के एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी लोग की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं ने कहा कि उन्हें एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर मिली है जो पुकोल में विद्युत लाइनों पर निरीक्षण कर रहा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने घटनास्थल पर एक हेलीकॉप्टर भेजा था जिसमें एक विशेष पर्वतीय बचाव समूह के सदस्य, एम्बुलेंस और तीन अग्निशमन वाहन शामिल है। चिकित्सा सेवाओं ने दुर्घटनास्थल पर हेलीकॉप्टर के अंदर तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है। मीडिया ने कहा कि साइट अभी भी खतरनाक है क्योंकि दुर्घटना के कारण हेलीकॉप्टर के ऊपर लाइव केबल लटक गए हैं, जबकि दुर्घटना के बाद क्षेत्र में ईंधन फैल गया है।

अमेरिका ने किया आईएसआईएस और अलकायदा के ठिकानों पर हमला

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने सीरिया में आईएसआईएस और अलकायदा से जुड़े आतंकी ग्रुप के ठिकानों पर हमला किया। हमले में 37 आतंकी मारे गए हैं। अमेरिकी सेना ने कहा कि उन्होंने सीरिया में दो अलग-अलग दिन ऑपरेशन को अंजाम दिया।

यूएस सेंट्रल कमांड के मुताबिक 16 सितंबर को मध्य सीरिया में आईएसआईएस के ट्रेनिंग सेंटर पर एयरस्ट्राइक की गई थी। इसमें 28 आतंकी मारे गए। इसके बाद अमेरिकी सेना ने 24 सितंबर को उत्तरी पश्चिमी सीरिया में हमला किया जिसमें अलकायदा ग्रुप के 9 आतंकी मारे गए। अमेरिकी सेना के मुताबिक हमले में अलकायदा संगठन से जुड़ा हुर्रस अल-दीन का एक टॉप कमांडर 'अब्द-अल-रऊफ' मारा गया है। वह सीरिया में मिलिट्री ऑपरेशन की देखरेख करता था।

पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध को रोकना होगा, नेतन्याहू से करेंगे बातः बाइडन

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करेंगे और उनका मानना है कि पश्चिम एशिया में पूर्ण युद्ध से बचना चाहिए। बाइडन ने कहा कि ऐसा होना ही चाहिए। हमें इसे रोकना ही होगा। बाइडन का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रविवार को लेबनान में इजराइल के हवाई हमलों में दर्जनों आम नागरिक मारे गए हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि वह नेतन्याहू से कब बात करेंगे। इजराइल ने चरपंथी समूह हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर कई हमले किए हैं और ऐसे ही हमले में हिज्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह भी मारा गया है। अमेरिका नसरल्लाह की मौत को हिज्बुल्लाह के लिए एक बड़ा झटका मानता है। साथ ही, अमेरिकी प्रशासन ने सावधानी से कदम उठाने की कोशिश की है, क्योंकि उसने हमास के साथ इजराइल के युद्ध को रोकने की कोशिश की है, जो हिज्बुल्लाह की तरह ईरान द्वारा समर्थित है, ताकि यह एक व्यापक युद्ध में न बदल सके। क्योंकि यह युद्ध फैला तो बड़ी तबाही मचेगी।

अमेरिका के स्कूलों में हिंसक घटनाएं बढीं

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका की स्कूलों में हिंसक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में अपालेची हाई स्कूल शूटिंग के दौरान दो शिक्षकों और दो छात्रों की शूटिंग के दौरान मौत हो गई। अमेरिका की स्कूलों में आए दिन धमकियां दिए जाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अमेरिका की पुलिस ने पिछले तीन सप्ताह में 45 राज्यों में 700 से अधिक स्कूली छात्रों को हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया है। जो छात्र गिरफ्तार किए गए हैं। उसमें 10 साल से लेकर 18 साल तक के छात्र शामिल हैं। अमेरिका के कुछ स्कूलों में गन फायर और बम फेंकने की घटनाएं हुई है। हिंसा से संबंधित धमकियां भी दी जाती हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से जब यह धमकी दी जाती है। उसके बाद वहां पर भय का वातावरण बन जाता है। अमेरिका में माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डरने लगे हैं। इस स्थिति को देखते हुए कई स्कूलों ने अपने यहां पर डांस और रात्रि के खेल मैच बंद कर दिये है। अमेरिका में शाम के बाद अब स्कूलों में कोई आयोजन नहीं किये जा रहे हैं। अमेरिका में छोटे-छोटे से बच्चों के बीच में जिस तरह से हिंसा फैल रही है। उसने अमेरिका सरकार की चिंता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया और इंटरनेट इसका सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है। इसके कारण बच्चे कम उम्र में हिंसक होते चले जा रहे हैं।

नेतन्याहू ने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी गिदोन को बनाया मंत्रिमंडल का सदस्य

यरोशलम,(ईएमएस)। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी गिदोन सार को अपने मंत्रिमंडल का सदस्य बनाया है। इस कदम से नेतन्याहू के सत्तारूढ़ गठबंधन का विस्तार होगा और इजराइली नेता को पद पर बने रहने में मदद मिलेगी। नेतन्याहू ने कहा कि समझौते के तहत गिदोन सार को सुरक्षा कैबिनेट में स्थान दिया जाएगा। गिदोन सार को उम्मीद थी कि वह नेतन्याहू के दूसरे प्रतिद्वंद्वी रक्षा मंत्री योआव गैलेंट की जगह लेंगे, लेकिन हिज्बुल्लाह के साथ लड़ाई तेज होने के बाद कई सप्ताह पहले रक्षा मंत्री बनने का उनका सपना टूट गया था।

ट्रम्प ने चुनावी सभा में की अप्रवासियों की निंदा, महिला अपराध पर सख्त दिखे ट्रंप

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले और आपराधिक प्रवृत्ति वाले अप्रवासियों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने ऐसे अप्रवासियों के खिलाफ कठोर शब्दों का इस्तेमाल किया है और खासतौर पर उन लोगों की कड़ी आलोचना की है जो महिलाओं के साथ हुए अपराधों में शामिल थे। ट्रंप ने इसके साथ ही डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के खिलाफ भी निजी टिप्पणियां की है।

चुनावी राज्य विस्कॉन्सिन में एक जनसभा में ट्रंप ने कमला हैरिस को मानसिक रूप से विकलांग और अस्थिर कहा है। हैरिस ने शुक्रवार को अपने 2024 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान पहली बार अमेरिका-मेक्सिको सीमा का दौरा किया था।

फिलीपींस में तूफान क्रैथॉन ने मचाई तबाही, भारी नुकसान की आशंका

-ताइवान की ओर जाएगा आज

मनीला,(ईएमएस)। दक्षिण एशियाई देश फिलीपींस में ताकतवर तूफान क्रैथॉन के कारण जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस तूफान ने 215 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ अपना कहर बरपाया, जिससे हालात बिगड़ गए हैं।

तूफान को लेकर मौसम विभाग की चेतावनी के बाद, स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। समुद्र से नौकाओं को हटाने का काम किया गया। स्थानीय निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। तूफान क्रैथॉन के प्रभाव से कैगायन और बटानेस प्रांत के बालिंटैंग द्वीप के तटीय क्षेत्रों में 175 से 215 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि यह तूफान धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ रहा है और मंगलवार को ताइवान की ओर मुड़ते ही यह एक सुपर टाइफून में तब्दील हो सकता है।

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में बटानेस के तटीय गांवों, बाबुयान द्वीप और कैगायन प्रांत में जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाले तूफानी लहरों के मध्यम से उच्च जोखिम की चेतावनी जारी की है। चेतावनी जारी करते हुए कहा गया कि तेज और भयानक हवाएं छतों को उड़ा सकती हैं, पेड़ों को गिराते हुए आगे बढ़ सकती हैं, खेती को नुकसान पहुंचा सकती हैं और समुद्र में ऊंची लहरें भी उठा सकती हैं।

कगायन प्रांत में बिजली गुल

इस तूफान के कारण कगायन प्रांत में बिजली गुल हो गई है और सैकड़ों ग्रामीणों को समुद्री तटीय और बाढ़-ग्रस्त इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर निकाला गया। सुरक्षा के मद्देनजर, उत्तरी प्रांतों में सभी स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। स्थानीय अधिकारियों ने तूफान से प्रभावित उत्तरी शहरों में समुद्री यात्रा पर भी रोक लगा दी है।

हर साल आते हैं यहां तूफान

फिलीपींस हर साल लगभग 20 तूफानों का सामना करता है। यह द्वीपसमूह पैसिफिक रिंग ऑफ फायर में स्थित है, जो कि ज्वालामुखी विस्फोट और भूकंपों का केंद्र है। यही वजह है कि यह देश दुनिया के सबसे ज्यादा आपदा प्रभावित देशों में से एक बना हुआ है। फिलहाल, तूफान क्रैथॉन के प्रभाव और उससे होने वाले संभावित नुकसान को लेकर स्थानीय लोग चिंतित हैं, और सरकार द्वारा सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है।

विश्व शाकाहार दिवस ....

शाकाहार से पर्यावरण ही नहीं, विश्व-व्यवस्था भी सुरक्षित

इंसान के खुशहाल जीवन एवं निरोगता के लिये खानपान में बदलाव की स्वर दुनियाभर में सुनाई दे रहे हैं। मांसाहार को छोड़ने वालों की संख्या भारत ही नहीं, दुनिया में बढ़ती जा रही हैं। ग्लोबल रिसर्च कंपनी इप्सोस के हाल ही में कराये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार अब 63 प्रतिशत भारतीय अपने भोजन में मांसाहार के स्थान पर शाकाहार को अपना रहे हैं। एक अन्य समाचार के अनुसार अमरीका में डेढ़ करोड़ व्यक्ति शाकाहारी हैं। दस वर्ष पूर्व नीदरलैंड की डेढ़ प्रतिशत आबादी शाकाहारी थी जबकि वर्तमान में वहाँ पांच प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। सुप्रसिद्ध गैलप मतगणना के अनुसार इंग्लैंड में प्रति सप्ताह तीन हजार व्यक्ति शाकाहारी बन रहे हैं। वहाँ अब पच्चीस लाख से अधिक व्यक्ति शाकाहारी हैं। बढ़ती बीमारियां के कारण जीवन की कम होती सांसों ने इंसान को शाकाहार अपनाने के लिये विवश किया है।

ललित गर्ग

विश्व शाकाहार दिवस, प्रतिवर्ष 1 अक्टूबर को पूरे विश्व में मनाया जाता है। यह 1977 में उत्तरी अमेरिकी शाकाहारी समाज का स्थापना दिवस है और 1978 में अंतर्राष्ट्रीय शाकाहारी संघ द्वारा 'शाकाहार से खुशी, करुणा और जीवन-वृद्धि की संभावनाओं को बढ़ावा देने' के लिये इसका समर्थन किया था। यह दिवस शाकाहारी जीवन शैली के नैतिक, पर्यावरणीय, स्वास्थ्य और मानवीय लाभों के बारे में जागरूकता लाता है। दुनिया भर के कई देशों में विशेष रूप से यूरोप में, शाकाहारी जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए कई सार्वजनिक शैक्षिक और उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह एक अंतरराष्ट्रीय अभियान है जो लोगों को अपने स्वास्थ्य और पर्यावरण-स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए मांस का सेवन बंद करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

शाकाहारी खानपान को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण और जीवों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। फल, सब्जियों, दालों और पूर्ण अनाज वाली शाकाहरी डाइट से शरीर को अच्छी मात्रा में फाइबर मिलता है। इससे पाचन अच्छा रहता है और कब्ज जैसी दिक्कतें भी नहीं होती हैं। मांसाहारी डाइट में मीट होता है जिससे बैक्टीरिया के शरीर में प्रवेश करने की संभावना ज्यादा होती है। इससे उलट शाकाहारी डाइट में बैक्टीरिया का खतरा कम होता है। इससे इंसुलिन लेवल बैलेंस होता है और ग्लूकोज लेवल्स भी सामान्य रहते हैं। इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यह भी है कि जानवरों के प्रति हिंसा के बर्ताव के प्रति संवेदनशीलता लाना और शाकाहार के प्रति लोगों को प्रेरित करना, जिससे एक सभ्य, अहिंसक और बेहतर समाज का निर्माण हो सके। भगवान महावीर, महात्मा बुद्ध और महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने जहां भारत को अहिंसा के जरिए विश्व में अपनी पहचान बनाई, वही उन्होंने अहिंसा एवं शाकाहार जीवन पद्धति के प्रति लोगों को जागरूक किया। विज्ञान भी यह कहता है कि शाकाहार सबसे बेहतर भोजन है जिससे तमाम प्रकार की बीमारियों से बचा जा सकता है, वही मांसाहारी भोजन ग्रहण करने से जहां मानसिक विकार पनपते हैं। शाकाहार को सबसे निरापद, उपयुक्त एवं स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन स्वीकार किया गया है।

इंसान के खुशहाल जीवन एवं निरोगता के लिये खानपान में बदलाव की स्वर दुनियाभर में सुनाई दे रहे हैं। मांसाहार को छोड़ने वालों की संख्या भारत ही नहीं, दुनिया में बढ़ती जा रही हैं। ग्लोबल रिसर्च कंपनी इप्सोस के हाल ही में कराये गये एक सर्वेक्षण के अनुसार अब 63 प्रतिशत भारतीय अपने भोजन में मांसाहार के स्थान पर शाकाहार को अपना रहे हैं। एक अन्य समाचार के अनुसार अमरीका में डेढ़ करोड़ व्यक्ति शाकाहारी हैं। दस वर्ष पूर्व नीदरलैंड की डेढ़ प्रतिशत आबादी शाकाहारी थी जबकि वर्तमान में वहाँ पांच प्रतिशत लोग शाकाहारी हैं। सुप्रसिद्ध गैलप मतगणना के अनुसार इंग्लैंड में प्रति सप्ताह तीन हजार व्यक्ति शाकाहारी बन रहे हैं। वहाँ अब पच्चीस लाख से अधिक व्यक्ति शाकाहारी हैं। बढ़ती बीमारियां के कारण जीवन की कम होती सांसों ने इंसान को शाकाहार अपनाने के लिये विवश किया है।

विश्वभर के डॉक्टरों ने यह साबित कर दिया है कि शाकाहारी भोजन उत्तम स्वास्थ्य के लिए सर्वश्रेष्ठ है। फल-फूल, सब्जी, विभिन्न प्रकार की दालें, बीज एवं दूध से बने पदार्थों आदि से मिलकर बना हुआ संतुलित आहार भोजन में कोई भी जहरीले तत्व नहीं पैदा करता। इसका प्रमुख कारण यह है कि जब कोई जानवर मारा जाता है तो वह मृत-पदार्थ बनता है। यह बात सब्जी के साथ लागू नहीं होती। यदि किसी सब्जी को आधा काट दिया जाए और आधा काटकर जमीन में गाड़ दिया जाए तो वह पुनः सब्जी के पेड़ के रूप में उत्पन्न हो जाएगी। क्यों कि वह एक जीवित पदार्थ है। लेकिन यह बात एक भेड़, मेमने या मुरगे के लिए नहीं कही जा सकती।

अन्य विशिष्ट खोजों के द्वारा यह भी पता चला है कि जब किसी जानवर को मारा जाता है तब वह इतना भयभीत हो जाता है कि भय से उत्पन्न जहरीले तत्व उसके सारे शरीर में फैल जाते हैं और वे जहरीले तत्व मांस के रूप में उन व्यक्तियों के शरीर में पहुँचते हैं, जो उन्हें खाते हैं। हमारा शरीर उन जहरीले तत्वों को पूर्णतया निकालने में सामर्थ्यवान नहीं हैं। नतीजा यह होता है कि उच्च रक्तचाप, दिल व गुरदे आदि की बीमारी मांसाहारियों को जल्दी आक्रांत करती है। प्रकृति ने मनुष्य को स्वभाव से ही शाकाहारी बनाया है। कोई भी श्रमजीवी मांसाहार नहीं करता, चाहे वह घोड़ा हो या ऊँट, बैल हो या हाथी। फिर मनुष्य ही अपने स्वभाव के विपरीत मांसाहार कर संसार भर की बीमारियां और विकृतियां क्यों मोल लेता है? केवल जिव्हा के स्वाद के लिए मांस भक्षण करना हिंसा ही नहीं अपितु परपीड़न की पराकाष्ठा भी है। सुश्रुत संहिता, में लिखा है कि भोजन पकाना यज्ञ की तरह एक पवित्र कार्य है। मांसाहार से तामसी वृतियां पैदा होती हैं जो इंसान को क्रूर और हिंसक बनाता है।

महात्मा गांधी कहते थे कि स्वाद पदार्थ में नहीं, अपितु मनुष्य की अपनी जिव्हा में होता है। नीम की चटनी से जीभ के स्वाद पर नियंत्रण कर लेने वाले गांधी के देश में आज मांसाहार का विरोध तो दूर, उल्टे कुछ क्षेत्रों में मांसाहार को बल दिया जाना, चिन्तनीय है, अहिंसा के उपासक देश के लिए लज्जास्पद भी। मांसाहार को प्रोत्साहित करने एवं उसके प्रचार करने के लिए मांस उद्योग तरह-तरह के हथकण्डे अपनाता रहा है। व्यावसायिक लोगों के द्वारा अपने लाभ के लिये एवं सरकारें भी मांसाहार एवं अण्डे के प्रचार एवं प्रयोग के लिये इस तरह के तथाकथित क्रूर एवं धार्मिक आस्थाओं को कुचलने वाले उपक्रम करती रही है। हमारे यहां अण्डे को 'शाकाहार'' और 'निर्जीव'' के रूप में प्रचारित करके पौल्ट्री उद्योग ने अपना व्यावसायिक जाल फैलाने की कुटिल कोशिश की। लेकिन यह शुभ संवाद है कि अब भारत में शाकाहार को बल देने की शुरूआत हुई है, जिसको जन-जन की जीवनशैली बनाना अहिंसा के पक्षधर प्रत्येक प्रबुद्ध नागरिक का नैतिक दायित्व है तथा मुख सुख के लिए निरीह प्राणियों और अजन्मे अंकुरों की निर्मम हत्या के विरुद्ध जनमानस तैयार करना सबका प्रथम कर्तव्य है।

भारत में शाकाहार को बल देने के प्रयत्न होते रहे हैं, न केवल भारत बल्कि संसार के महान बुद्धिजीवी, उदाहरणार्थ अरस्तू, प्लेटो, लियोनार्दो दविंची, शेक्सपीयर, डारविन, पी. एच. हक्सले, इमर्सन, आइन्सटीन, जार्ज बर्नार्ड शा, एच.जी.वेल्स, सर जूलियन हक्सले, लियो टॉलस्टॉय, शैली, रूसो आदि सभी शाकाहारी ही थे। अमरीका के विश्व विख्यात पोषण विशेषज्ञ डॉ.माइकेल क्लेपर का कहना है कि अंडे का पीला भाग विश्व में कोलस्ट्रोल एवं जमी चिकनाई का सबसे बड़ा स्रोत है जो स्वास्थ्य के लिए घातक है। आज विश्व में सबसे बड़ी समस्या है, विश्व शांति की और बढ़ती हुई हिंसा को रोकने की।

वजन घटाने के लिए रोज 15 मिनट के लिए चढ़ें सीढ़ियां

लोगों में एक आम गलत धारणा है कि फिटनेस का मतलब सिर्फ जिमिंग ही होती है। वजन कम करने और बॉडी बनाने के लिए आप जिम की सदस्यता लेते हैं जो कि काफी हद तक महंगी पड़ती है। लेकिन हमारा यकीन मानिए आपको यह सब करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

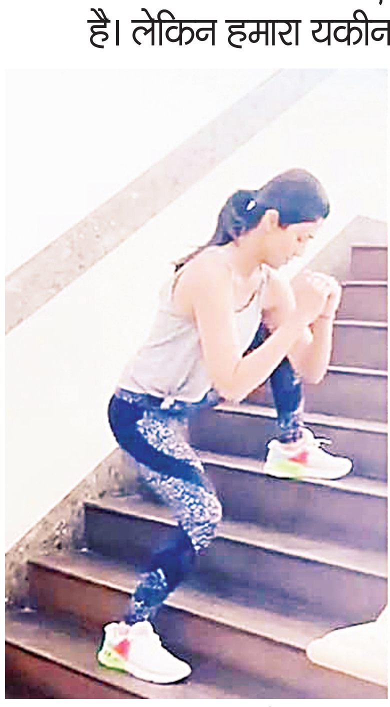

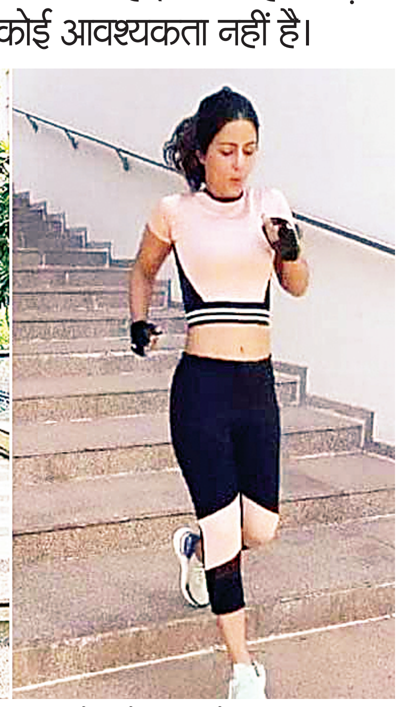

आप अपना वजन सीढ़ियां चढ़कर भी घटा सकते हैं। आप चाहें तो सीढ़ियों को एक दमदार कार्डियो एक्सरसाइज में बदल सकते हैं। सीढ़ियों पर लंजेस और स्क्वैट्स जैसे विभिन्न व्यायाम कर सकते हैं या फिर बस ऊपर और नीचे चढ़ और उतर सकते हैं। हालांकि, सीढ़ी चढ़ने की एक्सरसाइज शुरू करने से पहले, आपको इसका रिजल्ट कितनी जल्दी मिलेगा यह आपकी स्पीड और इंटेन्सिटी पर डिपेंड करता है।

कैलोरी बर्न हुई

आपके द्वारा बर्न की गई कैलोरी की मात्रा एक्सरसाइज की तीव्रता और समय पर निर्भर करती है। यदि आप धीरे-धीरे चढ़ रहे हैं, तो आप कम कैलोरी बर्न करेंगे, जबकि यदि आप तेजी से चढ़ रहे हैं, तो जयादा तेजी से कैलोरी बर्न करेंगे। सामान्य तौर पर, एक व्यक्ति 30 मिनट के लिए सीढ़ियों पर दौड़कर 500 कैलोरी जला सकता है।

कितने समय में मिलेगा परिणाम

वजन कम करने के लिए, कैलोरी डेफिसिट पैदा करना महत्वपूर्ण है, जिसे कम कैलोरी के सेवन और शारीरिक गतिविधियों के द्वारा किया जा सकता है। लगभग 500 ग्राम वजन कम करने के लिए, आपको 3,500 की कैलोरी डेफिसिट बनाना होगा। यदि आप हर दिन 30 मिनट तक व्यायाम करते हैं तो आप दो से चार सप्ताह में कुछ वजन कम कर पाएंगे।

15 मिनट के लिए चढ़ें सीढ़ियां

सबसे महत्वपूर्ण बात समय है कि आप कितनी देर तक व्यायाम करते हैं या एक दिन में कितनी सीढ़ियां चढ़ते हैं। आप एक दिन में 100 सीढ़ियां चढ़कर वजन कम करने की उम्मीद नहीं कर सकते। किसी भी परिणाम को देखने के लिए, आपको हर दिन कम से कम 15 मिनट के लिए सीढ़ियों पर चढ़ने की आवश्यकता होती है। आप पहले सप्ताह में धीमी शुरुआत कर सकते हैं फिर धीरे-धीरे समय बढ़ा सकते हैं। सप्ताह में कम से कम 4-5 दिन ऐसा करें।

आपके वर्कआउट की तीव्रता आपकी टाइमिंग जितनी मायने रखती है। किसी भी व्यायाम से लाभ लेने के लिए, आपको अपनी लिमिट को आगे बढ़ाना होगा। जितना कठिन आपका वर्कआउट होगा, उतनी ही तेजी से आपका वजन कम होगा।

अपने वर्कआउट में वैराइटी जोड़ें

वजन घटाने के लिए वास्तव में सीढ़ियों से ऊपर और नीचे चढ़ना एक प्रभावी कसरत मानी जाती है, लेकिन आप इसमें वैराइटी जोड़कर अपने शरीर को चुनौती दे सकते हैं। सीढ़ियों पर कई तरह के व्यायाम किए जा सकते हैं, जैसे कि पुश-अप, ट्राइसप डिप, लंग्स, स्टेप-अप।

ये अभ्यास आपको कुछ अतिरिक्त कैलोरी जलाने में मदद करेंगे और आपको बोरियत भी महसूस नहीं होगी। 2 मिनट के लिए सीढ़ी पर ऊपर और नीचे चढ़कर वार्म-अप से शुरुआत करें। धीरे-धीरे अपनी गति अगले 5 मिनट के लिए तेजी से बढ़ाएं। 1 मिनट का ब्रेक लें और फिर 5 मिनट के लिए तेज गति से सीढ़ियों पर चढ़ें। अंतिम 2 मिनट में, अपने शरीर के तापमान को वापस सामान्य करने के लिए फिर से धीमी गति में सीढ़ियां चढ़ें और उतरें।

हस्तरेखा से जानें कब आएगा धन

आपके हाथ की रेखाएं भी काफी कुछ बताती हैं। ज्योतिष और हस्तरेखा के अनुसार रेखाएं यह भी बताती हैं कि वह धनवान बनेगा या नहीं। इस बात में कुछ सच्चाई तो है कि आपके हाथ की लकीरें आपकी किस्मत का हाल बताती हैं। इन लकीरों में किस्मत से जुड़े कई रहस्य निहित रहते हैं। ज्यादातर लोग यही जानना चाहते हैं कि उनके जीवन में धन की क्या स्थिति रहेगी। आज हम आपको हाथ की रेखाओं से जुड़े उन संकेतों के बारे में बताएंगे जिनसे जीवन में धन की स्थिति के बारे में पता चलता है।

अचानक मिलता है लाभ

यदि आपकी हथेली भारी और उंगलियों का आधार एकसमान होता है, साथ ही भाग्यरेखा एक से अधिक हो तो यह भाग्य में एक से अधिक धन प्राप्ति के साधन और लाभ का संकेत देता है। ऐसे व्यक्तियों को अचानक लाभ मिलता है।

व्यवसाय में होता है नाम

किसी मनुष्य की भाग्य रेखा हथेली में मोटी से पतली होती प्रतीत हो और जीवन रेखा गोल और शनि पर्वत ऊंचा हो तो व्यक्ति व्यवसाय में खूब पैसा अर्जित करता है और धनवान रहता है।

पैतृक संपत्ति से होता है लाभ

यदि किसी व्यक्ति की जीवन रेखा के साथ मंगल रेखा चल रही हो और हथेली भारी हो तो यह इस बात का संकेत है कि वह व्यक्ति करोड़पति बन सकता है। साथ ही ऐसे व्यक्ति को अपनी पुश्तैनी संपत्ति से भी बड़ा लाभ मिलता है।

विदेश में मिल सकता है धन

हाथ की हथेली में भाग्य रेखा अगर जीवन रेखा से दूर और चंद्र पर्वत से एक पतली रेखा निकलकर भाग्यरेखा से मिलती प्रतीत हो तो व्यक्ति विदेश में रहकर खूब धन यश कमा सकता है। ऐसे लोगों का भाग्योदय शादी के बाद होता है।

धनवान बनाती है यह रेखा

किसी व्यक्ति की हथेली में चंद्रमा से एक रेखा जाकर भाग्यरेखा से मिले लेकिन भाग्य रेखा पतली प्रतीत हो और सीधे शनि पर्वत पर खत्म हो रही तो यह आपके करोड़पति बनने की सूचक होती है।

तिल बनाता है करोड़पति

किसी व्यक्ति के हाथ की उंगलियां सीधी हो और जीवन रेखा गोल आकार में हो साथ ही शुक्र पर्वत पर तिल का निशान हो तो आप निश्चित ही बहुत धन कमाएंगे।

त्रिकोण का निशान देता है यह संकेत

किसी व्यक्ति के हाथ में भाग्य रेखा, बुध रेखा और मस्तिष्क से त्रिकोण का निशान बनता हो तो वह आगे चलकर अमीर आदमी बनता है।

अगल-अलग भाषाएं सीख कर पाएं अच्छी नौकरी

अगर आप तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं तो हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही अलग-अलग भाषाएं सीखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। अलग-अलग और नई तरह की भाषा आपको एक अच्छी नौकरी भी दिला सकती है। अगर इन भाषाओं का ज्ञान हिंदी के साथ हो तो आपको नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

स्पेनिशः अगर किसी भाषा को वाकई वैश्विक भाषा का दर्जा मिल सकता है तो वो स्पेनिश है। दुनिया भर में इस भाषा से जुड़े रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। अमेरिका में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं, जो स्पेनिश बोलते हैं। इसके अलावा मुसाफिरों की तादाद भी काफी है। इसे सीखना तुलनात्मक रूप से आसान है। स्पेन के अलावा ये भाषा दक्षिण अमेरिका के कई देशों और मेक्सिकों में भी बोली जाती है।

जर्मनः जर्मनी के अलावा स्विटजरलैंड में भी ये भाषा काफी प्रचलित है और ये दोनों देश यूरोप में कारोबार का केंद्र माने जाते हैं। ऐसे में ये भाषा कारोबार के लिहाज से अहम है।

फ्रेंचः दुनिया भर में 20 करोड़ से ज्यादा लोग यह भाषा बोलते हैं। दुनिया के 40 से ज्यादा देशों में आप फ्रेंच बोल-सुन सकते हैं। ये 8 देशों की भाषा है और संयुक्त राष्ट्र में इसे आधिकारिक दर्जा हासिल है।

अंग्रेजीः अंगेजी का महत्व आपको पता ही है। लंदन, अमेरिका समेत यूरोप में प्रमुख तौर पर बोली जाने वाली भाषा है। इससे करियर की असीम संभावनाएं आपके लिए खुलती हैं।

जापानीः अंग्रेजी में कई ऐसे शब्द हैं, जो इसी भाषा में पहुंचे हैं। अगर एशिया के रोबोटिक केंद्र में जगह बनानी है तो जापानी सीखना अनिवार्य समझ लीजिए।

अरबीः 30 करोड़ लोग यही भाषा बोलते हैं। दुबई और आबु धाबी जैसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्रों की भाषा है। ये भाषा कई क्षेत्रों में रोजगार दिला सकती है। पश्चिम एशिया और अफ्रीका के कई देशों में ये भाषा इस्तेमाल होती है।

रोहित ने पकड़ा लिटन का असंभव सा कैच, खिलाड़ियों के साथ ही दर्शक भी हुए हैरान

कानपुर (ईएमएस)। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर में दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन मैच शुरु होने पर प्रशंसकों ने राहत की सांस ली क्योंकि पिछले दो दिनों से बारिश होने के कारण मैच नहीं हो पाया था। खेल शुरु होने पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक ऐसा असंभव सा कैच पकड़ा जिसे देखकर खिलाड़ी और दर्शकक सभी हैरान हो गये। रोहित ने बांग्लादेशी बल्लेबाज लिटन दास का कैच मोहम्मद सिराज की गेंद पर एक हाथ से ही लपक लिया। लिटन ने मो सिराज की गेंद पर एक तेज शॉट लगाया पर रोहित ने तेजी दिखाते हुए हवा में उछलकर एक हाथ से ही कैच पकड़ लिया।

बांग्लादेश की पारी के 50वां ओवर में लिटन ने ये आक्रामक शॉट खेला था। वह इस गेंद पर एक बड़ा शॉट खेलकर चौका या छक्का लगाना चाहते थे पर रोहित ने खेल बिगाड़ दिया। जैसे ही शॉट लगा रोहित ने हवा में पीछे की तरफ उंची छलांग लगा दी। उन्होंने एक हाथ से ही गेंद पकड़ ली। इससे बल्लेबाज लिटन सहित स्टेडिमय में बैठे लोग भी समझ ही नहीं पाये कि असंभव सा कैच कैसे हो गया।

ऑस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिए चालाकी से गेंदबाजी करनी होगी : बुमराह

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी फिटनेस बनाये रखना बड़ी चुनौती होगी। साथ ही कहा कि इसके लिए काफी चालाकी से गेंदबाजी करनी होगी। बुमराह ने कहा कि वह अपना कार्यभार धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में काफी ज्यादा गेंदबाजी करनी होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना होगा। बुमराह ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिए चालाक बनाना बनना होगा। इसलिए यहां कुछ ओवर अधिक मिलना अच्छा है क्योंकि वहां काफी गेंदबाजी करनी होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। बुमराह का कहना है कि वह इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। कानपुर टेस्ट में मैदान गीला होने के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं हो सका। बुमराह ने कहा, 'मौसम हमारे हाथ में नहीं है पर कुछ समय आराम मिलना भी अच्छा रहा। यहां के बाद चेन्नई के हालात में तुरंत ढलना होगा।

बूमराह की गेंद पर बोल्ड हुए मुशफिकुर

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन शानदार गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम को साफ बोल्ड कर दिया। बुमराह की यह गेंद इतनी कठिन थी कि मुशफिकुर हिल भी नहीं पाये और और उनका विकेट निकल गया। इस तरह भारतीय टीम को पारी का चौथा विकेट मिला। मुशफिकुर को लगा कि गेंद पैड के करीब से निकल जाएगा पर ऐसा नहीं हुआ और वह सीधे विकेटों पर जा लगी। इस मैच में पहले दिन केवल 35 ओवर हुए थे जबकि दूसरे और तीसरे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हुआ। वहीं चौथे दिन बांग्लादेश ने 107 रनों से अपनी पारी को आगे बढाया पर पहले ही सेशन में बुमराह ने विकेट लेकर भारतीय टीम इंडिया को पहली सफलता दिलायी। इससे पहले टीम इंडिया के लिए आकाश दीप सिंह ने दो और आर अश्विन ने एक विकेट लिया था।

जडेजा ने बनाया रिकार्ड

भारतीय टीम के स्पिन ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कए अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। जडेजा मैच के चौथे दिन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से 300 विकेट और 3000 रन बनाने वाले एशियाई क्रिकेटर बन गए। जडेजा ने जैसे ही बांग्लादेश के बल्लेबाज खालिद अहमद को अपनी ही गेंद पर कैच किया उनके 300 विकेट पूरे हो गये। इससे पहले उनके नाम 299 विकेट थे।

बीजिंग में विश्व टेबिल टेनिस में खेलती हुई जापान की इटो मीमा।

जहीर ने की आकाशदीप की तारीफ, शमी की तरह विकेट को निशाना बनाते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने युवा गेंदबाज आकाशदीप की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मोहम्मद शमी की तरह सीधी गेंदबाजी कर विकेट को निशाना बनाते हैं। जहीर के अनुसार शमी और आकाश दोनों का मूल रवैया अपनी गेंदबाजी के प्रति एक जैसा रहता है। इसलिए आकाशदीप को अगर आगे बढ़ना है तो उन्हें शमी की गेंदबाजी को देखना चाहिये। जहीर ने कहा कि शमी आकाश दीप के लिए एक अच्छा रोल मॉडल साबित हो सकता है क्योंकि शमी की तरह ही आकाश दीप भी तेजी का अच्छा इस्तेमाल करना जानते हैं।

आकाश दीप ने अपने पदार्पण के बाद से ही अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया है। इस तेज गेंदबाज ने इस साल की शुरुआत में रांची में इंग्लैंड के खिलाफ यादगार डेब्यू किया था, जहां उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट हासिल किए थे। जहीर ने आकाश दीप की लगातार अपनी रफ्तार और मूल बातों पर टिके रहने को कहा है। इस पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज का मानना है कि शमी का

अनुसरण करने से उनका विकास तेजी से होगा। जहीर के अनुसार अन्य गेंदबाजों के साथ जुड़ने से आकाश को जल्द ही अपने कौशल में विविधता लाने में सहायता मिल सकती है।जहीर ने कहा कि जब आप स्टंप्स पर आक्रमण करते हैं और अच्छी लेंथ से गेंदबाजी करते हैं तो यह निश्चित रूप से आपके लिए फायदेमंद रहती है। इसी तरह से शमी सफल हुए अब यहीं आकाश भी कर सकते हैं।

मुझे नहीं लगता कि पंड्या टेस्ट टीम में वापसी करेंगे: पार्थिव

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने कहा है कि मुझे नहीं लगता कि ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास कर रहे हैं क्योंकि उनका शरीर अब पांच दिवसीय मैचों को नहीं झेल सकता है। पार्थिव के अनुसार हार्दिक लाल गेंद से अभ्यास इसलिए करते दिखे हैं क्योंकि उस समय उनके पास सफेद गेंद उपलब्ध नहीं थी। साथ ही कहा कि अगर टेस्ट में चयन के लिए उनके नाम पर विचार होता भी है तो भी पहले उन्हें कम से कम एक प्रथम श्रेणी मैच खेलने को कहा जाना चाहिये। हार्दिक ने छह साल से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है पर पर माना जा रहा है कि वह अब अगले सत्र में रणनी ट्रॉफी खेलकर टेस्ट में वापसी के लिए अपनी दावेदारी पेश करना चाहते हैं। इस ऑलराउंडर ने हाल ही में अपने अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया था। तभी से माना जा रहा है कि वह भारतीय टीम में वापसी का प्रयास कर रहे हैं। वीडियो में हार्दिक लाल गेंद से अभ्यास करते दिख रहे हैं

जो टेस्ट में इस्तेमाल की जाती है। हार्दिक ने अंतिम बार भारत के लिए सितंबर 2018 में टेस्ट मैच खेला था। इसके बाद पीठ की चोट के कारण वह टीम से बाहर रहे। बाद में उन्होंने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया। हार्दिक ने अब तक 11 टेस्ट मैचों की 18 पारियों में 31.29 की औसत से 532 रन बनाए हैं जिसमें 1 शतक और 4 अर्द्धशतक है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 108 था। उन्होंने 31.05 की औसत से 17 विकेट लिए हैं जिसमें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े 5/28 थे। इसके अलावा 29 प्रथम श्रेणी मैचों में पंड्या ने 31.02 की औसत से एक शतक और 10 अर्द्धशतक के साथ 1,351 रन बनाए हैं।

रिंकू और अभिषेक को पारी की शुरुआत के लिए भेजें : सबा करीम

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व विकेटीपर बल्लेबाज रहे सबा करीम ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज में अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह को पारी की शुरुआत के लिए भेजा जाना चाहिये। करीम का मानना है कि रिंकू की तरह ही अभिषेक भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हैं जिससे दोनो को ही लाभ होगा। ऐसे में भारत को एक तेज सलामी जोड़ी भी मिल जाएगी। सबा ने कहा, इस बात की काफी संभावना है कि रिंकू और अभिषेक पारी की शुरुआत करते दिख सकते हैं। रिंकू को अब तक छठे या सातवें नंबर पर ही फिनिशर के तौर पर खेलने का अवसर मिला है जिससे उन्हें अधिक समय तक बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिल पाता। इस पूर्व क्रिकेटर का मानना है कि रिंकू एक बेहतरीन बल्लेबाज है ऐसे में अगर उसे शुरुआत में मिलते हैं तो वह टीम के लिए ज्यादा योगदान दे सकता है। इसलिए उन्हें पारी की शुयआत में भेजना ठीक रहेगा। करीम का मानना है कि अभिषेक के साथ होने रिंकू अधिक आजादी के साथ अपना आक्रामक खेल खेल सकेंगे। रिंकू को तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर उनके पास टी20 प्रारुप में अपनी जगह पक्की करने का अच्छा अवसर रहेगा। श्रीलंका के खिलाफ पिछली टी20 सीरीज के दौरान रिंकू को अधिकतर निचले क्रम में उतारा गया और उन्हें क्रीज पर कम समय बिताने का अवसर मिला। ऐसे में वह अपनी पूरी क्षमता नहीं दिखा पाये।

जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भारतीय निशानेबाज पर लगा जुर्माना

पेरु (ईएमएस)। भारतीय निशानेबाज उमेश चौधरी पर आईएसएसएफ जूनियर निशानेबाजी चैंपियनशिप में तय समय से देरी से पहुंचने के कारण जुर्माना लगाया गया है। इससे उमेश के हाथ से स्वर्य पदक निकल गया। उमेश 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल के लिए अभ्यास क्षेत्र में देर से पहुंचे थे। इस कारण उनपर दो अंक का जुर्माना लगाया गया जिससे वह पदक हासिल नहीं कर पाये। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ (आईएसएसएफ) ने इस भारतीय निशानेबाज पर नियम 6.17.1.3 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए दो अंकों का जुर्माना भी लगाया है।

लिसेस्टर में महिला सुपर लीग फुटबॉल में खेलती हुई लिसेस्टर सिटी और आर्सनल की टीमें।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें एकदिवसीय में इंग्लैंड को 49 रनों से हराकर 3-2 से सीरीज जीती

ब्रिस्टल (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां वर्षा बाधित पांचवें और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में इंग्लैंड को 49 रनों से हराकर 3-2 से सीरीज जीती ली है। ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआती दो मैच जीते थे पर मेजबान इंग्लैंड ने तीसरे और चौथे मैच में जीत के साथ वापसी के प्रयास किये पर अंतिम एकदिवसीय में जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 3-2 से सीरीज पर कब्जा कर लिया।

इंग्लैंड की टीम ने पांचवे एकदिवसीय मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 309 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रेविस हेड ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए जबकि हीं एरोन हार्डी, एडम जांपा और ग्लेन मैक्सवेल को दो दो विकेट मिले।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 21 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 165 रन बना लिए थे तभी बारिश के कारण मैच रोक दिया गया। ऐसे में अंपायर्स ने डकवर्थ लुईस नियम के तहत ऑस्ट्रेलिया को विजयी घोषित कर दिया क्योंकि जब खेल रोका गया था तब तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 2 विकेट पर 116 रन होना चाहिए था पर वह 49 रनों से आगे थी। बारिश रूकने का अंपायर ने लगभग एक घंटे तक इंतजार किया पर जब बारिश और तेज हो गयी तो ऑस्ट्रेलियाई टीम को विजेता घोषित कर दिया।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरुआत की। दोनों ने आठवें ओवर में ही 78 रन बना दिये। हेड 31 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद शॉर्ट ने कप्तान स्टीवन स्मिथ के साथ मिलकर पारी को संभाला और आगे बढ़ाया। दोनों ने स्कोर को 118 रन पर पहुंचाया। शॉर्ट ने 58 रन बनाये वहीं स्टीव स्मिथ 36 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि जोश इंग्लिस ने 28 रन बनाये। . इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने ओपनर बेन डकेट के 107, हैरी ब्रुक के 72 और फिल साल्ट के 45 रनों की सहायता से 309 रनों का अच्छा खासा स्केर बनाया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले कप्तान बने हैरी ब्रूक

इंग्लैंड की कप्तान कर रहे युवा हैरी ब्रूक ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के दूसरे मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अब हैरी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान बना गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के नाम था। हैरी ने पांच मैचों में 78.00 की औसत से 312 रन बनाए जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है। इस सीरीज में हैरी का स्ट्राइक रेट 127.86 रहा। पांच मैचों की इस सीरीज के साथ ही अब हैरी ने 20 एकदिवसीय में 39.94 की औसत से 719 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक शतक और पांच अर्द्धशतक हैं। उनका स्ट्राइक रेट 106.73 है।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक रन विराट ने साल 2019 में 62.00 की औसत से 310 रन बनाए थे जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 107.63 था। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123 रन था। इस सीरीज में विराट ने दो शतक भी थे। इसके अलावा ब्रूक अब कप्तान के रूप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक बार लगातार 50 से अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गये हैं। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व कपतान इमरान खान, इंजमाम उल हक और बाबर आजम के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन की भी बराबरी पर ली है

हालातों के अनुसार खेलने से मिली एकदिवसीय सीरीज में जीत : मार्श

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि हालातों का स्टीक आंकलन करने के कारण हमें जीत मिली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ट्रैविस हेड की शानदार गेंदबाजी और मैथ्यू शॉर्ट के शानदार अर्धशतक की सहायता से मेजबान इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम एकदिवीसय में डकवर्थ लुईस नियम से 49 रन हरा दिया था।

मार्श ने मैच के बाद कहा, इंग्लैंड टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ रही थी पर हमारे गेंदबाजों ने हालातों का अच्छे से आंकलन कर उन्हें रोका। साथ ही कहा कि उनकी टीम को बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए अधिक गेंदबाजी विकल्पों की आवश्यकता थी क्योंकि कुछ ही दिनों के अंदर पांच एकदिवसीय मैच खेलना आसान नहीं होता।

उन्होंने कहा, हमारे पास कुछ अनुभवी क्रिकेटर थे, जिन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। हमारे पास बहुत कुछ है, उन ट्रॉफियों को जीतना आसान नहीं है। हम कुछ समय में ही पाकिस्तान से खेलने जा रहे हैं। इस दौरान अधिक से अधिक युवा खिलाड़ियों को अवसर दिये जाएंगे।

नीता अंबानी ने ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों का सम्मान किया

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्य नीता अंबानी ने यहां एक समारोह में ओलंपिक और पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित किया। नीता के घर पर आयोजित समारोह में करीब 140 एथलीटों के अलावा कोच और खेल जगत से जुड़ी कई अन्य हस्तियां भी शामिल हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहली बार, 140 ओलंपिक और पैरालंपिक एथलीट एक ही मंच पर एक एकसाथ नजर आये हैं जिसे देखकर खुशी हुई है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में ऐतिहासिक है, पिछले दो महीनों में, हमारे ओलंपियन और पैरालिंपियन शानदार प्रदर्शन कर गर्व से तिरंगा लेकर दुनिया के सामने आए हैं। आज रात, पहली बार, वे सभी एक ही छत के नीचे एकसाथ बैठे हैं। ये जीत और सफलता में एकजुटता की भावना दिखाता है।

पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजों के पदक नहीं जीतने से निराशा हुई : मैरी कॉम

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिग्गज महिला मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाजों के पदक नहीं जीतने से उन्हें निराशा हुई है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता रही मैरी कॉम ने कहा कि मुक्केबाजों का प्रदर्शन इस बार उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा। ऐसे में एक पदक विजेता होने के कारण मुझे और भी दुख हुआ। पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत ने छह मुक्केबाजों की टीम भेजी थी पर कोई भी सफल नहीं हो पाया। यहां तक कि गत विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन निकहत जरीन भी असफल रहीं। मैरी कॉम ने एक कार्यक्रम में कहा, ओलंपिक प्रदर्शन को देखकर दुख होता है कि हम 2024 ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सके। अब हमें यह देखना होगा कि आगे क्या सुधार करना है और किन गलतियों से बचना है। पेरिस ओलंपिक में लवलीना क्वार्टर फाइनल में हार गई थीं। वहीं पुरुष वर्ग में निशांत देव भी क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाये। इसक अलावा दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन , कॉमनवेल्थ चैंपियन अमित पंघाल भी हार गये। मैरी कॉम ने कहा, अब हमें आगामी टूर्नामेंट के लिए अधिक अभ्यास और कड़ी मेहनत पर ध्यान देना होगा।

आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, बंगाल और केरल ने सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप में शुरुआती मुकाबले जीते

चंडीगढ़ (ईएमएस)। आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, बंगाल और केरल ने यहां जारी 14वें हॉकी इंडिया सब-जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अपने-अपने मुकाबले जीत लिए हैं। सातवें दिन आंध्र प्रदेश ने पूल ए के मुकाबले में उत्तराखंड को 4-3 से हराया। आंध्र प्रदेश की ओर से कल्याण गांजा ने 12 वें मिनट , देवता यशवंत ने 41 वें मिनट , शेख इरफान ने 50 वें मिनट में गोल किये। इसके अलावा पूला बालाजी ने 58 वें मिनट में एक गोल किया। उत्तराखंड की ओर स आयुष कालूरा ने 15 वे गोविंद सिंह ने 22 और विशाल कुमार ने 48 वें मिनट में गोल दागे।।

वहीं छत्तीसगढ़ ने पूल बी के एक और रोमांचक मुकाबले में राजस्थान को 6-3 से हराया। छत्तीसगढ़ की ओर से अभिषेक यादव ने हैट्रिक 7वें, 51 वें और 52 वें मिनट में गोल कर हैट्रिक लगायी। लियांश सारथी ने 6, कप्तान आनंद कुमार सूर्यवंशी ने 20 वें , और लवी माणिकपुरी ने 43 वें मिनट में गोल किया। राजस्थान की ओर से तनवीर सिंह ने 44 वें और 45 वें जबकि सचिन चौधरी ने 31 वें मिनट में गोल दागा।

इसके अलावा एक अन्य मैच में बंगाल ने पूल सी में तेलंगाना को 2-1 से हराया। बंगाल की ओर से अमन कुमार ठाकुर ने 14वें और कप्तान करण शॉ ने 44वें मिनट में गोल किये। तेलंगाना की ओर से सुजीत राजभर ने 34 वें मिनट में एकमात्र गोल दागा।

हमेशा विवादों में रहे हैं शाहिद अफरीदी

लाहौर (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट और उसके खिलाड़ी हमेशा ही किसी न किसी प्रकार के विवादों में रहे हैं। उसमें भी पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी अपने कारनामों के कारण हमेशा चर्चाओं में रहे हैं। आक्रामक बल्लेबाजी के साथ ही अच्छी गेंदबाजी के बाद भी अपने कामों से वह बदनाम रहे हैं। यहां तक की एक बार वह होटल में लड़कियों के साथ पकड़े गये थे। तब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उन पर प्रतिबंध भी लगा दिया था। इस घटना के बाद उनकी शादी मामा की लड़की से करा दी गई थी। साल 2000 में पाकिस्तान की टीम को दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड के साथ सिंगापुर में एक त्रिकोणीय सीरीज में खेलना था। इससे एक दिन पहले ही अफरीदी को कराची के एक होटल में लड़कियों के साथ पाया गया था। तब उनके साथ दो और खिलाड़ी अतीक उज जमान और हसन रजा भी थे। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पीसीबी ने उनसे सवाल किये। तब अफरीदी सहित तीनों ही खिलाड़ियों कहा कि उनको फंसाया गया है। लड़कियां कमरे में ऑटोग्राफ लेने आई थी पर बोर्ड ने अफरीदी को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने से रोक दिया था। इसके अलावा उनपर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। इसके बाद परिजनों ने उनकी शादी ममेरी बहन नादिया से करा दी।

आयरलैंड ने पहली बार टी20 में द. अफ्रीका को हराया

अबू धाबी (ईएमएस)। आयरलैंड क्रिकेट टीम ने दूसरे टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराकर एक बड़ा उलटफेर किया है। ये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आयरिश टीम की टी20 में पहली जीत है। पहले बल्लेबाजी करते हुए आयरलैंड ने रॉस अडायर की शतकीय पारी की मदद से 6 विकेट पर 195 रन बनाए। रॉस अडायर ने 58 गेंद पर 100 रनों की पारी खेली। एक समय दक्षिण अफ्रीकी जीत हासिल करती दिख रही थी पर अंत में टीम 9 विकेट पर 185 रन ही बना सकी। आयरलैंड के खिलाफ इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम को जीत के लिए 12 गेंद पर 23 रन बनाने थे और उसके हाथ में पांच विकेट थे पर टीम ने 10 गेंद पर ये विकेट खो दिये जिससे मैच उसके हाथ से निकल गया। रॉस के भाई मार्क अडायर ने 19वें ओवर में 5 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट कर दक्षिण अफ्रीकी टीम के सपनों पर पानी फेर दिया। मार्क ने कुल मिलाकर चार विकेट लिए। इस मैच में अफ्रीकी टीम ने अंतिम दो ओवरों में छह में से पांच विकेट खो दिए। इससे आयरलैंड ने जीत दर्ज कर दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर ला दी। इस मैच में एडेयर भाइयों का प्रदर्शन अच्छा रहा, एक ने जहां टी20 शतक बनाया और दूसरे ने अपनी गेंदबाजी से विरोधी टीम को ध्वस्त कर दिया।

जोहानिसबर्ग ने सैम्प आर्मी को हराकर जिम्बाब्वे अफ्रो टी10 टूर्नामेंट जीता

हरारे (ईएमएस)। जोहानिसबर्ग बांग्ला टाइगर्स ने फाइनल में केपटाउन सैम्प आर्मी को हराकर जिम्बाब्वे अफ्रो टी10 टूर्नामेंट जीत लिया है। बांग्ला टाइगर्स की जीत में कुसल परेरा और मोहम्मद शहजाद की आक्रामक पारियों की अहम भूमिका रही। सिकंदर रजा की कप्तानी वाली जोहानिसबर्ग टीम ने अंतिम गेंद पर 5 रनों से मुकाबला जीता। वहीं केपटाउन की हार से डेविड मलान की 62 रन की पारी बेकार गयी।

केपटाउन सैम्प आर्मी के कप्तान रोहन मुस्तफा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया पर उनका ये फैसला सहीं नहीं रहा। जोहानिसबर्ग के बल्लेबाजों ने 10 ओवर में ही 5 विकेट पर 129 रन बना दिये। सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 300 की स्ट्राइक रेट से 33 रन बनाए। उन्होंने मोहम्मद शहजाद के साथ 22 गेंद पर 59 रन बना दिये। शहजाद ने 25 गेंद 44 रन और हजरतुल्लाह जजाई ने 11 गेंद पर 19 रन बनाए.

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के लिए बांग्लादेश के साथ एकदिवसीय सीरीज खेलेगा अफगानिस्तान

काबुल (ईएमएस)। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम नवंबर में बांग्लादेश के साथ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अपनी मेजबानी में खेलेगी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए 6 से 11 नवंबर तक होने वाली तीन मैचों की इस सीरीज का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। एसीबी के अनुसार ये मैच 6, 9 और 11 नवंबर को खेले जाएंगे। एसीबी ने कहा कि ये तीन एकदिवसीय, तीन टी20आई और दो टेस्ट मूल रूप से इस साल जुलाई-अगस्त के लिए अफगानिस्तान के भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) में शामिल थे।

इससे पहले एसीबी ने यूएई और भारत में तेज गर्मी का हवाला देते हुए पहले होने वाली सीरीज को स्थगित कर दिया था।

स्मॉल सेविंग स्कीम की ब्याज दरों को रिवाइज करेगी सरकारः अभी पीपीएफ पर 7.1% और सुकन्या समृद्धि पर 8.2% ब्याज मिल रहा

नई दिल्ली: वित्त मंत्रालय आज (सोमवार, 30 सितंबर) मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही के लिए पब्लिक प्रोविडेंट फंड नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र सहित सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स पर मिलने वाले ब्याज दरों को रिवाइज करेगा। कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि ब्याज दरें पहली दो तिमाहियों (अप्रैल-जून और जुलाई-सितंबर) की तरह ही अपरिवर्तित रहेंगी।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1% ब्याज दर मिलता है

अभी पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1% और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2% ब्याज दर मिलती है। सरकार छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों पर फैसला लेने से पहले देश की लिक्विडिटी स्थिति और महंगाई पर भी नजर रखती है। हालांकि, पीपीएफ, एनएससी और केवीपी समेत छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों की हर तीन महीने पर समीक्षा करती है। स्मॉल सेविंग स्कीमों पर ब्याज दरें 4% से 8.2% के बीच हैं। सरकार ने इससे पहले दिसंबर 2023 में इंटरेस्ट रेट्स में बढ़ोतरी की थी।

ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है

स्मॉल सेविंग्स स्कीम की ब्याज दरों का हर तिमाही में रिव्यू होता है। इनकी ब्याज दरें तय करने का फॉर्मूला श्यामला गोपीनाथ समिति ने दिया था। समिति ने सुझाव दिया था कि इन स्कीम की ब्याज दरें समान मैच्योरिटी वाले सरकारी बॉन्ड के यील्ड से 0.25-1.00% ज्यादा होनी चाहिए।

हाउसहोल्ड सेविंग का मेजर सोर्स हैं ये स्कीम

स्मॉल सेविंग स्कीम भारत में हाउसहोल्ड सेविंग का मेजर सोर्स हैं और इसमें 12 इंस्ट्रूमेंट शामिल हैं। इन स्कीम्स में डिपॉजिटर्स को उनके पैसे पर तय ब्याज मिलता है। सभी स्मॉल सेविंग स्कीम्स से हुए कलेक्शन को नेशनल स्मॉल सेविंग्स फंड में जमा किया जाता है। स्मॉल सेविंग स्कीम्स सरकारी घाटे के फाइनेंसिंग की सोर्स के रूप में उभरी हैं।

स्मॉल सेविंग इंस्ट्रूमेंट को तीन भागों में बांटा जा सकता हैः

पोस्टल डिपॉजिटः सेविंग अकाउंट, रिकरिंग डिपॉजिट, टाइम डिपॉजिट और मंथली इनकम स्कीम
सेविंग सर्टिफिकेटः नेशनल स्मॉल सेविंग सर्टिफिकेट और किसान विकास पत्र
सोशल सिक्योरिटी स्कीम्सः सुकन्या समृद्धि योजना, सार्वजनिक भविष्य निधि और वरिष्ठ नागरिक बचत योजना

मनबा फाइनेंस का शेयर 25 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली (ईएमएस)। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मनबा फाइनेंस लिमिटेड का शेयर निर्गम मूल्य 120 रुपये से 25 प्रतिशत उछाल के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 25 प्रतिशत उछाल के साथ 150 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 31.20 प्रतिशत चढ़कर 157.45 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर कंपनी का शेयर 20.3 प्रतिशत के उछाल के साथ 145 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में शेयर 26.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 152.25 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 791.02 करोड़ रुपये रहा। मनबा फाइनेंस लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की बोली के तीसरे व अंतिम दिन गत बुधवार तक 223.12 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 151 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 114-120 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था। मनबा फाइनेंस का आईपीओ 1,25,70,000 करोड़ ताजा शेयर का निर्गम था।

सेंसेक्स 1272 अंक गिरकर 84,299 पर बंदः निफ्टी में भी 368 अंक की गिरावट रही

मुंबईः महीने के आखिरी कारोबारी दिन आज यानी 30 सितंबर को सेंसेक्स 1272 अंक की गिरावट के साथ 84,299 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 368 अंक की गिरावट रही, ये 25,810 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में गिरावट और 5 में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 41 में गिरावट और 9 में तेजी रही। एनएसई के ऑटो सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इससे पहले शुक्रवार यानी 27 सितंबर को शेयर बाजार ने लगातार 8वे दिन ऑल टाइम हाई बनाया था। सेंसेक्स ने 85,978 और निफ्टी ने 26,277 का रिकॉर्ड स्तर छुआ था।

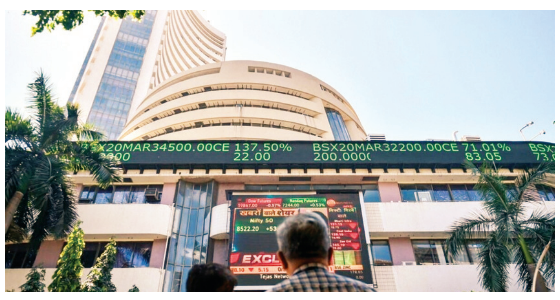

बाजार में गिरावट के 3 प्रमुख कारण रहा

- ईरान और इजराइल के बीच युद्ध की आशंका के कारण ग्लोबल मार्केट में निगेटिव सेंटिमेंट है। इसी का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है।
- भारतीय शेयर बाजार के मौजूदा वैल्यूएशन बढ़े हुए हैं। खासकर मिड और स्मॉल-कैप सेगमेंट में। बाजार में इस कारण आगे करेक्शन दिखने को मिल सकता है।
- अमेरिका में मंदी की आशंका बढ़ गई है, जिसके कारण पिछले कारोबारी दिन अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। इसका असर दुनियाभर के बाजारों में दिख रहा है।

डॉ. अग्रवाल हेल्थ केयर ने आईपीओलाने के लिए डीआरएचपी फाइल किया

टेमासेक होल्डिंग्स और टीपीजी बैक्ड नेत्र देखभाल सर्विस डॉ. अग्रवाल हेल्थ केयर ने इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओके माध्यम से पैसे जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल किया है। डीआरएचपी के मुताबिक, कंपनी 300 करोड़ रुपए के फ्रेश शेयर इश्यू करेगी। वहीं, कंपनी के प्रमोटर और मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल यानी ओएफएस के जरिए 69,568,204 इक्विटी शेयर बेचेंगे। इसके साथ ही भारत के पहले रजिस्टर्ड स्मॉल एंड मीडियम रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, प्रॉपर्टी शेयर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट ने भी 353 करोड़ रुपए का आईपीओलाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फाइल किया है।

भारतपे ने अशनीर ग्रोवर के साथ समझौता कियाः दोनों पक्षों ने केस वापस लिया

मुंबईः फिनटेक कंपनी भारतपे ने अपने पूर्व को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर के साथ विवादों पर शर्तों के साथ समझौता कर लिया है। शर्तों के तहत ग्रोवर कंपनी में किसी भी तरह से जुड़े नहीं रहेंगे और न ही उसकी शेयरहोल्डिंग का पार्ट होंगे। भारतपे ने सोमवार को एक ऑफिशियल बयान में कहा कि ग्रोवर के कुछ शेयर कंपनी के बेनिफिट के लिए 'रेसिलिएंट ग्रोथ ट्रस्ट' को ट्रांसफर किए जाएंगे और उनके बाकी बचे शेयरों को उनकी फैमिली ट्रस्ट मैनेज करेगी। भारतपे के बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने विवादों पर फाइल केस को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है। हम ग्रोवर को शुभकामनाएं देते हैं। भारतपे अपने मर्चेंट्स और कस्टमर्स इंडस्ट्री में सबसे बेहतर सॉल्यूशन डिलिवर करने पर फोकस करते रहेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च 2022 में कंपनी ने ग्रोवर को कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर के पद से हटा दिया था, जिसके बाद दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की थी।

अशनीर ग्रोवर बोले- कंपनी के मैनेजमेंट और बोर्ड पर पूरा भरोसा

समझौते के बाद अशनीर ग्रोवर ने अपने X हैंडल पर लिखा कि उन्हें मैनेजमेंट और बोर्ड पर पूरा भरोसा है, जो भारतपे को सही दिशा में आगे ले जाने में बेहतरीन काम कर रहे हैं। 'मैं कंपनी के ग्रोथ और सक्सेस के साथ जुड़ा हुआ हूं। मैं अब किसी भी केपेसिटी में भारतपे से जुड़ा नहीं रहूंगा, न ही कैपिटल टेबल का हिस्सा रहूंगा। कंपनी में मेरे बचे हुए शेयरों का मैनेजमेंट मेरी फैमिली ट्रस्ट करेगा। दोनों पक्षों ने दायर मामलों को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। मुझे उम्मीद है कि भारतपे अपने सभी स्टेकहोल्डर्स के हित के लिए आगे बढ़ता रहेगा और सफल होता रहेगा।'

साल 2022 में अशनीर ग्रोवर को भारतपे छोड़नी पड़ी थी

भारत पे के को-फाउंडर अशनीर ग्रोवर साल 2022 से विवादों में थे। इसके पीछे की मुख्य वजह अशनीर का वायरल हुआ एक ऑडियो था। इसमें वे कोटक महिंद्रा बैंक के एक कर्मचारी से अपमानजनक भाषा में बात करते हुए पाए गए थे। इसके अलावा कंपनी के नियमों के खिलाफ व्यवहार करने का भी उन पर आरोप लगा था। अशनीर और उनकी पत्नी के खिलाफ शिकायत मिलने पर कंपनी ने जांच बिठाने का फैसला किया। इस जांच में उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर को पैसों के हेरफेर में शामिल पाया गया। उनपर आरोप लगे थे कि उन्होंने पर्सनल ब्यूटी ट्रीटमेंट, इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट्स खरीदने और अमेरिका व दुबई की फैमिली वेकेशन के लिए कंपनी के पैसों का इस्तेमाल किया था। निजी स्टाफ को पेमेंट भी कंपनी अकाउंट से किया और परिचित लोगों से फर्जी रसीदें बनवाकर पेश कीं गई।

लॉफिंग ज़ोन

पिता (बेटे से), 'बेटे झूठ बोलना बहुत बुरी बात हैं अब मुझे देखो मुझे याद नहीं पड़ता मैंने जिंदगी में कभी झूठ बोला हो।'
बेटा, 'आप ठीक कहते हैं पिता जी। बिलकुल नहीं याद होगा क्योंकि बुढ़ापे में याद दाश्त कमजोर हो जाती हैं।'

□ □ □

राम (शाम से), 'मेरे पास ऐसी चीज हैं जो तुम्हारे पास नहीं है। जानते हो वह क्या है।'
शाम, 'बेवकूफी और बदबू।'

□ □ □

पहला, 'आपको मेरा चैक मिल गया?'
दूसरा, 'जी हां, दो बार।'
पहला, 'वह कैसे?'
दूसरा, 'एक बार आपसे दूसरी बार बैंक से।'

□ □ □

पिता बेटे से, 'तुम्हें क्लास में सबसे ज्यादा नम्बर क्यों नहीं मिलते?'
पुत्र, 'आपको दफ्तर में सबसे ज्यादा तनख्वाह क्यों नहीं मिलती?'

□ □ □

एक टूरिस्ट कमर में रस्सी बांधे, पहाड़ पर चढ़ रहा था। उसने अपने गाइड से कहा, 'अगर रस्सी टूट जाए तो क्या होगा?'
गाइड ने उतर दिया, 'चिंता न करो, हमारे पास रस्सियां बहुत हैं।'

आज का इतिहास

1887 बलूचिस्तान भारत में मिला दिया गया था।
1918 ब्रिटिश फौज की मदद से अरब सैनिकों ने दमिश्क तुर्की से छीन लिया।
1928 सोवियत नेता जोसफ स्टालिन की पंचवर्षीय योजना लागू हुई थी।
1936 जनरल फ्रासिस्कों फ्रैंको सरकार के मुखिया मनोनीत हुए थे।
1946 न्यूरेमबर्ग में अंतर्राष्ट्रीय युद्ध अपराध नययाधिकरण ने नाजी नेताओं को मौत की सजा सुनाई थी।
1953 आंध्र प्रदेश अलग राज्य बना।
1958 माप तौल की मीट्रिक प्रणाली लागू की गई।
1964 जापान की बुलेट ट्रेन ने टोकियो से ओसाका तक पहली यात्रा की।
1967 भारतीय पर्यटन निगम की स्थापना हुई।
1978 लड़के और लड़कियों की विवाह योग्य आयु 18 से 21 और 15 से 18 वर्ष की गई।
1979 सत्तर वर्ष के अमरीकी नियंत्रण के बाद पनामा नहर पनामा को सौंप दिया गया।
1999 इंडोनेशिया में 44 वर्ष बाद लोकतांत्रिक तरीके से हुए संसदीय चुनावों के बाद संसद की पहली बैठक हुई।
2001 जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के भवन पर विस्फोटक से लदी टाटा सूमो की टक्कर। गोली बारी में 26 मरे, 63 घायल।
2002 गोवा में नौसेना के दो विमान टकराए, 16 मरे।
2003 आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू बारुदी सुरंग विस्फोट में बाल-बाल बचे। हीरा व्यापारी भरत शाह को एक साल की कैद।
2005 शिलांग में पुलिस फायरिंग से 9 लोगों की मौत।

दैनिक पंचांग

1 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.05 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृश्चिक	09.19 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.35 बजे से
बुध	कन्य में	मकर	13.41 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	15.27 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.00 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	18.30 बजे से
राहु	मीन में	वृष	20.10 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	22.09 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.22 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.38 बजे से
बजे तक		कन्या	04.50 बजे से

मंगलवार 2024 वर्ष का 275 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 21.40 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 09.16 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 02.17 बजे रात्र को समाप्त। **करण** विष्टि 08.22 बजे तदनन्तर शकुनि 21.40 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 18' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872119 **जूलियन दिन** 2460584.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 27 **विशेष** चतुर्दशी श्राद्ध, रायबहादुर डॉ. हीरालाल जयंती, विश्व वृद्ध एवं राष्ट्रीय रक्तदान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8145

बाएँ से दाएँ
1. कवि की रचना, गजल-3
3. अनुमान, अंदाज-3
5. सदपुरुष-2
6. अयोग्य, असंगत -2
8. स्वार्थ, लोभ-4
10. सहयोग, सहकार-3
11. उन्माद, सनक-3
12. भगवान का अराधक-2
13. ठंडक, शीतलता-2
14. दूल्हे के सिर पर बांधी जाने वाली पगड़ी-3
16. चांदी-3
18. गंवारपन, अशिष्टता-4
20. पैंदा, तला-2
22. वर्तमान दिन-2
23. बहने का भाव-3
24. गमन, विदा होना-3

ऊपर से नीचे
1. हुनर, फन, आर्ट-2
2. बल, दम, जोर-3
3. समीप, नजदीक-3
4. गलत का विलोम-2
5. भ्रम, संदेह-3
7. उपनदी, कैनाल-3
8. नशे से भरपूर-4
9. लाख, सौ हजार-2
11. स्वभाव, आदत-4
14. स्वास्थ्य-3
15. इस जगह-2
17. तहजीब, शिष्टता-3
18. इकट्ठा होना-3
19. रेखा, लाइन-3
21. होठ, अधर-2
22. आगमन-2

शब्द पहेली - 8144 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अंकजाल - 7686

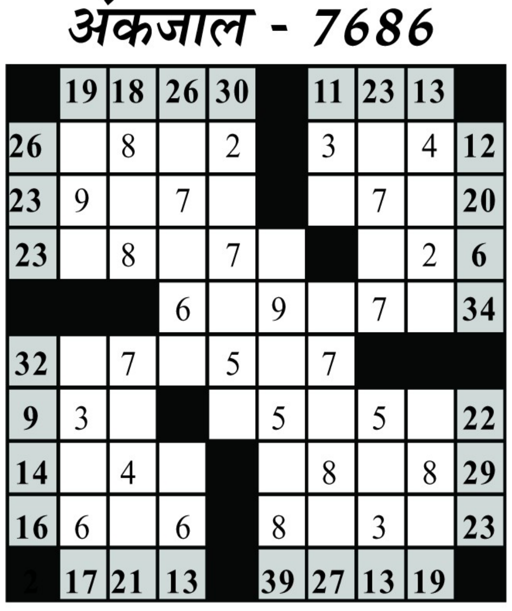

खाली स्थानों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर दाएँ से बाएँ एवं ऊपर से नीचे जोड़ना है जिसका सही उत्तर मटमैले रंग के खानों में दिया गया है.

अंकजाल 7685 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6630

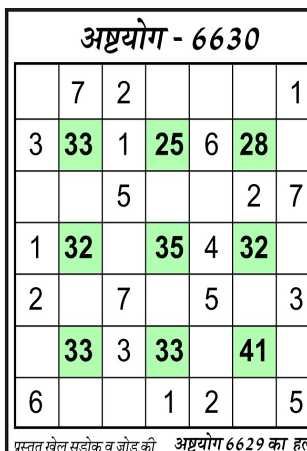

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6629 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणित पहेली - 5990

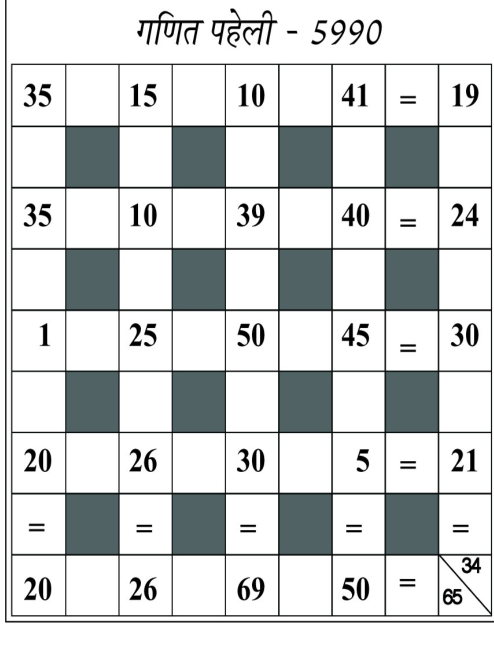

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (x) व (÷) के निशान लगाने हैं जिनका उत्तर (=) पूर्णतः मेल खाता हो.

गणित पहेली - 5989

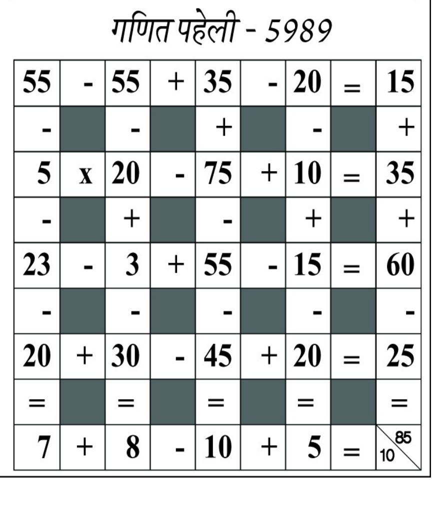

शब्दजाल - 7677

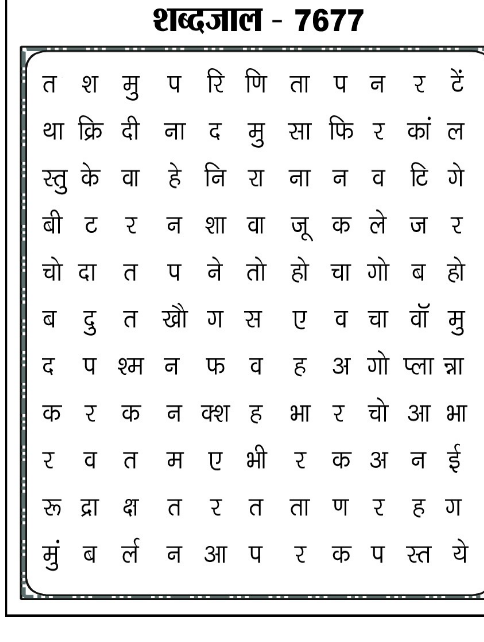

शब्दजाल में संजय दत्त की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

लगे रहो मुन्ना भाई, तथास्तु, परिणिता, मुसाफिर, दीवार, रूद्राक्ष, कांटें, राजू चाचा, खौफ, दुश्मन

शब्दजाल - 7676 का हल

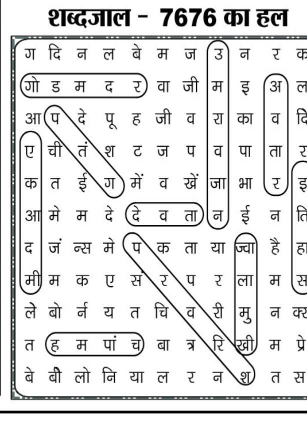

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के लिए आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं की उपलब्धता के लिए की गई राज्य स्तरीय बैठक

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा कि आगामी विधानसभा निर्वाचन को देखते हुए दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के क्रम में आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं जैसे मतदान केंद्रों तक रैम्प, व्हीलचेयर, शौचालय, आवश्यकता अनुसार वालंटियर की व्यवस्था करने के लिए पूर्व से ही कार्ययोजना तैयार करते हुए इनके अनुपालन की व्यवस्था करनी है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के साथ ही उनके मतदान प्रक्रिया को सहज बनाने के लिए पदाधिकारी कार्ययोजना सुनिश्चित कर लें। वे आज राज्य स्तरीय "स्टीयरिंग कमेटी ऑन एक्सेसिबल इलेक्शन" की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

श्री कुमार ने कहा कि मतदाताओं को उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मुख्यालय स्तर से प्रशिक्षण वीडियो बना लें। साथ ही सक्षम ऐप के बारे में भी वृहत प्रचार प्रसार के माध्यम से सभी दिव्यांगों के बीच इसकी जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में रैंप की मरम्मती करा लें साथ ही शौचालय, रनिंग वाटर एवं बिजली की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर लें।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं के मतदान से संबंधित भ्रांतियों को दूर करते हुए उनके शत प्रतिशत मतदान के प्रति उन्हें सजग करें। वैसे दिव्यांग मतदाता जो मतदान केंद्र तक आने में असक्षम हैं उन्हें चिन्हित करें एवं मतदान के दौरान उनके होम वोटिंग की भी व्यवस्था करें। इसके साथ ही सक्षम दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर उपस्थित होकर मतदान के लिए प्रेरित भी करें। बैठक में राज्य निशक्तता आयुक्त, निदेशक उच्च शिक्षा, राज्य परियोजना निदेशक जेईपीसी, निदेशक सामाजिक कल्याण, अपर सचिव भवन निर्माण विभाग, प्रतिनिधि नेहरू युवा केंद्र रांची, झारखंड पीडब्लूडी आइकन गोपिका आनंद सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक

बेरमो : चंद्रपुरा थाना,तथा दुग्दा थाना मे दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमे मुख्य रूप से चंदपुरा थाना मे थाना प्रभारी अमन कुमार के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई इस बैठक मे मुख्य रूप से चंद्रपुरा प्रखंड प्रमुख, विभिन्न पंचायत के मुखिया तथा पंचायत समिति, DVC अधिकारी,और चंद्रपुरा क्षेत्र के गनमान्य लोग तथा स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। वही विभिन्न पूजा पंडाल समिति के लोग उपस्थित होकर अपनी बातों को रखते हुए बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त करने क्षेत्र में शांतिपूर्ण पूजा संपन्न कराने को लेकर शराबबंदी की मांग प्रशासन से मुख्य रूप से की। वही दुग्दा थाना में भी दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमे दुर्गा थाना प्रभारी मनीष कुमार के नेतृत्व में आयोजित कि गई जिसमें मुख्य रूप से बिजली की समस्या का समाधान, शराब बिक्री पर रोक, सीसीटीवी कैमरे लगाना इत्यादि प्रशासन से मांग की गई।

गांडेय विधायक कल्पना सोरेन एवं गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने किया महिला महाविद्यालय का शिलान्यास

गिरिडीह : महिला महाविद्यालय, बेंगाबाद, गिरिडीह सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि के उदेश्य से आवश्यकता के आधार पर विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग अंतर्गत गिरिडीह जिले के गांडेय विधान सभा क्षेत्र में महिला महाविद्यालय, बेंगाबाद, गिरिडीह के निर्माण किया जा रहा है जिसका शुभारंभ आज माननीय गांडेय विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन ने किया।इसमें शैक्षणिक-सह-प्रशासनिक ब्लॉक, 100 बिस्तरों वाला छात्रावास, 1बीएचके क्वार्टर (स्टाफ क्वार्टर, प्रिंसिपल क्वार्टर, सड़क, पार्किंग, नाली, बागवानी और साइट समतलीकरण, स्ट्रीट लाइटिंग के साथ बाहरी विद्युतीकरण, सीसीटीवी निगरानी और यूपीएस, अग्निशमन के लिए भूमिगत टैंक, सीमा दीवार और रिटेनिंग वॉल, गार्ड रूम के साथ गेट, लिफ्ट और फर्नीचर को शामिल करते हुये निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया।महिला महाविद्यालय, बेंगाबाद, गिरिडीह के निर्माण कार्य की राशि रू 43,86,16,000/- (तेतालीस करोड़ छियासी लाख सोलह हजार रूपये) मात्र है। महाविद्यालय का निर्माण कार्य 3000 छात्राओं की क्षमता (04 वर्षीय पाठ्यक्रम के तहत) को ध्यान में रखकर कराया जा रहा है।

सर जे० सी० बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह की स्थापना झारखण्ड राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम-2024 (झारखण्ड अधिनियम संख्या-06, 2024) के द्वारा की गई है तथा इसे अधिसूचना सं० एल०जी०-03/2024-34-लेज0-दिनांक-31.05.2024 के द्वारा अधिसूचित किया गया है। सर जे० सी० बोस विश्वविद्यालय का मुख्यालय गिरिडीह में है तथा उत्तरी छोटानागपुर प्रमण्डल अंतर्गत गिरिडीह एवं कोडरमा जिले के उच्च शिक्षण संस्थानों इस विश्वविद्यालय के अधिकारिता क्षेत्र में लाया गया है। सर जे० सी० बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह के अधिकार क्षेत्र (गिरिडीह एवं कोडरमा जिले) में कुल 04 अंगीभूत महाविद्यालय एवं 09 डिग्री / मॉडल / महिला महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। भविष्य में गिरिडीह एवं कोडरमा ज़िले में नये महाविद्यालय का निर्माण होने पर ये सभी सर जे० सी० बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह के अन्तर्गत आयेंगे। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा सर जे० सी० बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह के संचालन हेतु पदों के सृजन की कार्रवाई की जा रही है। विभागीय पत्रांक 173/ बजट दिनांक 06-09-2024 के द्वारा सर जे० सी० बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह के लिए चिन्हित भूमि के चाहरदीवारी के निर्माण कार्य हेतु राशि रू० 3,09,11,500 की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने कनेक्टेक- यूईएम 2024 में मारी बाजी

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : रांची में आयोजित कनेक्टेक-यूईएम तकनीकी बोनांजा 2024 में सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के छात्रों ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के 'पाइथागोरस स्टार' प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं के निश्चय रतन ने पहला स्थान प्राप्त कर 7000 रुपये की नगद पुरस्कार राशि जीती। कक्षा दसवीं के ही अमन राज ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 4000 रुपये का नगद पुरस्कार जीता, जबकि कक्षा दसवीं के श्रीहर्ष दास को प्रथम प्रशंसा पुरस्कार मिला। 'पाइथागोरस प्रो' प्रतियोगिता में कक्षा ग्यारहवीं की जाह्नवी सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 7000 रुपये का नगद पुरस्कार जीता और कक्षा बारहवीं के सक्षम गोयल ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 4000 रुपये की नगद पुरस्कार राशि जीती। 'क्यूरियोसिटी' क्विज प्रतियोगिता में वैष्णव सिंह कश्यप ने तीसरा स्थान प्राप्त कर 3000 रुपये का नगद पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय को ओवर ऑल दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने छात्रों की इस अद्वितीय सफलता पर टीम को बधाई दी और उनके रचनात्मक कौशल की सराहना की ।

योगदा आश्रम, रांची में योगावतार लाहिड़ी महाशय की 196वीं जयंती का स्मरणोत्सव

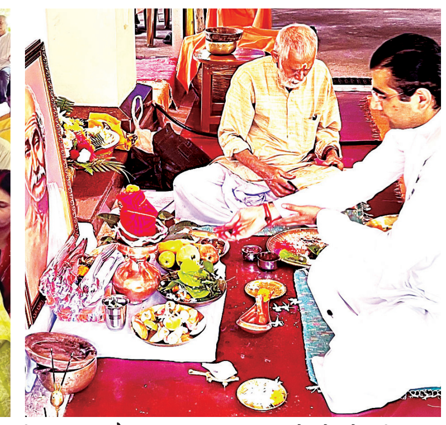

कोयलांचल संवाद संवाददाता, रांची : 30 सितंबर को योगदा आश्रम, रांची में हर्षोल्लास से भरे माहौल में लाहिड़ी महाशय के आविर्भाव का स्मरणोत्सव मनाया गया। स्मरणोत्सव सुबह, स्वामी स्वरूपानंद द्वारा संचालित एक विशेष ऑनलाइन सामूहिक ध्यान के साथ आरंभ हुई, जिसमें पूरे भारत से भक्तों ने भाग लिया। इसके बाद सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक गुरु पूजा में उपस्थित भक्तों ने स्वामी अमरानंद और अन्य संन्यासिगणो द्वारा संचालित भजनों का आनंद लिया। भजन-संकीर्तन के बाद वहां उपस्थित भक्तों और संन्यासियों को प्रसाद वितरित किया गया।

योगदा सत्संग परंपरा के परमगुरुओं में से एक, योगावतार लाहिड़ी महाशय, हिमालय के महान अमर योगी महावतार बाबाजी के शिष्य थे। महावतार बाबाजी ने लाहिड़ी महाशय को क्रिया योग का प्राचीन लगभग-लुप्त विज्ञान बताया, तथा उन्हें सभी सच्चे साधकों को दीक्षा देने का निर्देश दिया। लाहिड़ी महाशय के जीवन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि उन्होंने हिंदू, मुस्लिम, और ईसाई सभी धर्मों के आध्यात्मिक साधकों को क्रिया दीक्षा दी। वे एक गृहस्थ-योगी थे, जो अपने सभी पारिवारिक दायित्वों और सामाजिक कर्तव्यों को पूरा करते हुए भी भक्ति और ध्यान का संतुलित तथा संयमित जीवन व्यतीत करते थे। वह समाज के सांसारिक जीवन जी रहे हजारों पुरुषों और महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बने । उन्होंने समाज के पतित-दलितों के हृदयों मे आशा की नयी किरण जगायी। स्वयं सर्वोच्च ब्राह्मण जाति के होते हुए भी उन्होंने अपने समय की कट्टर जाति व्यवस्था को तोड़ने की दिशा में साहसिक कदम उठाये थे।

इस विशेष दिन का उत्सव शाम को 3 घंटे के ध्यान के साथ समाप्त हुआ, जहाँ ब्रह्मचारी एकत्वानंद ने लाहिड़ी महाशय के कुछ उपाख्यानों और शिक्षाओं को पढ़ा।

ध्यान और क्रिया योग के बारे में अधिक जानकारी के लिए: yssofindia.org.

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटुआ, रांची से मुद्रित एवं फर्स्ट फ्लोर, 105, नायल कॉम्प्लेक्स, कांटाटोली, रांची-834001 (झारखण्ड) से प्रकाशित, आर.एन.आई. नं. JHAHIN/50549 फोन नं. 8084372014, Email : koylanchalsamvad@gmai.com & koylanchal.hindi@gmail.com*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट तहत जिम्मदार।